सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन 2014-2015

बौद्धिक
सम्पदा **भारत**

**कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प,
व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन**

भारत सरकार

**वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग**

सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन
2014-15

बौद्धिक
सम्पदा **भारत**

**कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प,
व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन
भारत**

अनुक्रमणिका

अध्याय	विषय-वस्तु	पृष्ठ संख्या
अध्याय-I.	प्राक्कथन	3
अध्याय-II	बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति - एक झलक	5
अध्याय-III	जन सेवा प्रदान - दक्षता और पारदर्शिता	13
अध्याय-IV	पेटेंट	18
अध्याय-V	डिजाइन	37
अध्याय-VI	व्यापार चिह्न	43
अध्याय-VII	भौगोलिक उपदर्शन	53
अध्याय-VIII	पेटेंट सूचना पद्धति एवं राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान	59
अध्याय-IX	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	64
अध्याय-X	प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बर्हि-क्रियाकलाप	70
अध्याय-XI	मानव संसाधन	74

अध्याय - I

प्राक्कथन

बौद्धिक सम्पदा प्रणाली किसी देश के औद्योगिक विकास और सर्वांगीण उन्नति का एक अपरिहार्य अंग है। विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान के सृजनकर्त्ता को प्रदत्त अनन्य अधिकार न केवल नए उत्पाद और प्रक्रियाएँ विकसित करने के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन प्रदान करते हैं बल्कि उपभोक्ता और सम्पूर्ण समाज के लिए भी लाभप्रद होते हैं। ऐसे प्रोत्साहन से समाज के समेकित ज्ञान में वृद्धि होने के साथ-साथ इसके प्रसार में भी तेजी आती है और आविष्कारिता का क्षितिज विस्तारित होता है।

वर्ष 2014-15 के दौरान बौद्धिक सम्पदा कार्यालय में अधिसंख्य पहल के माध्यम से आधारभूत परिवर्तन किए गए हैं जिसके फलस्वरूप बौद्धिक सम्पदा प्रणाली तक पहुँच सहज हुई है, बौद्धिक सम्पदा आवेदनों पर कार्यवाही में दक्षता बढ़ी है, आवेदनों के परीक्षण में एकरूपता और निरंतरता आई है, बौद्धिक सम्पदा से संबंधित सूचना का प्रसार और पारदर्शिता सुदृढ़ हुई है, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर द्विपक्षीय सहयोग को बल मिला है और आम लोगों के बीच बौद्धिक सम्पदा जागरूकता स्तर में अभिवृद्धि हुई है। देश में बौद्धिक सम्पदा पारिस्थितिकी का निरंतर और अनवरत उन्नयन सुनिश्चित करने की दिशा में कई प्रयास प्रारंभ किए गए हैं। इसे प्रभावी बनाने के लिए कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) ने एक बहुद्देशीय कार्यनीति बनाई है ताकि देश में एक सबल बौद्धिक सम्पदा व्यवस्था विकसित की जा सके और सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और आविष्कारिता पर गर्व करने की संस्कृति को प्रश्रय मिले।

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक उपदर्शन, भारत सरकार, वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के तहत औद्योगिक नीति व संवर्द्धन विभाग (डीआईपीपी) का एक अधीनस्थ कार्यालय है। यह कार्यालय पेटेंट, डिजाइन, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक उपदर्शन से संबंधित बौद्धिक सम्पदा विधानों का प्रशासन इस प्रकार से करता है जिससे देश में एक प्रभावी और जीवंत बौद्धिक सम्पदा प्रणाली सृजित की जा सके। नागपुर में स्थित पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस) तथा राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) भी कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक उपदर्शन के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन हैं।

बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के संगठनात्मक चार्ट निम्नवत् हैं:

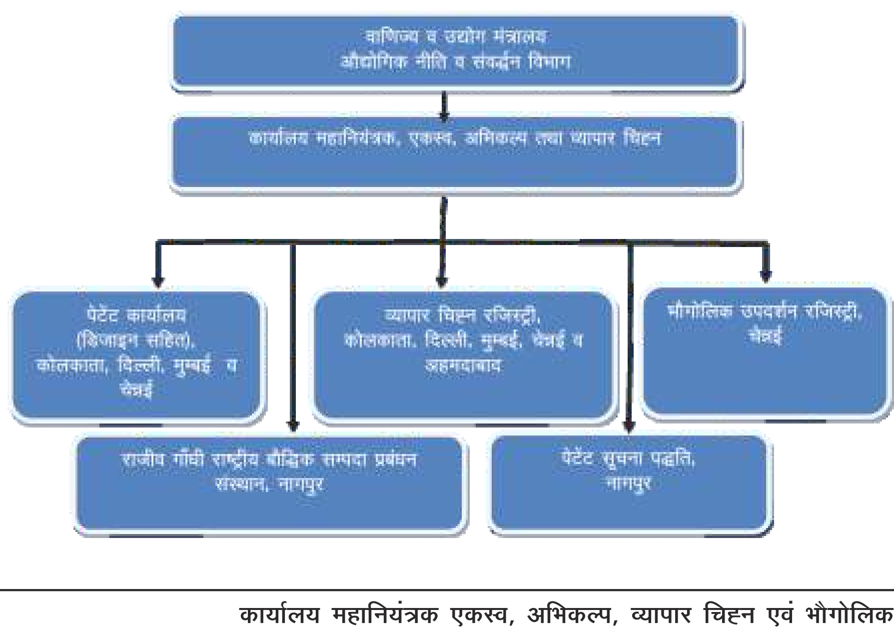

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) के नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों के वर्ष 2014-15 के दौरान किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण इस प्रतिवेदन के आगे के अध्यायों में दिया गया है। कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न के अंतर्गत सभी कार्यालयों के राजस्व एवं व्यय के ब्यौरे तथा अन्य संबद्ध सांख्यिकी भी शामिल की गई है। अद्यतन बौद्धिक सम्पदा विधान, विभिन्न समारोहों के मुख्यांश और अन्य उपयोगी सूचना हमारी शासकीय वेबसाइट (http://www.ipindia.nic.in) पर उपलब्ध है।

(ओम प्रकाश गुप्ता, भा.प्र.से.)
महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न

अध्याय - II

बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति - एक नजर

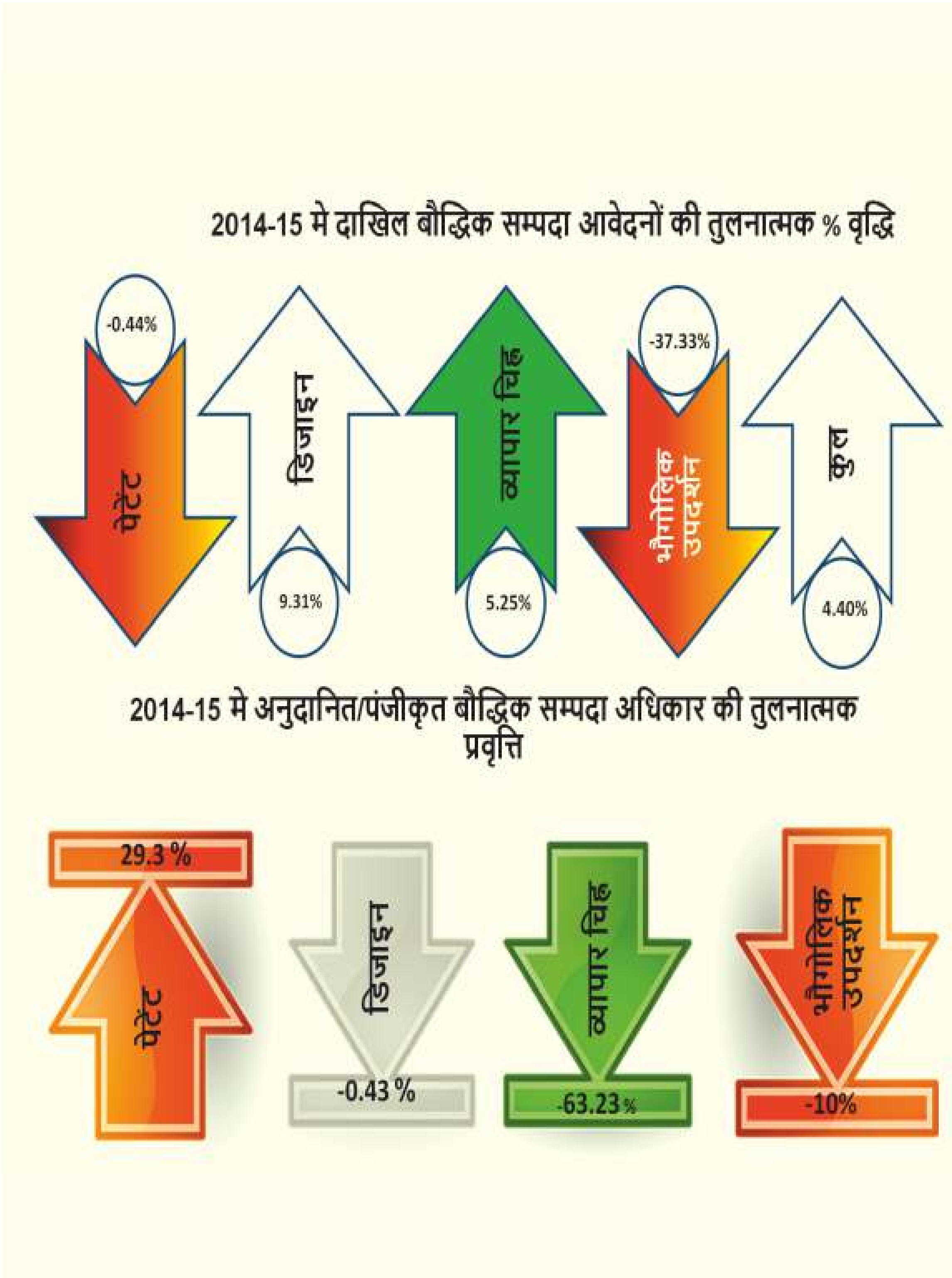

अध्याय - II

बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति - एक झलक

बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति – स्नैप्शोट

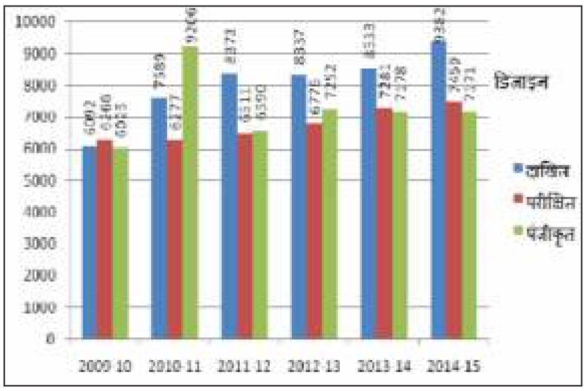

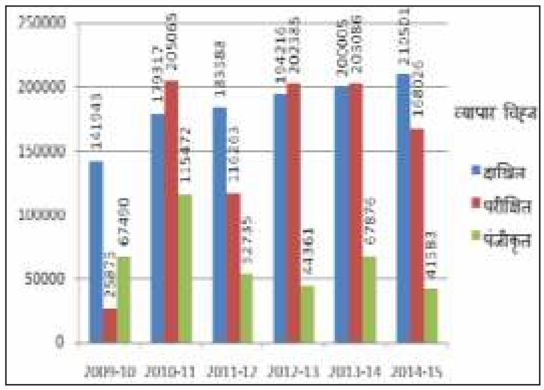

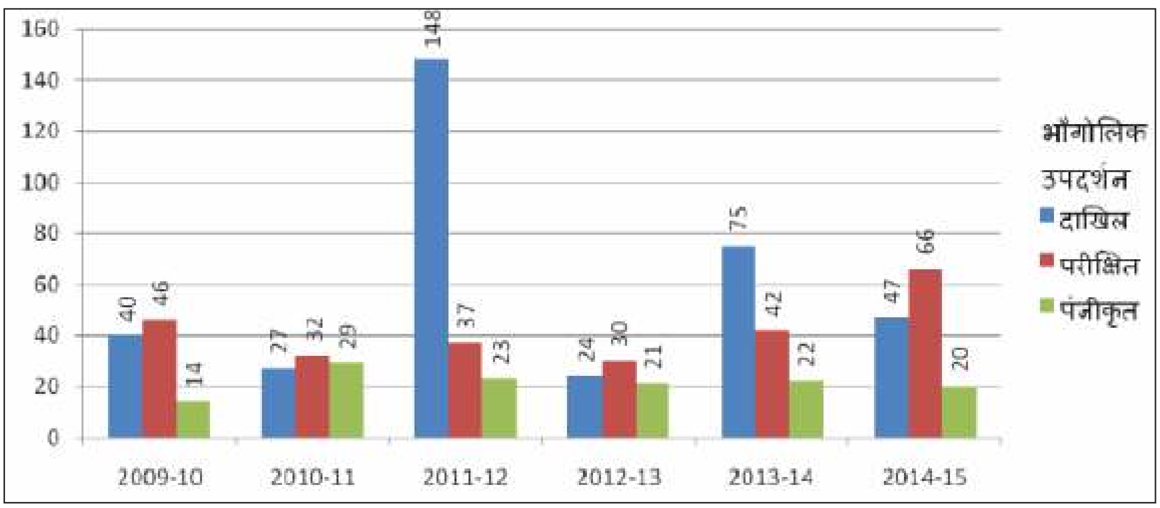

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) के अधीन सभी कार्यालयों में विगत वर्ष (2,51,564) की तुलना में वर्ष 2014-15 (2,62,638) के दौरान बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने की दिशा में लगभग 4.40% की वृद्धि देखी गई है। बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने के संदर्भ में विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

आवेदन	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पेटेंट	39,400	43,197	43,674	42,951	42,763
डिजाइन	7,589	8,373	8,337	8,533	9,327
व्यापार चिह्न	1,79,317	1,83,588	1,94,216	2,00,005	2,10,501
भौगोलिक उपदर्शन	27	148	24	75	47
कुल	2,26,333	2,35,306	2,46,251	2,51,564	2,62,638

पृथक बौद्धिक सम्पदा गतिविधियों का विवरण आगे दर्शाया गया है।

क. पेटेंट: 2014-15 के दौरान 42,763 पेटेंट आवेदन दाखिल किए गए। कार्यालय में विगत वर्ष की तुलना में आवेदन दाखिल करने में मामूली गिरावट देखी गई है। दाखिल, परीक्षित, अनुदानित, निरस्त तथा परित्यक्त पेटेंट आवेदनों के संदर्भ में विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है। आवेदनों के निपटान में इस वर्ष के दौरान अनुदानित, निरस्त और परित्यक्त आवेदन शामिल हैं।

पेटेंट आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
दाखिल	39,400	43,197	43,674	42,951	42,763
परीक्षित	11,208	11,031	12,268	18,615	22,631
अनुदानित	7,509	4,381	4,126	4,227	5,978
निपटान (अनुदानित+निरस्त+परित्यक्त)	12,851	8,488	9,027	11,411	14,316

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, पेटेंट कार्यालय ने 14,316 आवेदनों का निपटान किया जिनमें से 5,978 आवेदन पेटेंट अनुदान हेतु अग्रसर हुए, 6,970 धारा 21(1) के तहत परित्यक्त हुए और 1,368 आवेदनों को परीक्षण के बाद सुनवाई देकर निरस्त कर दिया गया। परीक्षित पेटेंट आवेदनों की कुल संख्या (प्रथम परीक्षण रिपोर्ट जारी) में विगत वर्ष की तुलना में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जिन पेटेंट आवेदनों के लिए परीक्षण हेतु अनुरोध प्राप्त हुए थे उनके निपटान में 25.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। सभी नव नियुक्त परीक्षक जिन्हें आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर में विधिवत् प्रशिक्षित किया गया था, उन्होंने प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद अपने-अपने पेटेंट कार्यालयों में कार्य के प्रति महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रत्येक स्तर पर आवेदनों की कार्यवाही की नियमित निगरानी और समीक्षा के अतिरिक्त, वर्ष 2014-15 के दौरान पेटेंट कार्यालय ने व्यापक कम्प्यूटरीकरण और स्वचालन के माध्यम से अपनी आंतरिक प्रसंस्करण प्रणाली का अद्यतीकरण किया है जिससे त्वरित और गुणतापरक परीक्षण और अन्य आउटपुट सुलभ कराया जा सके।

ख. डिजाइन: वर्ष के दौरान 9,327 डिजाइन आवेदन दाखिल किए गए जो विगत वर्ष की तुलना में 9.30% की वृद्धि दर्शाते हैं। वर्ष 2014-15 में परीक्षित डिजाइन आवेदन की संख्या बढ़कर 7,459 हो

गई जो 2013-14 के दौरान **7,281** थी। वर्ष 2013-14 के दौरान पंजीकृत **7,178** डिजाइन की तुलना में इस वर्ष के दौरान **7,147** डिजाइन पंजीकृत किए गए। विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

डिजाइन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
दाखिल	7,589	8,373	8,337	8,533	**9,327**
परीक्षित	6,277	6,511	6,776	7,281	**7,459**
पंजीकृत	9,206	6,590	7,252	7,178	**7,147**
निपटान (पंजीकृत +परित्यक्त+निरस्त)	9,221	6,705	7,300	7,226	**7,218**

ग. व्यापार चिह्न: वर्ष 2014-15 में **2,10,501** व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल किए गए। विगत वर्ष की तुलना में आवेदन दाखिल करने में लगभग **5.25%** की वृद्धि रही है। वर्ष के दौरान **1,68,026** आवेदन परीक्षित हुए और **41,583** व्यापार चिह्न पंजीकृत किए गए । विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
दाखिल	1,79,317	1,83,588	1,94,216	2,00,005	**2,10,501**
परीक्षित	2,05,065	1,16,263	2,02,385	2,03,086	**1,68,026**
पंजीकृत	1,15,472	51,735	44,361	67,876	**41,583**
निपटान (पंजीकृत +परित्यक्त+निरस्त)	1,32,507	57,867	69,736	1,04,756	**83,652**

घ. भौगोलिक उपदर्शन : 15 सितम्बर, 2003 से 31 मार्च, 2015 तक कुल **526** आवेदन प्राप्त किए गए हैं। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान **47** आवेदन दाखिल किए गए और **60** आवेदनों का परीक्षण किया गया। कुल **20** भौगोलिक उपदर्शन पंजीकृत किए गए। विगत पाँच वर्षों के दौरान दाखिल, परीक्षित एवं पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की प्रवृत्ति निम्नवत् हैं।

भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
दाखिल	27	148	24	75	**47**
परीक्षित	32	37	30	42	**60**
पंजीकृत	29	23	21	22	**20**

ङ. अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति: विगत 5 वर्षों के दौरान बौद्धिक सम्पदा अधिकार के अनुदान/पंजीकरण की तुलनात्मक प्रवृत्ति निम्नवत् है। कोष्ठक में प्रदत्त संख्या कुल निपटान प्रदर्शित करती है जिसमें अनुदानित, निरस्त और परित्यक्त आवेदन शामिल है।

अनुदानित/पंजीकृत (और निपटाए गए) बौद्धिक सम्पदा अधिकार की तुलनात्मक प्रवृत्ति

वर्ष	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
पेटेंट	7,509 (12,851)	4,381 (8,488)	4,126 (9,027)	4,227 (11,411)	5,978 (14,316)
डिजाइन	9,206 (9,221)	6,590 (6,705)	7,252 (7,300)	7,178 (7,226)	7,147 (7,218)
व्यापार चिह्न	1,15,472 (1,32,507)	51,735 (57,867)	44,361 (69,736)	67,876 (1,04,756)	41,583 (83,652)
भौगोलिक उपदर्शन	29	23	21	22	20

वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों का नाम	दाखिल आवेदन
1.	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद	315
2.	महानिदेशक, प्रतिरक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन	98
3.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)	68
4.	जी.एच.आर. लैब्स एंड रिसर्च सेंटर	31
5.	जैवतकनीक विभाग	23
5.	जीएसपी क्रोप साइंस प्रा.लि.	23
6.	हेटेरो रिसर्च फाउंडेशन	22
6.	रॉटरी विंग रिसर्च एंड डिजाइन सेंटर हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड	22
7.	सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डैक)	20
8.	सचिव, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीइआईटीवाई)	18
9.	ज्यूबिलेंट लाइफ साइंसेज लिमिटेड	17
10.	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान	13

संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	संस्थानों और विश्वविद्यालयों का नाम	दाखिल आवेदन
1.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	337
2.	जर्नादन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ (मानद) विश्वविद्यालय	53
3.	भारतीय विज्ञान संस्थान	46
4.	अमिटी यूनिवर्सिटी	43
5.	संदीप फाउंडेशन्स संदीप इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर	33
6.	हिन्दुस्तान इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस	31
7.	साल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग रिसर्च	22
8.	संदीप फाउंडेशन्स संदीप इन्स्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट	21
9.	सिद्धगंगा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एन इंस्टिट्यूट ऑफ श्री सिद्धगंगा एडूकेशन सोसायटी	19
10.	कारपगम यूनिवर्सिटी	18

शीर्ष 10 विदेशी आवेदक

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1.	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	1214
2.	कोनिनक्लीके फिलिप्स एन.भी.	805
3.	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	449
4.	सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स क. लि.	379
5.	बेस्फ एसइ	297
6.	होंडा मोटर क. लि.	280
7.	सिमेन्स एक्टाइनजेसेलसाफ्ट	277
8.	जेनरल इलेक्ट्रीक कम्पनी	276
9.	जेएफई स्टील कॉरपोरेशन	230
10.	सोनी कॉरपोरेशन	218

शीर्ष 5 भारतीय पेटेंटग्राही

क्र.सं.	संगठनों के नाम	अनुदानित पेटेंट
1	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद	66
2	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	56
2	सैमसंग आर & डी इन्स्टिट्यूट इंडिया- बंगलोर प्राइवेट लिमिटेड	56
3	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	30
4	टाटा मोटर्स लिमिटेड	26
5	टाटा स्टील लिमिटेड	25
5	हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड	25

शीर्ष 5 विदेशी प्रवासी पेटेंटग्राही

क्र.सं.	आवेदक	अनुदानित पेटेंट
1	जीएम ग्लोबल टेक्नोलॉजी ऑपरेशन्स, इंक	267
2	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	205
3	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	94
4	एलजी इलेक्ट्रोनिक्स आईएनसी.	87
5	कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रोनिक्स एन.भी.	61

च. प्रकाशन एवं अनुदान-पूर्व विरोध: प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पेटेंट अधिनियम,1970 की धारा 11क के तहत 26,934 पेटेंट आवेदन प्रकाशित किए गए तथा धारा 25(1) के तहत 247 अनुदान-पूर्व विरोध दाखिल हुए जो प्रकाशित आवेदनों का लगभग 1% है। प्रकाशित तथा अनुदान-पूर्व विरोध के लिए दाखिल आवेदनों का आरेखीय दृश्य निम्नवत है।

छ. राजस्व और व्यय: कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के अंतर्गत सभी कार्यालय सदैव राजस्व आधिक्य वाले कार्यालय रहे हैं। वर्ष 2014-15 के दौरान अर्जित कुल राजस्व **रु.514.63 करोड़** था जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग **64.75%** अधिक है, जबकि कुल गैर-योजना व्यय **रु.58.93 करोड़** था जिससे **रु.455.70 करोड़** का राजस्व आधिक्य प्राप्त हुआ। पेटेंट कार्यालय ने **रु.376.31 करोड़** (पेटेंट **रु.374 करोड़** एवं डिजाइन **रु.2.31 करोड़**), व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने **रु.138.13 करोड़**, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री ने **रु.0.055 करोड़** तथा पेटेंट सूचना पद्धति और राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान ने **रु.0.128 करोड़** का कुल राजस्व अर्जित किया। बौद्धिक सम्पदा (आईपी) प्रशासन का वर्ष 2014-15 के संबंध मे उत्पादित राजस्व और गैर योजना व्यय का विवरण नीचे दी गई सारणी मे दिया गया है। ग्राफीय चित्रण प्रतिवेदन वर्ष 2014-15 के अनुरूप आंकड़े दर्शाता है।

(i) वर्ष 2013-2014 और 2014-2015 के दौरान उत्पादित राजस्व का तुलनात्मक विवरण

वर्ष	2013-2014 (रु.)	2014-2015 (रु.)
पेटेंट	188,27,65,864	374,00,78,912
डिजाइन	1,33,73,044	2,31,50,202
व्यापार चिह्न	122,50,00,000	138,13,00,000
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री	6,49,990	5,56,150
पीआईएस/आरजीएनआई आईपीएम	6,63,484	12,80,015
कुल	312,24,52,382	514,63,65,279

वर्ष 2014-2015 के दौरान उत्पादित राजस्व (रु में)

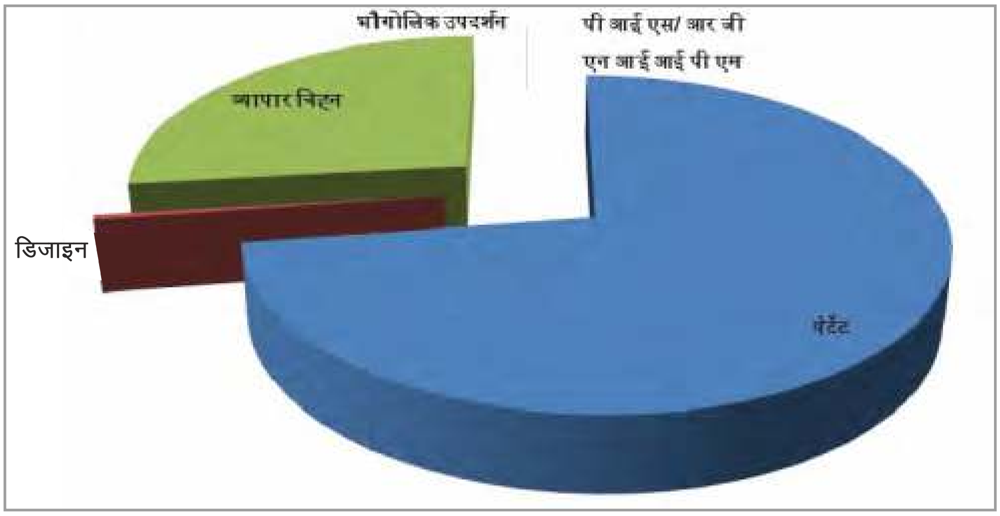

(ii) वर्ष 2013-2014 और 2014-2015 के लिए गैर-योजना व्यय की तुलना

वर्ष	2013-2014 (रु.)	2014-2015 (रु.)
पेटेंट (डिजाइन सहित)	26,82,76,788	25,31,67,553
व्यापार चिह्न	10,29,23,567	12,31,67,729
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री	77,18,569	69,62,509
पीआईएस/एनआईआईपीएम	1,74,69,862	1,81,03,366
कुल	39,63,98,077	40,14,01,157

वर्ष 2014-2015 के लिए गैर-योजना व्यय (रु. में)

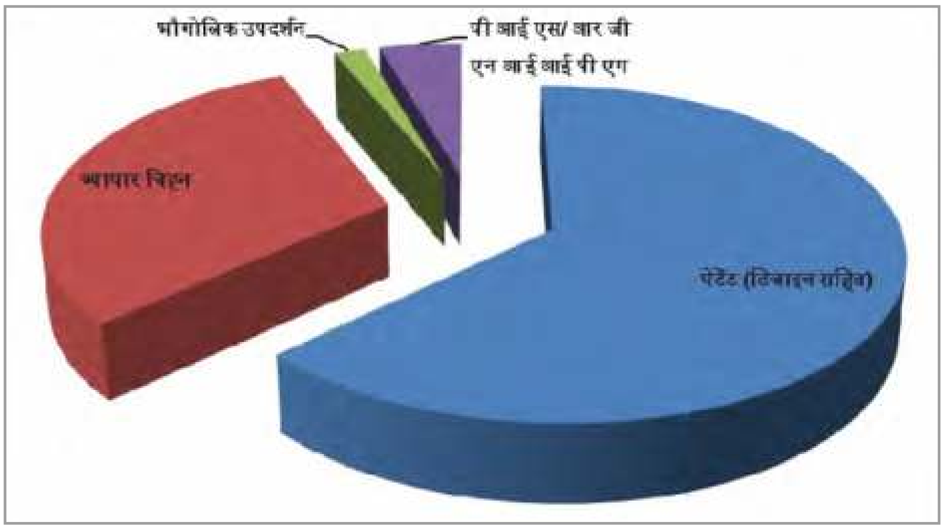

अध्याय - III

जन सेवा प्रदान - दक्षता और पारदर्शिता

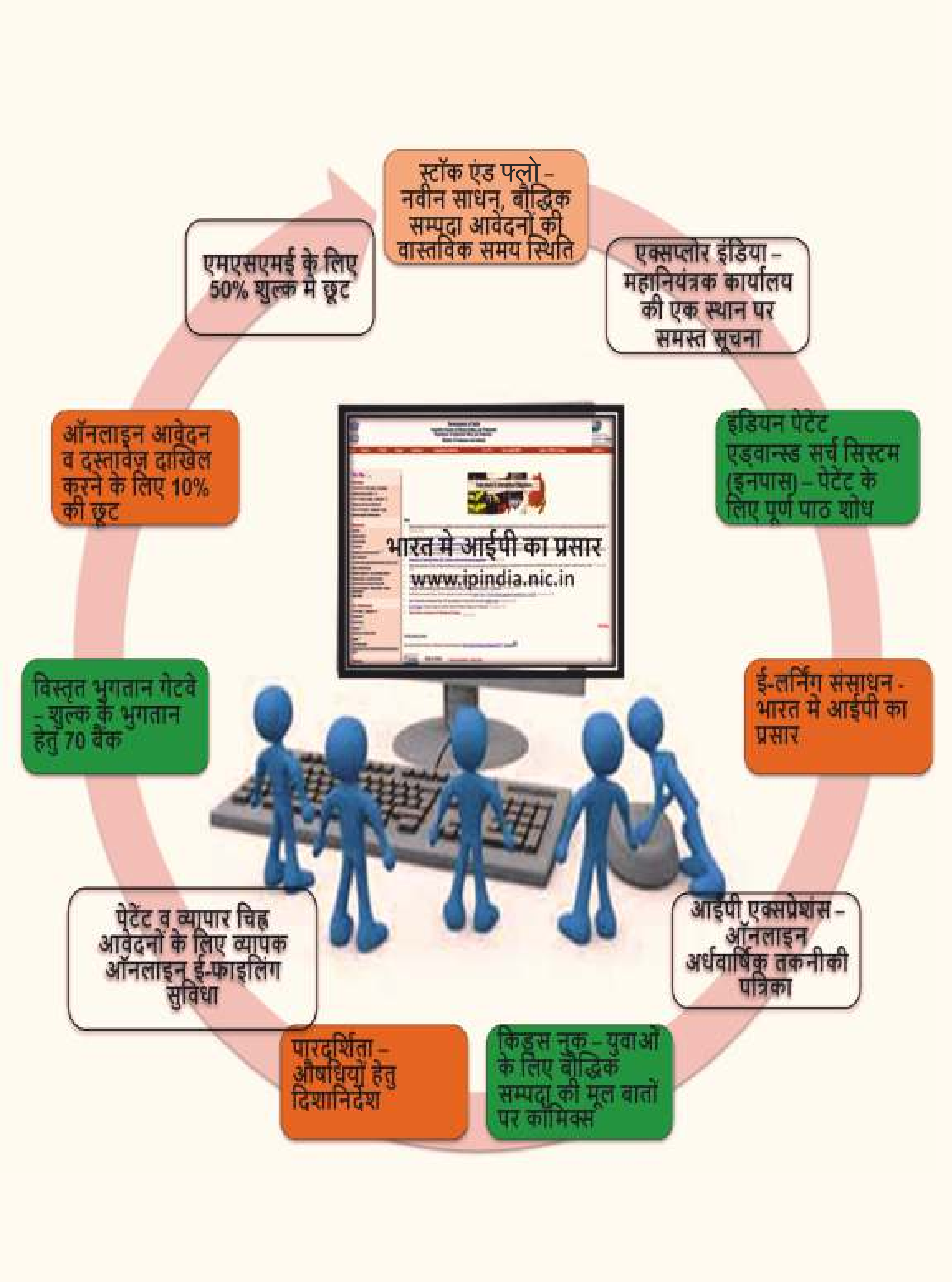

अध्याय - III

जन सेवा प्रदान - दक्षता और पारदर्शिता

किसी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में बौद्धिक सम्पदा के निर्विवाद प्रभाव के परिणामस्वरूप भारत में बौद्धिक सम्पदा प्रशासन सदैव ही औद्योगिक, तकनीकी और वाणिज्यिक रूचि के साथ-साथ विद्वत शैक्षणिक विमर्श का विषय रहा है। हाल के वर्षों में सामान्य जनता और विशेषकर बौद्धिक सम्पदा अधिकारी प्रणाली के उपयोक्ताओं के बीच बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषयक चेतना में बहुआयामी वृद्धि हुई है। विश्व परिदृश्य में आए परिवर्तनों के अनुसार प्रगामी परिवर्तन करते हुए कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व अभिकल्प और व्यापार चिह्न की ओर से यह सजग प्रयास किया गया है कि सम्पूर्ण प्रक्रिया आम जनता और बौद्धिक सम्पदा के हितधारकों के साथ अधिक सहभागिता संपन्न हो जिसके फलस्वरूप एक पारदर्शी कार्य परिवेश बने जहाँ सूचना प्रसार और प्राप्त प्रत्युत्तर का पुनरुत्तर सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषयक सूचना का प्रभावी उपयोग बौद्धिक चक्र के सृजन हेतु एक महत्वपूर्ण अवयव है जिसमें आविष्कार संपन्न होते हैं; उनकी संरक्षा और उपयोग आम जनता के हितार्थ किया जाता है। सूचना प्रौद्यागिकी के निरंतर विकास के अनुसार बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की कार्य प्रणाली और जन सेवा प्रदान प्रणाली का उन्नयन सूचना प्रौद्योगिकी-समर्थ परिवेश के उपयोग द्वारा किया गया है। वर्ष के दौरान मौजूदा कम्प्यूटर आधारित कार्य-व्यवस्था को और उन्नत बनाने की दिशा में कई नई पहल की गई हैं और आंतरिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली में उतरोत्तर विकास किया गया है जिससे त्वरित और बेहतर सेवा प्रदान की जा सके।

सूचना का अधिकार

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के नीति उद्देश्यों के क्रियान्वयन के प्रति बौद्धिक सम्पदा कार्यालय पूर्णतया प्रतिबद्ध है। बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के क्रियाकलापों में सम्पूर्ण पारदर्शिता प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों से संबंधित सभी जानकारी आम जनता के सूचनार्थ शासकीय वेबसाइट पर पहले ही उपलब्ध करा दी गई है। साथ ही सूचना अधिकार अधिनियम के विधायी अभिप्राय तथा अधिदेश का पूर्ण अनुसरण करते हुए अधिनियम के तहत प्राप्त सभी आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई की गई।

पेटेंट

एक सजग और संतुलित पेटेंट पारिस्थितिकी आविष्कारिता को प्रोत्साहित कर किसी समाज के औद्योगिक और आर्थिक उन्नति में अत्यंत महत्वपूर्ण और अग्रणी भूमिका निभाती है जिससे नए आविष्कारों का सृजन होता है। इससे आविष्कारकों और उद्यमियों में उनके उत्पाद और प्रक्रियाओं के संबंध में आविष्कार करने और साथ मिलकर आगे बढ़ने की प्रतिस्पर्धी भावना बढ़ती है। फलतः प्रौद्योगिकी का उन्नयन, उद्योगों का विकास और ज्ञान के परिक्षेत्र का उत्तरोत्तर संवर्द्धन होता है जो पेटेंट प्रणाली का मूल सिद्धांत है।

पेटेंट आवेदनों के परीक्षण और अनुवर्ती प्रक्रियाओं के अत्यंत तकनीकी प्रकृति के कार्य के प्रभावी और सहज क्रियान्वयन के लिए पेटेंट कार्यालय को विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र के उच्च प्रशिक्षित अधिशासियों की आवश्यकता होती है। पेटेंट प्रणाली के आधार स्तंभ उसके पेटेंट परीक्षक हैं, जिन्हें, पेटेंट अधिनियम, 1970 (यथा संशोधित) के अधिदेश द्वारा, पेटेंट विनिर्देश में वर्णित आविष्कार का उसकी नवीनता, मौलिकता, औद्योगिक प्रयोजनीयता और अन्य योग्य अपेक्षाओं के संदर्भ में परीक्षण करने का दायित्व प्राप्त है। सीजीपीडीटीएम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नियंत्रक को पेटेंट अनुदान या आवेदनों की निरस्तीकरण संबंधी अंतिम निर्णय लेने का अधिकार प्राप्त है और वे अर्द्ध शासकीय कर्तव्य का निर्वाह करते हैं जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि अनुदानित पेटेंट उच्च गुणवता, प्रभाव और क्रियान्वयन योग्य है।

सभी कार्यालयों में एकरूपता बनाए रखने और परीक्षण प्रक्रियाओं में पारदर्शिता प्राप्त करने के उद्देश्य से पेटेंट कार्यालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विशिष्ट क्षेत्रों में परीक्षण हेतु दिशा निर्देश बनाता रहा है। इस वर्ष "फर्मास्यूटिकल के क्षेत्र में पेटेंट आवेदन के परीक्षण हेतु दिशा निर्देश" को अंतिम रूप दिया और सभी बौद्धिक सम्पदा हितधारकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बाद प्रकाशित किया गया। वर्ष के दौरान "कम्प्यूटर संबंधी आविष्कारों के क्षेत्र में पेटेंट आवेदन के परीक्षण हेतु दिशा निर्देश" के संबंध में भी विमर्श की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। इसके अतिरिक्त आविष्कार और प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्रों को समाहित करने वाले एक विशद शोध और परीक्षण दिशा निर्देश की आवश्यकता की पूर्ति के लिए "पेटेंट आवेदन के शोध और परीक्षण हेतु प्रारूप दिशा निर्देश" वेबसाइट पर प्रकाशित किए गए जिसे शीघ्र अंतिम रूप देने के लिए हितधारकों से विचार और सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

बौद्धिक सम्पदा कार्यालय की एक बहुआयामी वेबसाइट है जिसमें पेटेंट, डिजाइन, व्यापार चिह्न और भौगोलिक उपदर्शन का आवेदन दाखिल करने और उस पर कार्यवाही करने संबंधी विवरण प्रदान किए जाते हैं जिस पर सही समय पर अद्यतन जानकारी एक लॉगइन-मुक्त खोज पोर्टल में उपलब्ध कराई जाती है ताकि सभी हितधारकों के बीच बौद्धिक सम्पदा सूचना का प्रसार सहज हो सके और बौद्धिक सम्पदा कार्यालय की कार्य-पद्धति में उच्च स्तर की पारदर्शिता प्राप्त की जा सके। पारदर्शिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता "एक्सप्लोर आईपी इंडिया" की शुरूआत से और मजबूत हुई है जहाँ सीजीपीडीटीएम कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों की निर्देश सूचना एक साथ उपलबध कराई गई है। इसके अतिरिक्त "ई-लर्निंग" की शुरूआत कार्यालय द्वारा बौद्धिक सम्पदा अधिकार संबंधी सूचना प्रसार के लिए की गई है। विश्व बौद्धिक सम्पदा परिदृश्य में बौद्धिक सम्पदा हितधारकों को शैक्षणिक परिचर्चा में शामिल करने के उद्देश्य से बौद्धिक सम्पदा कार्यालय ने ऑनलाइन अर्द्धवार्षिक तकनीकी पत्रिका "आईपी एक्सप्रेशन्स" का प्रकाशन प्रारंभ किया है। "किड्स नुक" की शुरूआत से कार्यालय ने कॉमिक्स के माध्यम से बौद्धिक सम्पदा अधिकार के प्राथमिक ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास किया है।

आईपीओ वेबसाइट एक सशक्त पेटेंट खोज पोर्टल है जिस पर पेटेंट अभियोजन विवरण, पेटेंट सूचना, मैनुअल और दिशा-निर्देश और पेटेंट विषयक अन्य सूचना बहुतायत में उपलब्ध हैं जहाँ नित्य नवीन जानकारी का समावेश किया जाता है जिससे जन सेवा प्रदान करने की एक सक्षम व्यवस्था, पारदर्शिता और उपयोक्ताओं के लिए बौद्धिक सम्पदा सूचना का प्रसार हो सके। यह खोज पोर्टल पेटेंट के लिए निःशुल्क ऑनलाइन जन-खोज सुविधाएँ प्रस्तुत करता है। वर्ष के दौरान पूर्ण पाठ शोध क्षमता वाली एक नवीन शोध सुविधा "इंडियन पेटेंट एडवांस्ड सर्च सिस्टम (इनपास)" की भी शुरूआत की गई। पेटेंट आवेदनों की प्रक्रिया के प्रत्येक चरण प्रदर्शित करने वाली "स्टॉक एंड फ्लो" एक नवीन प्रणाली से पारदर्शिता को नई उंचाई प्राप्त हुई है जिससे पूरे फाइल रैपर और ई-रजिस्टर के साथ बौद्धिक सम्पदा आवेदनों की वास्तविक समय अवस्था जानी जा सकती है। साप्ताहिक पेटेंट कार्यालय जर्नल का प्रकाशन प्रत्येक शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक रूप में खोज कर सकने योग्य फॉर्मेट में किया जाता है।

भारतीय बौद्धिक सम्पदा प्रणाली की ई-यात्रा का प्रारंभ विशिष्ट मॉड्यूल के माध्यम से पेटेंट और व्यापार चिह्न आवेदनों के सम्पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक कार्यवाही से हुआ है। सभी कार्यालयों के बीच मजबूत सम्पर्क और दस्तावेजों को दाखिल करने की बढ़ती संख्या के प्रबंधन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए बौद्धिक सम्पदा कार्यालय, दिल्ली में एक केन्द्रीय सर्वर स्थापित किया गया है। यह प्रणाली अपने आप में विशिष्ट है क्योंकि इसमें आवेदन संख्या स्वयं दी जाती है और परीक्षण हेतु अनुरोध का आवंटन भी स्वयं हो जाता है जो क्रमानुसार होता है और इस प्रकार यह व्यवस्था पारदर्शी तथा उपयोक्ता हितैषी है। इस दिशा में उठाए गए अतिरिक्त कदम विशेष उल्लेख के पात्र हैं जो निम्नवत् है:

क) ऑनलाइन ई-फाइलिंग सुविधा- पेटेंट और व्यापार चिह्न आवेदनों के लिए विस्तृत ऑनलाइन ई-फाइलिंग सुविधा की शुरूआत की गई है जिससे हितधारकों को अपने कार्यस्थल/घर से 24x7 आवेदन दाखिल करने का महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त हुआ है।

ख) विस्तृत भुगतान गेटवे- बौद्धिक संपदा कार्यालय ने ई–आवेदकों को सभी फार्म का भुगतान इंटरनेट बैंकिंग के साथ–साथ डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड से करने की सुविधा प्रदान की जिसे बाद में 70 बैंको से अधिक के लिए विस्तारित किया गया।

ग) ऑनलाइन फाइलिंग के लिए 10% की छूट- आवेदनों के ऑनलाइन फाइलिंग को प्रोत्साहित करने के लिए आवेदनों और दस्तावेज के ऑनलाइन फाइलिंग पर 10% के छूट की शुरूआत की गई है। जिसके परिणामस्वरूप ऑनलाइन फाइलिंग एक वर्ष में ही उछल कर 30% से बढ़कर 80% पहुँच गई है।

घ) एमएसएमई के लिए शुल्क रियायत- एमएसएमई कुल औद्योगिक उत्पादन का 45% है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई का कुल योगदान 38% है। उनकी आविष्कारिता को प्रोत्साहित करने और उनके आविष्कारों को संरक्षा देने के लिए 50% शुल्क में कमी पेटेंट आवेदनों की फाइलिंग, रख-रखाव और अन्य गतिविधियों के लिए दी गई है।

डिजाइन

डिजाइन अधिनियम, 2000 और उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के तहत पेटेंट कार्यालय, कोलकाता का डिजाइन स्कंध डिजाइन आवेदनों के परीक्षण और पंजीकरण हेतु अन्य कार्यवाहियाँ संपादित करता है। डिजाइन नियम के अद्यतन संशोधन 30 दिसम्बर 2014 से प्रभावी हुए जिसमें नैसर्गिक व्यक्ति के अतिरिक्त लघु इकाई और लघु इकाई के अलावा अन्य आवेदक के रूप में एक नई श्रेणी शामिल की गई है ताकि उनके डिजाइन की संरक्षा को बढ़ावा मिले।

पेटेंट कार्यालय के डिजाइन स्कंध के विस्तृत कम्प्यूटीकरण के लिए विभिन्न गतिविधियां प्रारंभ की गई हैं। आवेदन स्थिति इलेक्ट्रॉनिक रूप में शासकीय वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाती है इसके अतिरिक्त सीजीपीडीटीएम ने पंजीकृत डिजाइन की **"पब्लिक सर्च"** सुविधा प्रारंभ की है। दूसरा बड़ा कदम था डिजाइन पंजीकरण हेतु नए आवेदनों के लिए **इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग प्रणाली** की शुरूआत करना जिससे कागज रहित परिवेश को विस्तार मिले और सीजीपीडीटीएम के अंतर्गत सभी कार्यालयों तक पहुँच सुलभ हो सके।

यहाँ यह विशेष उल्लेखनीय है कि पेटेंट कार्यालय, कोलकाता के डिजाइन स्कंध में 2014 से ही गुणता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) परिचालन में है। साथ ही डिजाइन स्कंध ISO-9001:2008 प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है और इस संबंध में उल्लेखनीय प्रगति की गई है। डिजाइन स्कंध के सभी कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के लिए ISO-9001:2008 पर एक जागरूकता कार्यक्रम का संचालन क्यूसीआई (भारतीय गुणता परिषद) द्वारा मैकलिड सर्टिफिकेशन के साथ मिलकर 22-23 जनवरी, 2015 के दौरान किया गया। ISO-9001:2008 से संबंधित सभी दस्तावेजी कार्य जैसे गुणता मैनुअल, एसओपी (मानक परिचालन प्रक्रिया) आदि परी ूकर ली गई है। गुणता नीति को अंतिम रूप दे दिया गया है व महानियंत्रक द्वारा अनुमोदन दे दिया गया है। प्रमाणनकर्ता बीएसआई (ब्रिटिश स्टैंडर्ड इंस्टिच्यूशन) द्वारा स्टेज-I ऑडिट 26.03.2015 को संचालित किया गया है। यद्यपि स्टेज-I ऑडिट के दौरान कोई अननुकूलता नहीं दर्शायी गई, ऑडिटर ने कुछ छोटे सुझाव दिए जिसका अनुपालन स्टेज-II ऑडिट के पहले किया जाना है। इसके बाद बीएसआई द्वारा स्टेज-II ऑडिट 31.03.2015 को किया गया जिसकी रिपोर्ट की प्रतीक्षा है। औद्योगिक डिजाइन के पंजीकरण संबंधी जागरूकता सृजित करने के उद्देश्य से इस कार्यालय द्वारा जन सूचना कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

व्यापार चिह्न

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1940 के तहत स्थापित व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, अब व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के तहत कार्य करता है। यह भारत में व्यापार चिह्न विषयक मामलों के संदर्भ में संसाधन कार्यालय के रूप में कार्य करता है और मुख्यत: व्यापार चिह्न के पंजीकरण और उसके रजिस्टर के रखरखाव से संबंधित है। व्यापार चिह्न अधिनियम की धारा 3 के तहत नियुक्त महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न, रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न के रूप में कार्य करता है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री

के अधिकारी व्यापार चिह्न अधिनियम के तहत, रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न के पर्यवेक्षण और निदेशों के अंतर्गत अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं। व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 की धारा 2(1)(ze) के अनुसार पंजीकार, व्यापार चिह्न के साथ-साथ उनके पर्यवेक्षण और निदेशों के अंतर्गत कार्य करने वाले अधिकारी एक अधिकरण की तरह कार्य करते हैं।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की गतिविधियों को उसके विद्यमान अधिशासियों एवं कर्मचारियों के महत्तम उपयोग के लिए पुनगर्ठित किया गया है। व्यापार चिह्न के सभी फॉर्म की ऑनलाइन सुविधा प्रदान की गई है। व्यापार चिह्न आवेदनों के साथ पंजीकृत व्यापार चिह्न के विवरण आम जनता के लिए उपलब्ध है जिससे पारदर्शिता आती है।

व्यापार चिह्न आवेदनों का परीक्षण केन्द्रीकृत रूप में जारी रहा और व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, मुम्बई से संचालित किया गया। परीक्षण हेतु आवेदनों का वितरण उनकी वरीयता के अनुसार व्यापार चिह्न प्रणाली सॉफ्टवेयर द्वारा स्वयमेव किया गया और परीक्षण रिपोर्ट किसी भी पर्यवेक्षक परीक्षक के अनुमोदनार्थ सॉफ्टवेयर द्वारा स्वयमेव अग्रसारित किया गया। परीक्षण रिपोर्ट के माध्यम से प्रेषित कार्यालय आपत्तियों का उत्तर भी ऑनलाइन दाखिल किया जा सकता है। आवेदकों की ओर से प्रस्तुत कार्यालय आपत्तियों के सभी प्रत्युत्तर का आवंटन अधिकारी के एक समूह को किया जाता है जिससे उनकी वरीयता क्रमानुसार स्वचालित प्रक्रिया के माध्यम से उन पर विचार किया जा सके। इस प्रकार व्यापार चिह्न आवेदनों के परीक्षण संबंधी गतिविधि में कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होता है।

पंजीकरण हेतु स्वीकृत आवेदनों का प्रकाशन व्यापार चिह्न जर्नल में साप्ताहिक आधार पर किया जाता है और उसे शासकीय वेबसाइट पर दर्शाया जाता है। वे सभी विधिवत प्रकाशित आवेदन जिनके संदर्भ में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई, अथवा यदि आपत्ति प्राप्त हुई तो उसका निष्पादन आवेदक के समर्थन में हुआ और जिसके संदर्भ में कोई औपचारिकता लंबित न हो, स्वचालित प्रणाली के माध्यम से पंजीकरण हेतु अग्रसर होते हैं। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, मुम्बई से केन्द्रीकृत रूप में व्यापार चिह्न पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली विकसित और कार्यकारी की गई है जिसमें उपयुक्त मामलों में प्रमाणपत्रों का मुद्रण और प्रेषण शामिल है। इस प्रकार व्यापार चिह्न के पंजीकरण की प्रक्रियाओं को अधिक स्वचालित बनाया गया है।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में पूर्ण पादर्शिता प्राप्त करने के उद्देश्य से लंबित व्यापार चिह्न आवेदनों एवं पंजीकृत व्यापार चिह्न, उनके साथ दाखिल सभी दस्तावेज की प्रति सहित, अभियोजन इतिहास, परीक्षण रिपोर्ट आदि के पूर्ण विवरण शासकीय वेबसाइट www.ipindia.nic.in के माध्यम से वास्तविक समय आधार पर आम जनता के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं। व्यापार चिह्न प्रणाली को अधिक प्रभावी और उपयोक्ता सुलभ बनाया गया है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री जर्नल प्रत्येक सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक रूप में वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाता है।

8 अप्रैल, 2013 को भारत सरकार, व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण और संरक्षा हेतु मैड्रिड प्रोटोकॉल से सहमत हुई और मैड्रिड प्रोटोकॉल के प्रावधान 8 जुलाई, 2013 से प्रभावी हुए। मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की गतिविधियाँ इस कार्य के लिए विकसित सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही की जाती है।

व्यापार चिह्न की बहुआयामी सेवाएँ वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई हैं जो निम्नवत हैं:

- बहुआयामी व्यापार चिह्न जनोपयोगी सेवा जो वास्तविक समय आधार पर व्यापार चिह्न आवेदनों के परीक्षण, कारण बताओ सुनवाई, व्यापार चिह्न जर्नल में प्रकाशन, व्यापार चिह्न का पंजीकरण और परित्याग, अस्वीकृति आदि के माध्यम से आवेदनों के अन्य निष्पादन के विवरणों के साथ-साथ मासिक अथवा दिनांक अनुसार निर्गत अन्य सूचनाएं आम जनता के लिए उपलब्ध कराती है।
- व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में सुनवाई और स्थगन के विवरण वेबसाइट पर प्रदान किए जाते हैं।

- व्यापार चिह्न आवेदनों की डाटा एंट्री में लिपिकीय त्रुटियों के ऑनलाइन परिमार्जन हेतु एक व्यवस्था आम जनता को उपलब्ध कराई गई है जहाँ किसी व्यापार चिह्न आवेदन का आवेदक अथवा उस आवेदक का प्राधिकृत अभिकर्त्ता उस आवेदन की डाटा एंट्री में भूल सुधार के लिए अनुरोध कर सकता है, सहायक दस्तावेज अपलोड कर सकता है और अपने आवेदन की स्थिति की निगरानी कर सकता है।

व्यापार चिह्न के लिए **स्टॉक और फ्लो आधारित बहुआयामी** सेवा उपलब्ध कराई गई है ताकि आवेदकों/हितधारकों के लिए वास्तविक समय आधार पर विभिन्न स्टॉक के अंतर्गत व्यापार चिह्न और विभिन्न चरणों में आवेदनों के हस्तांतरण की प्रक्रिया पर नजर रखना संभव हो सके।

भौगोलिक उपदर्शन

रजिस्ट्री ने 15 सितम्बर, 2003 से भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त करना प्रारंभ किया। 31 मार्च, 2015 तक रजिस्ट्री ने कुल 526 भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त किए जिनमें से 235 पंजीकृत किए गए। वर्ष 2014-15 के दौरान, जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर नए भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए जिसके परिणामस्वरूप प्रतिवेदन वर्ष के दौरान भौगोलिक उपदर्शन के लिए 47 आवेदन प्राप्त किए गए। रजिस्ट्री ने 2009 से प्राधिकृत उपयोक्ता के पंजीकरण के लिए भी आवेदन प्राप्त करना शुरू किया। साथ ही प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 443 प्राधिकृत उपयोक्ता पंजीकृत किए गये। भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की ऑनलाइन फाइलिंग की शुरूआत की गई है।

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री डीआईपीपी के प्रशासनाधीन वह पहली संस्था है जिसे गुणता सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन ISO 9001:2008 की पहचान प्राप्त हुई है।

अध्याय - IV

पेटेंट

अध्याय - IV

पेटेंट

1. परिचय:

यह अध्याय पेटेंट अधिनियम, 1970 (यथा संशोधित) की धारा 155 के तहत पेटेंट कार्यालयों द्वारा वर्ष 2014-15 के दौरान निष्पादित गतिविधियों के संबंध में 43वाँ प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है। पेटेंट कार्यालय भौगोलिक रूप से विभाजित है तथा चार महानगरों कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थित है, यद्यपि कोलकाता कार्यालय प्रधान कार्यालय है। पेटेंट कार्यालय देश में हुए आविष्कारों पर इनके आवेदकों को सीमित एकाधिकार अनुदानित करने के द्वारा इन आविष्कारों की संरक्षा से संबंधित विधान का प्रशासन करता है। पेटेंट अधिनियम, 1970 (यथा संशोधित) पेटेंट अनुदान को प्रशासित करता है। निम्न प्रदत्त पैराग्राफ पेटेंट विधान के तहत यथा प्रशासित पेटेंट कार्यालय की प्रमुख गतिविधियों की रूप-रेखा प्रस्तुत करते हैं ।

2. पेटेंट आवेदन:

वर्ष 2014-2015 में पेटेंट अनुदान के लिए दाखिल आवेदनों की संख्या 42,763 थी जबकि वर्ष 2013-14 में यह संख्या 42,951 थी जो सम्पूर्ण फाइलिंग में मामूली कमी दर्शाती है। फर्मास्यूटिकल, खाद्य, बायो टेक्नोलॉजी, बायो मेडिकल, बायो केमेस्ट्री, संचार, भौतिकी और सामान्य अभियंत्रणा के क्षेत्र में दाखिल आवेदनों में आंशिक वृद्धि देखी गई है जबकि रसायन, यांत्रिकी, विद्युत और सिविल के आविष्कार क्षेत्रों में गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई है। विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित आवेदनों की प्रवृत्ति के विस्तृत आँकड़े **परिशिष्ट-ङ** में दिखाए गए हैं।

(क) भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

कुल 42,763 आवेदनों में से भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या 12,071 रही जो विगत वर्ष से लगभग 10.3% की वृद्धि दर्शाती है, जब ऐसे आवेदनों की संख्या 10,941 थी। हालाँकि, वर्ष के दौरान विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या (30,692) 2013-14 के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या (32,010) की तुलना में 4.1% कम रही। भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल आवेदनों की कुल संख्या का 28.22% रही जबकि वर्ष 2013-14 के दौरान यह संख्या 25.47% थी। यह घरेलू आवेदनों में बढ़ती हुई प्रवृत्ति दर्शाता है।

वर्ष के दौरान भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की कुल संख्या में से, पूर्व की तरह इस वर्ष भी महाराष्ट्र अग्रणी बना रहा। नए राज्य तेलंगाना ने सूची में प्रभावी ढंग से प्रवेश किया जबकि उत्तर प्रदेश ने दाखिल आवेदनों की संख्या में विगत वर्ष की तुलना में लगभग 40% की प्रभावी वृद्धि दर्शायी। आवेदन दाखिल करने वाले शीर्ष राज्य/संघ शासित क्षेत्र हैं (आवेदनों की संख्या कोष्ठक में प्रदर्शित की गई है) महाराष्ट्र (3193), कर्नाटक (2102), तमिलनाडु (1412), दिल्ली (1099), उत्तर प्रदेश (660), गुजरात (583), आन्ध्र प्रदेश (532), तेलंगाना (459), पश्चिम बंगाल (406), हरियाणा (339), केरल (259), राजस्थान (147), झारखंड (109), मध्य प्रदेश (98), पंजाब (97), उडीसा (88), उत्तरांचल (61), असम (46), बिहार (31), छत्तीसगढ़ (28) और चंडीगढ़ (24)। राज्य/संघ शासित क्षेत्र के अनुसार विवरण **परिशिष्ट ख** में प्रदर्शित किया गया है।

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन (राज्यानुसार)

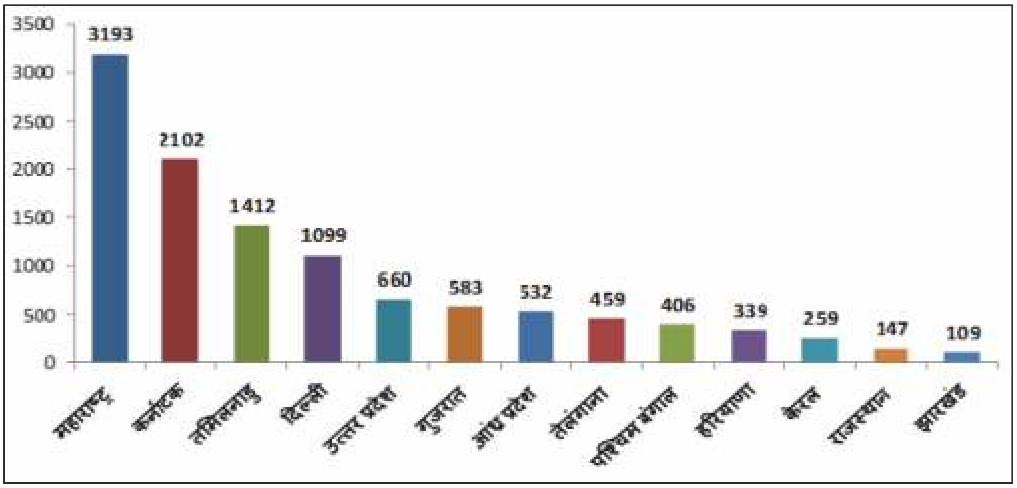

(ख) सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	कंपनियों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	सैमसंग आर & डी इन्स्टिट्यूट इंडिया- बंगलोर प्राइवेट लिमिटेड	233
2.	टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड	147
3.	विप्रो लिमिटेड	117
4.	हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड	57
5.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	50

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रतिवेदन वर्ष में सैमसंग आर & डी इन्स्टिट्यूट इंडिया- बंगलोर प्राइवेट लिमिटेड शीर्ष स्थान पर बना रहा जबकि टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड द्वितीय स्थान पर रही।

(ग) वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद	315
2.	महानिदेशक, प्रतिरक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन	98
3.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)	68
4.	जी.एच.आर. लैब्स एंड रिसर्च सेंटर	31
5.	जैवतकनीक विभाग	23
5.	जीएसपी क्रोप साइंस प्रा.लि.	23
6.	हेटेरो रिसर्च फाउंडेशन	22
6.	रॉटरी विंग रिसर्च एंड डिजाइन सेंटर हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड	22
7.	सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कम्प्यूटिंग (सी-डैक)	20
8.	सचिव, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीइआईटीवाई)	18
9.	ज्यूबिलेंट लाइफ साइंसेज लिमिटेड	17
10.	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन	13

इस श्रेणी में सीएसआईआर विगत वर्ष दाखिल उनके आवेदनों की तुलना में 18% की वृद्धि के साथ शीर्ष स्थान पर बना रहा। विगत वर्ष की तुलना में आवेदनों की संख्या में गिरावट के बावजूद डीआरडीओ द्वितीय स्थान पर बना रहा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भी आंशिक कमी के साथ तृतीय स्थान पर बना रहा।

(घ) संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	संस्थानों और विश्वविद्यालयों के नाम	दाखिल आवेदन
1.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	337
2.	जर्नादन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ (मानद) विश्वविद्यालय	53
3.	भारतीय विज्ञान संस्थान	46
4.	अमिटी यूनिवर्सिटी	43
5.	संदीप फाउंडेशन्स संदीप इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर	33
6.	हिन्दुस्तान इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस	31
7.	साल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग रिसर्च	22
8.	संदीप फाउंडेशन्स संदीप इन्स्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट	21
9.	सिद्धगंगा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एन इंस्टिट्यूट ऑफ श्री सिद्धगंगा एडूकेशन सोसायटी	19
10.	कारपगम यूनिवर्सिटी	18

इस वर्ष भी सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रथम स्थान पर बने रहे जबकि विगत वर्ष की तुलना में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या में आंशिक कमी दर्ज की गई। जर्नादन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ (मानद) विश्वविद्यालय ने पहली बार 53 आवेदनों के साथ आश्चर्यजनक रूप से प्रवेश किया व द्वितीय स्थान पर रहा। भारतीय विज्ञान संस्थान विगत वर्ष की तुलना में प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या में लगभग 43% की वृद्धि के साथ तृतीय स्थान पर चला आया। अमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या में विगत वर्ष की तुलना में गिरावट देखी गई और वह चतुर्थ स्थान पर चला गया।

(ङ) विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

i. कन्वेंशन आवेदन:

वर्ष के दौरान पेरिस कन्वेंशन के तहत प्रायिकता दावा करते हुए दाखिल आवेदनों की कुल संख्या 3,174 थी। यह विगत वर्ष की 3,704 की तुलना में कन्वेंशन आवेदनों की संख्या में 14.30% की गिरावट दर्शाती है।

ii. पी.सी.टी राष्ट्रीय फेज आवेदन:

विदेश से प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) राष्ट्रीय फेज माध्यम से दाखिल किए गए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल ऐसे आवेदनों की संख्या 26,057 रही जो विगत वर्ष (27,078) की तुलना में 3.77% की गिरावट दर्शाती है। आवेदन दाखिल करने वाले शीर्ष देश थे: संयुक्त राज्य अमेरिका (8,237), जापान (4,388), जर्मनी (2,581), नीदरलैंड (1,267), स्विट्जरलैंड (1,252), फ्रांस (1,236), यूनाइटेड किंगडम (973), चीन गणतंत्र (874), स्वीडन (835), कोरिया गणतंत्र (726), इटली (529), डेनमार्क (341), इजराइल (293), कनाडा (285), बेल्जियम (265), आस्ट्रेलिया (261), फिनलैंड (229), आस्ट्रिया (209) तथा स्पेन (171)। देशानुसार विवरण **परिशिष्ट ख** में प्रदर्शित किया गया है।

पी.सी.टी राष्ट्रीय फेज हेतु शीर्ष दस आवेदक (देशानुसार)

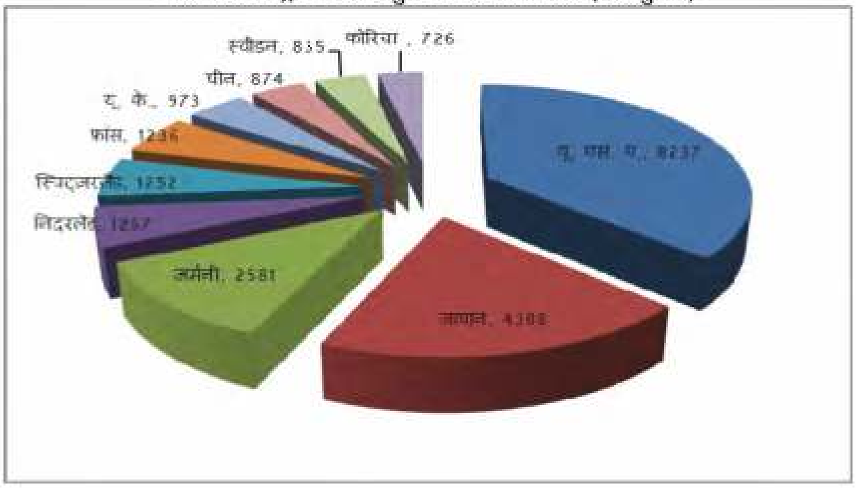

दाखिल राष्ट्रीय फेज आवेदनों की प्रवृत्ति

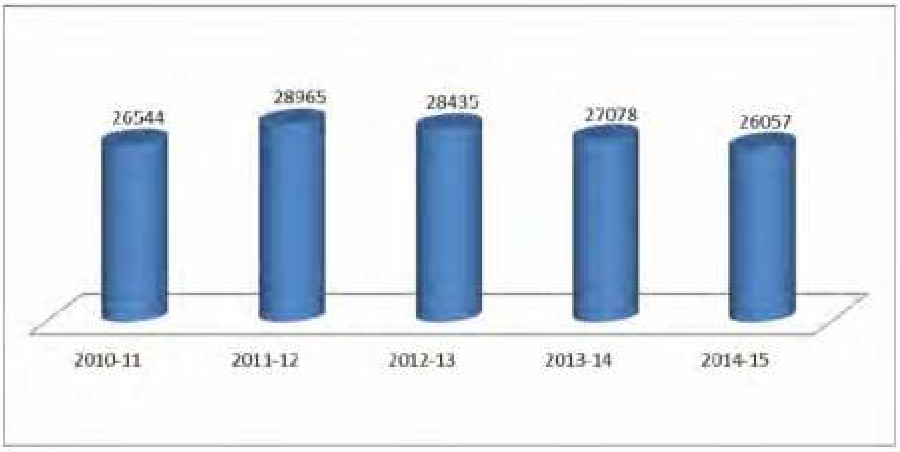

विगत दस वर्षों की कन्वेंशन आवेदनों की प्रवृत्ति

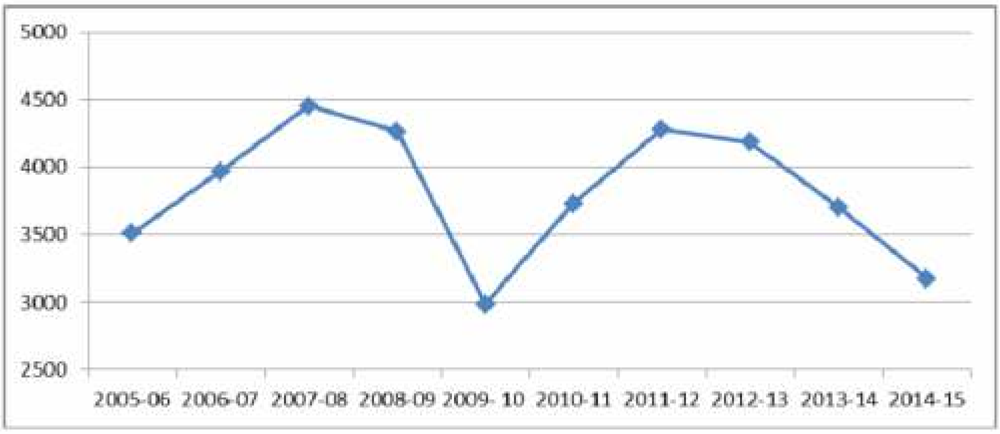

iii शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदक

निम्नलिखित तालिका उन शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदकों की सूची प्रदान करती है जिन्होंने 2014-15 के दौरान पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं। यह पाया गया है कि क्वालकम इंकॉरपोरेटेड इस सूची में अग्रणी बना रहा है जिसके बाद कोनिनक्लीके फिलिप्स एन.भी., टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन तथा सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स क. लि. इत्यादि का स्थान रहा।

शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदक

क्र.सं.	संगठनों के नाम	आवेदनों की संख्या
1.	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	1214
2.	कोनिनक्लीके फिलिप्स एन.भी.	805
3.	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	449
4.	सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स क. लि.	379
5.	बेस्फ एसइ	297
6.	होंडा मोटर क. लि.	280
7.	सिमेन्स एक्टाइनजेसेलसाफ्ट	277
8.	जेनरल इलेक्ट्रीक कम्पनी	276
9.	जेएफई स्टील कॉरपोरेशन	230
10.	सोनी कॉरपोरेशन	218

वर्ष 2014-15 के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त एवं उद्‌गम देश तथा राज्य के अनुसार वर्गीकृत पेटेंट आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट "ख"** में दर्शाया गया है।

2005-2006 से 2014-2015 की अवधि के दौरान विभिन्न माध्यमों से भारतीय प्रवासियों एवं अप्रवासियों से प्राप्त पेटेंट आवेदनों की संख्या **परिशिष्ट "ग"** में दर्शायी गई है।

2010-11 से 2014-15 की अवधि के दौरान रसायन, वैद्युतिक, यांत्रिकी, जैवतकनीक, खाद्य, कम्प्यूटर/इलेक्ट्रॉनिक्स इत्यादि के विषयवार दाखिल आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट "ङ" तथा "ङ1"** में प्रदत्त सारणी द्वारा दिखाया गया है।

3. परीक्षित आवेदनों की कुल संख्या

कार्यालय ने विगत वर्ष के **18,615** आवेदनों की तुलना में वर्ष के दौरान **22,631** आवेदनों का परीक्षण किया। विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष उन पेटेंट आवेदनों की संख्या में लगभग **22%** की वृद्धि रही जिनके लिए प्रथम परीक्षण रिपोर्ट जारी किए गए थे।

4. परीक्षण हेतु अनुरोध का कुल निपटान (आरक्यू)

विगत वर्ष के **11,411** की तुलना में वर्ष के दौरान **14,316** परीक्षण हेतु अनुरोध (आरक्यू) का निपटान किया गया। परीक्षण हेतु अनुरोध के निपटान में विगत वर्ष की तुलना में लगभग **26%** की वृद्धि देखी गई है।

5. अनुदानित तथा प्रवृत्त पेटेंट

वर्ष के दौरान अनुदानित पेटेंट की कुल संख्या **5,978** थी, जिनमें से **684** भारतीय आवेदकों को अनुदानित किए गए। 31 मार्च 2015 तक प्रवृत्त पेटेंट की संख्या **43,256** थी जिनमें से **7,561** पेटेंट भारतीयों के नाम थे। कुल अनुदानित पेटेंट में से **1,533** पेटेंट रसायन और संबंधित क्षेत्रों, **835** कम्प्यूटर

विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स, 1047 यांत्रिकी, 389 भेषज या औषधि, 376 वैद्युतिक, 262 जैवतकनीक और 48 खाद्य से संबंधित आवेदनों के लिए अनुदानित किए गए।

वर्ष 2004-05 से वर्ष 2014-15 की अवधि के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या, परीक्षण हेतु प्राप्त अनुरोधों की संख्या, परित्यक्त हुआ सा मान लिए गए आवेदन तथा पेटेंट अनुदान प्राप्त करने वाले आवेदन एवं प्रवृत्त पेटेंट की संख्या **परिशिष्ट- "घ"** में प्रदर्शित की गई है।

वर्ष 2010-2011 से 2014-15 तक के विगत पाँच वर्षों के दौरान अन्वेषण के विभिन्न क्षेत्रों के तहत अनुदानित पेटेंट की संख्या **परिशिष्ट- "च"** व **"च1"** में प्रदर्शित की गई है।

6. भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल पी.सी.टी अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन

विगत पाँच वर्षों के दौरान प्राप्तकर्ता कार्यालय के रूप में भारतीय पेटेंट कार्यालय में भारतीय आवेदकों द्वारा पेटेंट सहयोग संधि (पी.सी.टी.) के तहत दाखिल अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों की कुल संख्या निम्नवत् है (इस संख्या में वे अंतर्राष्ट्रीय आवेदन शामिल नहीं है जो भारतीय आवेदकों द्वारा सीधे वायपो के अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो में प्राप्तकर्ता कार्यालय के रूप में दाखिल किए गए हैं):

वर्ष	वैयक्तिक	विधिक सत्ताधारी	कुल
2010-2011	243	628	871
2011-2012	254	519	873
2012-2013	252	790	1042
2013-2014	248	568	816
2014-2015	235	566	801

विगत पाँच वर्षों की अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष के दौरान पी.सी.टी. अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों के पाँच भारतीय सर्वप्रमुख अंशदाता थे- वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद; रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुम्बई; हेवलेट पैकर्ड डेवलपमेंट कंपनी एल.पी.; कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास आदि।

7. पेटेंट अधिनियम व नियमों के तहत विविध कार्यवाहियाँ

(क) परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आविष्कार: वर्ष के दौरान पेटेंट अधिनियम की धारा 4 के तहत 131 आवेदन परमाणु ऊर्जा विभाग को प्रेषित किए गए जिनमें से 23 आवेदन परमाणु ऊर्जा से संबद्ध पाए गए, 81 आवेदन सामान्य शासकीय कार्यवाही के तहत प्रक्रियागत करने के लिए अनुमत्त हुए तथा वर्ष के अंत तक 27 आवेदन परमाणु ऊर्जा विभाग के समक्ष विचारार्थ लंबित रहे।

(ख) धारा 11क के तहत पेटेंट आवेदनों का प्रकाशन: वर्ष 2014-15 के दौरान धारा 11क के तहत 26,934 आवेदन प्रकाशित किए गए जिनमें वैसे 1,576 आवेदन शामिल हैं जिनके लिए शीघ्र प्रकाशन हेतु अनुरोध प्राप्त किए गए थे। विगत पाँच वर्षों के दौरान प्रकाशित पेटेंट आवेदनों की संख्या संबंधी वर्षानुसार विवरण निम्नवत् है:

वर्ष	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
धारा 11क के तहत प्रकाशन	32,213	26,422	24,746	29,744	25,358
शीघ्र प्रकाशन	1,153	1,331	1,413	1,669	1,576
कुल	33,366	27,753	26,159	31,413	26,934

(ग) अनुदानपूर्व आपत्ति [धारा 25(1) के तहत]: वर्ष के दौरान अनुदानपूर्व आपत्ति के रूप में 247 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 67 अनुदानपूर्व आपत्तियों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया।

(घ) अनुदानोत्तर आपत्ति [धारा 25(2) के तहत]: वर्ष के दौरान, 08 अनुदानोत्तर आपत्तियाँ दाखिल की गईं। 05 अनुदानोत्तर आपत्तियों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया और प्रतिवेदन वर्ष के अंत तक 164 अनुदानोत्तर आपत्तियाँ निष्पादन हेतु लंबित रही।

(ङ) गोपनीयता निदेश (धारा 35 के तहत): वर्ष के दौरान 73 पेटेंट आवेदन भारत सरकार, प्रतिरक्षा मंत्रालय के अधीन प्रतिरक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को उन आविष्कारों के प्रतिरक्षा उद्देश्य से संबद्ध होने विषयक विचार देने हेतु प्रेषित किए गए। वर्ष के दौरान 53 आवेदनों को सामान्य कार्यवाही हेतु अनुमत्त किया गया जबकि 3 आवेदनों पर गोपनीयता निदेश लागू हुआ। वर्ष 2014-15 के अंत तक 17 आवेदन डीआरडीओ में लंबित रहे।

(च) देश से बाहर आवेदन करने की अनुमति (धारा 39 के तहत): भारत से बाहर आवेदन दाखिल करने की अनुमति का अनुरोध करते हुए 4,306 आवेदन फॉर्म 25 पर प्राप्त हुए। वर्ष के दौरान ऐसे 4,180 आवेदनों पर अनुमति प्रदान की गई।

(छ) व्यपगत पेटेंट का प्रत्यावर्तन (धारा 60 के तहत): वर्ष 2014-15 के दौरान पेटेंट के प्रत्यावर्तन के लिए 311 आवेदन प्राप्त हुए। वर्ष के दौरान 216 आवेदन प्रत्यावर्तित किए गए।

(ज) समनुदेशन, मोर्गेज, लाइसेंस आदि (धारा 68 तथा 69 के तहत): दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए कुल 2,228 समनुदेशन के मामले प्राप्त किए गए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 1502 आवेदनों का निपटान कर दिया गया।

(झ) जारी पेटेंट (धारा 146 के तहत): वर्ष के दौरान फॉर्म-27 पर जारी पेटेंट के 31,992 कथन प्राप्त किए गए। 7,900 पेटेंट को जारी रहने के रूप में दर्शाया गया था। विगत पाँच वर्षों के दौरान प्राप्त सूचना का विवरण निम्न सारणी में दिया गया है:

	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
प्रवृत्त पेटेंट	39,594	39,989	43,920	42,632	**43,256**
प्राप्त फॉर्म-27	34,112	27,825	27,946	33,088	**31,992**
जारी रहने के रूप में दर्शाया हुआ	6,777	7,431	6,201	8,435	**7,900**

(ञ) अनिवार्य लाइसेंस (धारा 84, 92 तथा 92-क के तहत): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान अनिवार्य लाइसेंस के अनुदान हेतु कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ।

(ट) सूचना (धारा 153 के तहत): वर्ष के दौरान पेटेंट नियम, 2003 के नियम 134 में यथा प्रदत्त इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत पेटेंट संबंधी सूचना की आपूर्ति करने के लिए पेटेंट कार्यालय ने 358 अनुरोध प्राप्त किए।

(ठ) अनुलिपि पेटेंट प्रमाण पत्र (धारा 154 के तहत): कुल 13 अनुरोध प्राप्त किए गए तथा 4 का निपटान वर्ष के दौरान किया गया।

(ड) पेटेंट अभिकर्त्ताओं का पंजीकरण: वर्ष के दौरान पेटेंट अभिकर्त्ता के नवीन पंजीकरणों की संख्या 36 रही। 31 मार्च 2015 तक पंजीकृत पेटेंट अभिकर्त्ताओं की कुल संख्या 2,414 थी।

8. राजस्व एवं व्यय:

पेटेंट कार्यालय ने अधिनियम एवं नियमों के तहत विभिन्न कार्यवाहियों से शुल्क के रूप में रु.374 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। वर्ष के दौरान तदनुरूपी व्यय (डिजाइन प्रशासन सहित) रु.25.32 करोड़ रहा। पेटेंट मद में शुल्क के रूप में अर्जित राजस्व का विवरण **परिशिष्ट-छ** में दिया गया है।

9. सामान्य सूचना

पेटेंट कार्यालय, कोलकाता, मुम्बई, दिल्ली एवं चेन्नई के वैज्ञानिक तथा तकनीकी पुस्तकालय जनता को परामर्श तथा संदर्भ कार्य के लिए सुविधा प्रदान करते रहे। इन सुविधाओं का विभिन्न अनुसंधान व औद्योगिक संस्थानों के आविष्कारकों ने बड़ी संख्या मे तथा अन्य जनता के साथ साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों में अनुसंधानरत विद्वानों ने उपयोग किया।

वर्तमान में पेटेंट कार्यालय, सीडी-रोम्स, पुस्तकें और जर्नल के अतिरिक्त वैज्ञानिक और तकनीकी ई-जर्नल प्राप्त करता है। भारत और विदेश में पेटेंट कार्यालयों के पेटेंट विनिर्देश और अन्य प्रकाशनों के माध्यम से अन्वेषण संचालित करने हेतु वर्ष 2014-15 के दौरान पेटेंट कार्यालय के पुस्तकालय में लगभग 4,475 व्यक्ति आए।

पेटेंट कार्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट www.ipindia.nic.in पर प्रदत्त निःशुल्क ऑनलाइन इंटरनेट अन्वेषण सुविधा का हितधारकों और सर्वसाधारण ने भी व्यापक लाभ उठाया।

10. सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना

वर्ष के दौरान, सूचना अधिकार अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध कराने के लिए 308 अनुरोध प्राप्त किए गए और अधिनियम के तहत प्रदत्त समय-सीमा के अनुसार सभी अनुरोधों पर उपयुक्त कार्रवाई की गई।

परिशिष्ट- ''क(1)''

परीक्षक एकस्व का विषयवार वितरण:

क्र.सं.	विषय	परीक्षकों की संख्या
01	बायोकेमेस्ट्री	09
02	बायोटेक्नोलॉजी	09
03	बायोमेडिकल अभियंत्रणा	08
04	रसायन	40
05	सिविल अभियंत्रणा	02
06	कम्प्यूटर एवं आई टी अभियंत्रणा	23
07	वैद्युतिक व इलेक्ट्रॉनिक्स	39
08	यांत्रिकी	21
09	धातुकर्म	08
10	माइक्रोबायोलॉजी	08
11	भौतिकी	05
12	पॉलीमर	05
13	वस्त्र	06
	कुल	183

परिशिष्ट "ख"

वर्ष 2013-14 की तुलना में 2014-15 में दाखिल किए गए पेटेंट आवेदन
उद्गम राज्य/राष्ट्र के अनुसार वर्गीकृत

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14
अंडमान & निकोबार	0	1	0	0	0	0
आंध्र प्रदेश	532	879	1	1	30	12
अरुणाचल प्रदेश	1	1	0	0	0	0
असम	46	37	0	0	5	0
बिहार	31	35	0	0	4	0
चंडीगढ़	24	34	0	0	0	0
छत्तीसगढ़	28	31	0	0	0	0
दादर &नागर हवेली	2	2	0	0	0	0
दमन & दीव	0	1	0	0	1	0
दिल्ली	1099	1009	3	2	29	12
गोवा	16	23	0	0	1	0
गुजरात	583	529	0	0	2	19
हरियाणा	339	286	1	0	3	2
हिमाचल प्रदेश	16	14	0	0	2	0
जम्मु &कश्मीर	17	27	0	0	0	0
झारखंड	109	130	0	0	0	1
कर्नाटक	2102	1639	18	7	14	24
केरल	259	315	0	0	4	1
मध्य प्रदेश	98	94	2	0	1	2
महाराष्ट्र	3193	2892	10	11	64	52
मणिपुर	5	2	0	0	0	0
मेघालय	0	6	0	0	0	0
मिजोरम	0	1	0	0	0	0
नागालैंड	0	1	0	0	0	0
उड़ीसा	88	40	0	0	0	0
पाण्डिचेरी	16	22	0	0	0	0
पंजाब	97	89	0	0	0	0
राजस्थान	147	104	0	0	2	2
सिक्किम	1	2	0	0	0	0
तमिलनाडु	1412	1436	4	4	7	12
तेलंगाना	459	लागू नहीं	1	लागू नहीं	2	लागू नहीं
त्रिपुरा	8	5	0	0	0	0
उत्तर प्रदेश	660	473	1	2	4	3
उत्तरांचल	61	38	0	0	0	0
पश्चिम बंगाल	406	562	0	1	0	1
कुल योग	11855	10760	41	28	175	143

परिशिष्ट-ख जारी

राष्ट्रमंडल देश

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14
यू.के.	18	23	68	96	973	966
आस्ट्रेलिया	8	8	9	8	261	304
कनाडा	7	8	23	32	285	406
श्रीलंका	0	0	0	0	3	7
आयरलैंड	39	13	8	51	87	55
न्यूजीलैंड	1	0	2	0	56	40
कुल	73	52	110	187	1665	1778

उत्तर व दक्षिण अमेरिका

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14
यू.एस.ए	760	578	705	1001	8237	8534
मैक्सिको	0	1	1	0	28	27
ब्राजील	6	2	6	3	48	38
बरमूडा	0	0	0	0	14	15
केमेन आइलैंड	0	2	0	1	22	23
वर्जिन आइलैंड	0	0	0	0	44	29
क्यूबा	0	0	0	0	7	8
कोलंबिया	0	0	0	0	5	1
अर्जेन्टीना	1	3	1	2	8	3
चिली	0	2	2	1	14	11
बहामास	0	2	1	0	1	4
बारबाडोस	0	0	0	0	2	7
वेनेजुएला	0	0	0	0	2	1
अरुबा	0	1	1	0	0	1
पराग्वे	0	0	0	0	1	2
जमैका	0	0	1	0	0	0
ब्रिटिश वर्जिनिया	0	0	0	0	2	1
उत्तर और दक्षिण अमेरिका के अन्य देश	0	1	0	0	2	7
बेलाइज	0	0	0	0	1	2
कुल	767	591	718	1008	8438	8714

परिशिष्ट- ख जारी

यूरोप

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14
इटली	5	5	49	76	529	541
जर्मनी	96	83	412	405	2581	3065
बेल्जियम	4	3	7	8	265	263
फ्रांस	85	117	148	123	1236	1295
स्पेन	2	0	11	20	171	150
स्विट्जरलैंड	144	103	153	242	1252	1411
फिनलैंड	23	22	30	26	229	240
आस्ट्रिया	0	0	16	25	209	256
नीदरलैंड्स	38	25	18	12	1267	1347
स्वीडन	25	19	44	35	835	859
डेनमार्क	18	9	6	12	341	368
पूर्तगाल	0	0	0	0	11	13
हंगरी	0	0	0	0	21	20
लग्जमबर्ग	0	1	5	3	69	69
रसिया	1	2	1	1	88	70
रोमानिया	0	0	0	0	3	0
टर्की	0	0	4	3	22	11
स्लोवेनिया	0	0	0	1	11	12
नार्वे	0	1	0	0	86	91
साइप्रस	1	0	0	1	8	8
पोलैंड	0	0	8	5	38	37
बुल्गारिया	0	0	1	0	6	5
आइस लैंड	0	1	0	0	1	3
चेक गणराज्य	1	1	7	7	12	17
लिशेन्सटिन	0	0	0	3	12	18
यूक्रेन	0	0	0	1	5	6
स्लोवाकिया	0	0	0	0	3	5
ग्रीस	0	1	1	0	13	9
माल्टा	0	0	0	0	26	0
इस्टोनिया	0	0	0	0	2	1
जिब्राल्टर	0	1	0	0	1	1
लात्विया	0	0	0	0	1	2
क्रोएशिया	0	0	0	0	1	2
अन्य यूरोपियन देश	2	1	0	0	10	11
कुल	445	395	921	1009	9365	10211

परिशिष्ट- ख जारी

अफ्रीका

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14
दक्षिण अफ्रीका	1	0	2	4	65	78
मॉरिसस	9	0	0	0	1	1
सेशेल्स	0	0	0	2	2	2
स्वाजीलैंड	1	0	5	1	1	2
केन्या	0	0	0	0	2	1
इजिप्ट	0	0	0	0	2	2
ट्यूनिशिया	0	0	0	0	1	3
कुल	11	0	7	7	74	89

एशिया

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14
जापान	43	43	994	1006	4388	4517
कोरिया गणराज्य	52	61	179	234	726	585
चीन	5	6	87	70	874	711
इजराइल	1	3	14	28	293	275
ताइवान	33	53	119	125	24	15
इंडोनेशिया	0	0	1	0	0	3
वियतनाम	0	0	0	1	3	4
सिंगापुर	18	13	12	16	98	82
मलेशिया	2	1	4	3	39	35
यू.ए.ई	6	0	1	1	3	9
नेपाल	1	0	0	0	0	0
थाइलैंड	2	2	3	2	12	10
हाँग-काँग (चीन)	0	0	3	3	6	4
सउदी अरबिया	2	1	0	0	29	17
ईरान	0	0	0	0	2	0
बंग्लादेश	0	0	0	0	3	2
कतर	0	0	0	0	5	2
अन्य एशियन देश	0	1	1	0	10	6
कुल	165	188	1418	1493	6515	6286
कुल योग	13316	11988	3215	3732	26232	27231

परिशिष्ट "ग"

पिछले 10 वर्षों में प्रवासी और भारत में रहने वाले द्वारा विभिन्न माध्यमों से दाखिल आवेदन

आवेदक	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
भारत में रहने वाले	4521	5314	6040	6161	7044	8312	8921	9911	10941	12071
प्रवासी										
साधारण	1008	693	834	681	826	816	1031	1144	1228	1461
कन्वेंशन	3509	3969	4453	4264	2986	3728	4280	4184	3704	3174
पीसीटी के तहत राष्ट्रीय फेज आवेदन	15467	19768	23891	25706	23431	26544	28965	28435	27078	26057
कुल योग	24505	28940	35218	36812	34287	39400	43197	43674	42951	42763

परिशिष्ट- "घ"

वर्ष 2005-2006 से 2014-2015 की अवधि के दौरान पेटेंट संबंधी विविध सूचना

वर्ष	दाखिल आवेदनों की संख्या	परीक्षण के लिए अनुरोधों की संख्या	पूर्ण विनिर्देश दाखिल नहीं करने के कारण परित्यक्त मान लिए गए आवेदनों की संख्या धारा 9 (1)	धारा 21 (1) के तहत अननुपालन के कारण परित्यक्त समझे गए आवेदनों की कुल संख्या	अनुदत्त पेटेंट की संख्या		प्रभाव में पेटेंट की संख्या	
					भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
2005-06	24505	21926	414	894	1396	2924	4486	11933
2006-07	28940	20645	694	1121	1907	5632	3473	13593
2007-08	35218	22146	1066	479	3173	12088	7966	21722
2008-09	36812	30595	888	1075	2541	13520	6158	24664
2009-10	34287	28653	2720	5171	1725	4443	6781	30553
2010-11	39400	31493	185	5186	1273	6236	7301	32293
2011-12	43197	33811	698	3800	699	3682	7545	32444
2012-13	43674	36247	361	4559	716	3410	8308	35612
2013-14	42951	37474	224	6418	634	3592	7464	35168
2014-15	42763	34958	12	6970	684	5294	7561	35695

परिशिष्ट- ङ

आविष्कार के विविध क्षेत्रों के अंतर्गत 2010-2011 से 2014-2015 तक दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

वर्ष	रसायन	भेषज	खाद्य	वैद्युतिक	यांत्रिकी	कम्प्युटर/ इलेक्ट्रोनिक्स	जैव-तकनी की	सामान्य अभियंत्रिकी	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट ङ-1 देखें)	कुल
2010-2011	6911	3526	315	2719	7782	9594	1497	1017	6039	39400
2011-2012	6698	2762	294	4160	9716	4225	788	822	13732	43197
2012-2013	6812	2954	452	3568	10198	4424	832	1561	12873	43674
2013-2014	6769	2507	387	4371	11318	4410	647	652	11890	42951
2014-2015	**6454**	**2640**	**395**	**4031**	**10031**	**4285**	**1035**	**775**	**13117**	**42763**

परिशिष्ट-ङ 1

आविष्कार के अन्य विविध क्षेत्रों के अंतर्गत 2014-15 के दौरान दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार का क्षेत्र	बायो-मेडिकल	बायो-केमेस्ट्री	संचार	भौतिकी	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/ सामग्री विज्ञान	कृषि अभियंत्रणा	पोलिमर विज्ञान/ तकनीक	माइक्रो बायोलॉजी	एग्रो केमिक्ल	पारंपरिक ज्ञान जैव/रसा/यांत्रिक
	*भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि
2014-2015	348/1321	136/248	764/3616	629/1900	165/539	137/492	112/628	120/109	116/943	91/217	109/309	भा =34/21=55 वि =8/5=13

* भा = भारतीय, वि = विदेशी

कुल परिशिष्ट - ङ 1 :- 13117

परिशिष्ट-च

आविष्कार के प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत वर्ष 2010-11 से 2014-2015 तक अनुदानित पेटेंट की संख्या

वर्ष	रसायन	भेषज	खाद्य	वैद्युतिक	यांत्रिकी	कम्प्यूटर /इलेक्ट्रोनिक्स	जैव-तकनीकी	सामान्य अभि यंत्रणा	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट-च-1 देखें)	कुल
2010-2011	1899	596	84	394	1458	892	165	350	1668	7509
2011-2012	1168	282	21	228	888	584	309	153	748	4381
2012-2013	1289	344	37	188	749	510	144	121	744	4126
2013-2014	1111	256	51	237	645	690	220	112	904	4226
2014-2015	**1533**	**389**	**48**	**376**	**1047**	**835**	**262**	**145**	**1343**	**5978**

परिशिष्ट -च1

आविष्कार के अन्य विविध क्षेत्रों के अंतर्गत वर्ष 2014-2015 के दौरान अनुदानित पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार के क्षेत्र	बायो-मेडिकल	जैव-रसायन	संचार	भौतिकी	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/ सामग्री विज्ञान	कृषि अभियंत्रणा	पोलिमर साइंस/ तकनीकी	कृषि रसायन	माइक्रो बायोलॉजी
	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.
2014-2015	4/66	6/60	42/496	14/128	8/30	6/68	8/45	1/1	15/280	2/22	3/38

* भा. = भारतीय, वि. = विदेशी

कुल परिशिष्ट - च 1:-1343

परिशिष्ट-छ

अधिनियम व नियम के तहत विभिन्न कार्यवाहियों के संदर्भ में वर्ष 2014-15 के दौरान प्राप्त शुल्क

क्र.सं.	एकत्रित शुल्क के संदर्भ	प्राप्त कुल राशि (रु.)
1	पेटेंट हेतु नया आवेदन अनंतिम/पूर्ण विनिर्देश के साथ	1478387056
2	अनंतिम विनिर्देश के बाद पूर्ण -फॉर्म 2	20849488
3	फॉर्म 4 पर पेटेंट के नवीकरण हेतु समय विस्तार/नए अनुदानित पेटेंट हेतु बाकी शुल्क/फॉर्म 5 दाखिल करने में देरी	6039648
4	उत्तर दिनांकन के लिए आवेदन	1270400
5	आवेदक का प्रतिस्थापन/परिवर्तन -फॉर्म 6	22296320
6	विरोध की सूचना -फॉर्म 7	106560
7	सुनवाई में उपस्थिति हेतु सूचना - कोई फॉर्म नहीं	92250
8	किसी पेटेंट में आविष्कारक के रूप में उल्लेख -फॉर्म 8	1169560
9	शीघ्र प्रकाशन हेतु अनुरोध -फॉर्म 9	10746875
10	तीसरे वर्ष से बीसवें वर्ष तक पेटेंट का नवीकरण	26320800
11	पेटेंट संशोधन हेतु आवेदन -फॉर्म 10	2640
12	अनुदान पूर्व आवेदन का संशोधन -फॉर्म 13	25790680
13	अनुदानोत्तर आवेदन का संशोधन -फॉर्म 13	297760
14	नाम/पता/राष्ट्रीयता/सेवार्थ पता में परिवर्तन -फॉर्म 13	15184720
15	पेटेंट का प्रत्यावर्तन -फॉर्म 15	953400
16	प्रत्यावर्तन हेतु अतिरिक्त शुल्क	2764960
17	पेटेंट परित्याग का प्रस्ताव	21000
18	आवेदन का आहरण	1525440
19	पेटेंट रजिस्टर में प्रविष्टि के लिए -फॉर्म 16	18109040
20	पेटेंट रजिस्टर में प्रविष्टि के बदलाव के लिए	1441376

21	अतिरिक्त सेवार्थ पते की प्रविष्टि हेतु	388400
22	18 महीने के प्रकाशन के बाद परीक्षण हेतु अनुरोध -फॉर्म 18	657141400
23	त्वरित परीक्षण हेतु अनुरोध -फॉर्म 18	5113360
24	पेटेंट अभिकर्त्ता के रूप में पंजीकरण -फॉर्म 22	66880
25	रजिस्टर में अभिकर्त्ता का नाम जारी रखने -प्रथम वर्ष	22400
26	रजिस्टर में अभिकर्त्ता का नाम जारी रखने -द्वितीय वर्ष से	1604560
27	रजिस्टर में अभिकर्त्ता के नाम का प्रत्यावर्तन -फॉर्म 23	154300
28	लिपिकीय त्रुटियों का सुधार	555720
29	नियंत्रक के निर्णय की समीक्षा हेतु आवेदन -फॉर्म 24	266720
30	भारत के बाहर पेटेंट आवेदन करने हेतु अनुमति -फॉर्म 25	19195120
31	अनुलिपि पेटेंट (एल पी) हेतु आवेदन	100960
32	सत्यापित प्रतियों की आपूर्ति	26784020
33	प्रत्येक मुद्रित, कार्यालय प्रतियों के प्रमाणन हेतु	136800
34	रजिस्टर की जाँच हेतु अनुरोध	387520
35	सूचना हेतु अनुरोध	692832
36	प्रायिकता दस्तावेज दाखिल करने में देरी/अनियमितता ठीक करने/देरी ठीक करने हेतु याचिका	128682960
37	दस्तावेज की छाया प्रति की आपूर्ति	251096
38	अंतर्राष्ट्रीय आवेदन हेतु पारेषण शुल्क	10272800
39	प्रायिकता दस्तावेज की सत्यापित प्रति तैयार करना	3627945
40	विविध	43427635
41	गैर राजस्व	1157062
42	सूचना अधिकार	11409
	कुल	3740078912

अध्याय - V

डिजाइन

अध्याय - V

डिजाइन

1. परिचय:

डिजाइन अधिनियम, 2000 अपने पूर्ववर्ती 1911 के अधिनियम को निरस्त कर दिनांक 11 मई 2001 से प्रभावी हुआ। डिजाइन नियम, 2001 को डिजाइन (संशोधन) नियम, 2008 द्वारा संशोधित किया गया जो 17 जून, 2008 से लागू हुआ और इसके बाद डिजाइन (संशोधन) नियम 2014 द्वारा संशोधित हुआ जो 30 दिसम्बर 2014 से प्रभावी हुआ है। डिजाइन अधिनियम के अंतर्गत औद्योगिक डिजाइन के पंजीकरण एवं संरक्षण का प्रावधान है जिसमें प्रतिलिप्यधिकार का विस्तार तथा अन्यान्य उत्तर-पंजीकरण प्रक्रिया, अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत निरस्तीकरण, धारा 31 के तहत परिशुद्धि के साथ-साथ धारा 12, 13 और 14 के तहत प्रत्यावर्तन शामिल है। डिजाइन नियम के नवीन संशोधन में नैसर्गिक व्यक्ति के अतिरिक्त लघु इकाई और लघु इकाई के अलावा अन्य आवेदक के रूप में एक नई श्रेणी शामिल की गई है। औद्योगिक डिजाइन पृष्ठ के ढंग तथा साज-सज्जा तथा पंक्तियों एवं रंग के संयोजन के साथ-साथ नये आकार व संरचनाओं के वैशिष्ठ्य का सृजन तथा दृष्टिगत अनुरोध के संवर्द्धन हेतु वस्तुओं में प्रयुक्त अलंकरण को प्रमाणित करता है।

डिजाइन पंजीकरण के आवेदनों को डिजाइन नियम, 2001 की तृतीय अनुसूची के अनुरूप वर्गीकृत किया जाता है जो एक अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण प्रणाली पर आधारित है जिसे लोकार्नो वर्गीकरण के नाम से जाना जाता है।

पेटेंट कार्यालय के डिजाइन स्कन्ध के संपूर्ण कम्प्यूटरीकरण की दिशा में कई गतिविधियों की शुरूआत की गई है। आवेदन की अद्यतन स्थिति शासकीय वेबसाइट पर इलेक्ट्रोनिक रूप में उपलब्ध करा दी गई है। उपर्युक्त के साथ-साथ सीजीपीडीटीएम ने शासकीय वेबसाइट पर पंजीकृत अभिकल्पों के "जन अन्वेषण" के प्रावधान की शुरूआत की है। डिजाइन पंजीकरण हेतु सीजीपीडीटीएम के तहत सभी कार्यालयों में नए आवेदनों की इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग प्रणाली का शुरू किया जाना दूसरी उपलब्धि रही जिससे कि कागज रहित परिवेश को विस्तार मिले और समन्वय सुलभ हो।

यहाँ यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक है कि गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) 2014 से ही पेटेंट कार्यालय, कोलकाता के डिजाइन स्कंध में कार्यान्वित की गई है डिजाइन स्कंध के सभी कर्मियों ने 22-23 जनवरी, 2015 के दौरान ISO 9001:2008 पर दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। ISO 9001:2008 प्रमाणन संस्था (बीएसआई, ब्रिटिश स्टैण्डर्ड इंस्टीच्यूशन) द्वारा ISO 9001:2008 के तहत प्रमाण पत्र के अनुदान के लिए स्टेज-I और स्टेज-II ऑडिट क्रमशः 26 और 31 मार्च, 2015 को संचालित किए गए।

औद्योगिक डिजाइन के पंजीकरण संबंधी जागरूकता सृजित करने के उद्देश्य से बर्हिक्रिया कलाप चलाया गया और डिजाइन पंजीकरण विषय पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यशाला/संगोष्ठियों और जागरूकता कार्यक्रमों में अधिकारियों ने अपनी भागीदारी दी। इसके अतिरिक्त वित्त वर्ष 2014-15 में राष्ट्रीय विज्ञान सप्ताह मनाने के लिए राष्ट्रीय फैशन तकनीकी संस्थान, इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट तथा भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान और तकनीक संस्थान के साथ तीन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

2. दाखिल एवं पंजीकृत डिजाइन आवेदनः

वर्ष के दौरान डिजाइन पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों की संख्या 9,327 थी। इस अवधि के दौरान पंजीकृत आवेदनों की संख्या 7,147 थी जबकि 7,459 आवेदनों का परीक्षण किया गया। डिजाइन आवेदन दाखिल करने एवं उनके पंजीकरण की प्रवृत्ति नीचे प्रदर्शित की गई है।

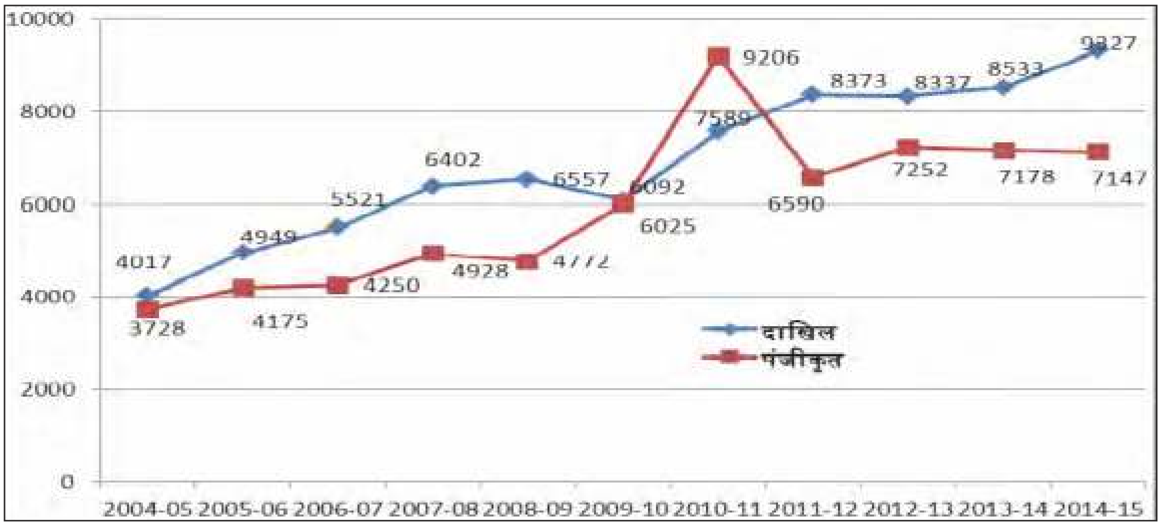

भारतीय एवं विदेशी नागरिकों द्वारा दाखिल आवेदनः

भारत में उद्‌गमित आवेदनों की संख्या 6,505 थी जबकि 2,822 आवेदन विदेशों से प्राप्त हुए। भारत से उद्‌गमित आवेदनों की संख्या कुल आवेदन का 70.0 प्रतिशत था जो कि विगत वर्ष से लगभग 6% अधिक है।

भारतीय और विदेशी उद्‌गम की आवेदन प्रवृत्ति निम्नवत् है:

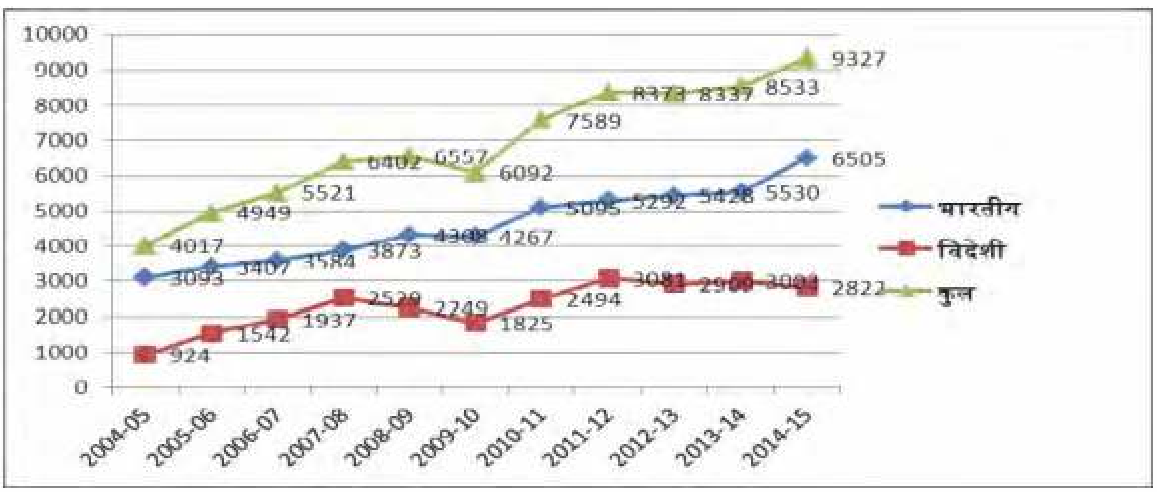

विदेशों से उद्‌गमित आवेदनों के संदर्भ में यू.एस.ए. आवेदनों की अधिकतम संख्या (875) के साथ अग्रणी रहा जिसके बाद क्रमशः जापान (497), जर्मनी (382), कोरिया (191), यू.के.(175), नीदरलैंड (143),

इटली (141), स्विट्जरलैंड (135), फ्रांस (111) और स्वीडन (64) रहा। डिजाइन अधिनियम, 2000 की धारा 44 के अंतर्गत भारत एवं अन्य कन्वेंशन देशों के बीच पारस्परिक व्यवस्था के तहत 2,822 आवेदनों ने प्रायिकता दावे दाखिल किए।

इन अग्रणी विदेशी कम्पनियाँ ने आवेदन दाखिल किया- कोनिंकलिके फिलिप्स एन.भी. (129), होंडा मोटर कम्पनी लिमिटेड (76), सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक कं. लि. (65), माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन (52), डार्ट इंडस्ट्रीज इंक (46), जोसेफ वागले एजी (38), याजाकी कार्पोरेशन (33), यूनीलीवर पीएलसी (31), पेप्सीको इंक (27) और एप्पल इंक (26) आदि।

इसी प्रकार, भारतीय कम्पनियों में सिद्धि विनायक नोट्स एंड प्रिंट्स प्र. लि. (493), बीबा अप्परेल्स प्र. लि. (336), टाटा मोर्टस लि. (113), मा डिजाइन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (109), आर एन गुप्ता एंड कंपनी लिमिटेड (62), नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन (62), सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (59), गोदरेज एंड बॉयस मैनु. कं. लि. (46), जीएम मोडूलर प्रा. लि. (44), बजाज ऑटो लिमिटेड (23) और क्रॉम्पटन ग्रीब्स लि.(16) आदि अग्रणी रही।

3. डिजाइन आवेदनों का परीक्षण:

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल सभी 9,327 आवेदन विगत वर्ष के 2,453 लंबित आवेदनों के साथ परीक्षण हेतु लिए गए। इन कुल 11,785 आवेदनों में से 7,459 आवेदनों का परीक्षण किया गया। वर्ष के दौरान पंजीकृत डिजाइन की संख्या 7,147 थी। 5 आवेदनों को डिजाइन अधिनियम तथा नियमों के अंतर्गत अस्वीकृत कर दिया गया और 66 आवेदनों को परित्यक्त किया गया।

4. प्रतिलिप्यधिकार विस्तार [धारा 11(2) के तहत]:

वर्ष के दौरान पंजीकृत डिजाइन में प्रतिलिप्यधिकार विस्तार के लिए 1,419 आवेदन प्राप्त किए गए। 1,025 पंजीकृत डिजाइन का आगामी 5 वर्षों के लिए नवीकरण किया गया। हालाँकि, शेष मामलों पर कार्यवाही प्रारंभ की गई है। वर्ष के दौरान डिजाइन के प्रत्यावर्तन के लिए 60 आवेदन दाखिल किए गए व 28 आवेदनों का प्रत्यावर्तन कर दिया गया।

5. विविध कार्यवाहियाँ:

पंजीकृत डिजाइन का निरस्तीकरण [धारा 19 के तहत]: वर्ष के दौरान, पंजीकृत डिजाइन के निरस्तीकरण के लिए 81 आवेदन दाखिल हुए। वर्ष के दौरान 51 सुनवाइयाँ प्रदान की गयी जिनमें से 17 मामलों पर याचिका अनुमत की गई और 34 मामलों में याचिका खारिज कर दी गई।

जनता द्वारा निरीक्षण [नियम 38 के तहत]: पंजीकृत डिजाइन आवेदनों के निरीक्षण हेतु 49 याचिका प्राप्त की गई।

नाम और पते में परिवर्तन [नियम 31 के तहत]: वर्ष के दौरान नाम, पते एवं सेवार्थ पते में परिवर्तन हेतु 905 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से 875 मामलों का निपटान कर आदेश जारी किया गया। शेष मामलों पर कार्यवाही प्रारम्भ की गई है। इसी प्रकार, वर्ष के दौरान लिपिकीय त्रुटियों के परिमार्जन हेतु 42 अनुरोध प्राप्त हुए एवं उनका निस्तारण कर दिया गया।

नियम 41 तथा धारा 17 (2) के तहत सत्यापित प्रतियां: वर्ष के दौरान 553 अनुरोध दाखिल किए गए और 535 के लिए सत्यापित प्रतियां जारी की गई।

6. राजस्व

वर्ष के दौरान डिजाइन अधिनियम, 2000 और उसके तहत निर्मित नियमों के अंतर्गत डिजाइन आवेदनों और अन्य कार्यवाहियों के संदर्भ में विभिन्न शुल्कों से पेटेंट कार्यालयों द्वारा कुल रु.2,31,50,202 का राजस्व अर्जित हुआ जिसका कार्यालय अनुसार विवरण निम्नवत् है:

पेटेंट कार्यालय	राजस्व (रु. में)
कोलकाता	1,43,14,702
दिल्ली	49,24,500
मुम्बई	27,83,800
चेन्नई	11,27,200
कुल	**2,31,50,202**

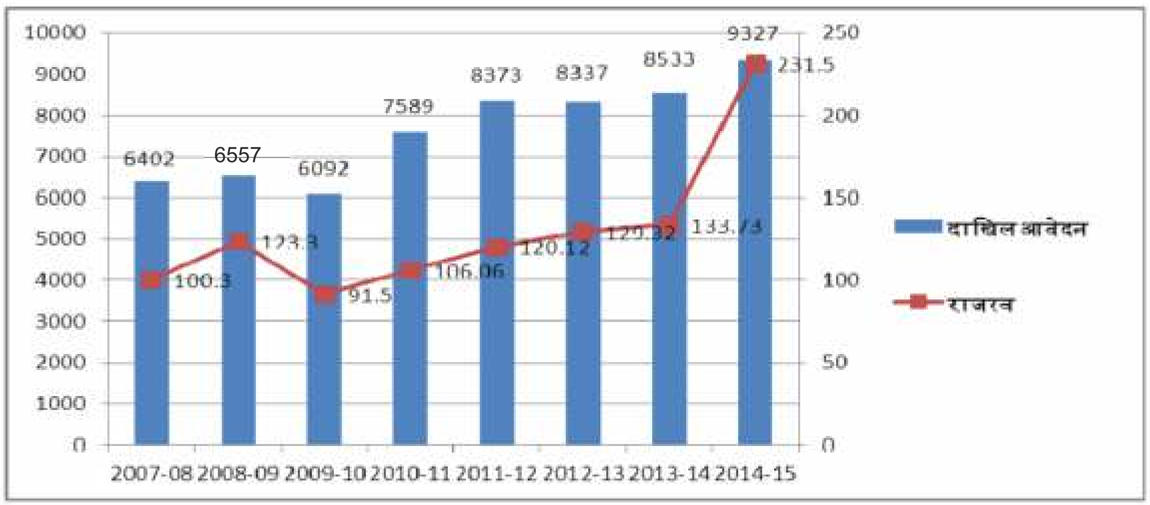

7. प्रवृत्त डिजाइन: प्रतिवेदन वर्ष के अंत तक प्रवृत्त पंजीकृत डिजाइन की संख्या 51,328 रही।

परिशिष्ट- क

वर्ष 2014-2015 के दौरान डिजाइन से उत्पादित राजस्व

प्रलेखों का विवरण	संख्या	शुल्क (रु.)	राशि (रु.)
डिजाइन अधिनियम, 2000 की धारा 5 एवं 44 के तहत डिजाइन के पंजीकरण हेतु आवेदन। (दिल्ली, मुम्बई एवं चेन्नई पेटेंट कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित)	9327	1000, 2000, 4000	1,44,87,004
धारा 11(2) के तहत प्रतिलिप्यधिकार के विस्तार हेतु आवेदन	1419	2000, 4000, 8000	45,60,000
धारा 12(2) के तहत व्यपगत डिजाइन का प्रत्यावर्तन	60	1000, 2000, 4000	75,000
धारा 19 के तहत डिजाइन का निरस्तीकरण	81	1500 3000, 6000	1,69,500
धारा 26 और 17 (2) के तहत सत्यापित प्रति	553	500, 1000, 2000	4,56,500
डिजाइन अधिनियम, 2000 व डिजाइन नियम, 2001 के तहत प्राप्त अन्य विविध शुल्क; दिल्ली, मुम्बई एवं चेन्नई पेटेंट कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित।			34,02,198
कुल योग			2,31,50,202

परिशिष्ट- ख

दाखिल एवं पंजीकृत आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल	पंजीकृत
2004-05	4017	3728
2005-06	4949	4175
2006-07	5521	4250
2007-08	6402	4928
2008-09	6557	4772
2009-10	6092	6025
2010-11	7589	9206
2011-12	8373	6590
2012-13	8337	7252
2013-14	8533	7178
2014-15	**9327**	**7147**

परिशिष्ट- ग

उद्गम के अनुसार दाखिल एवं पंजीकृत डिजाइन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल		पंजीकृत	
	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
2004-05	3093	924	3166	562
2005-06	3407	1542	3439	736
2006-07	3584	1937	2877	1373
2007-08	3873	2529	3026	1902
2008-09	4308	2249	2985	1787
2009-10	4267	1825	3552	2473
2010-11	5095	2494	6369	2837
2011-12	5292	3081	4162	2428
2012-13	5428	2909	4662	2590
2013-14	5530	3003	4330	2848
2014-15	**6505**	**2822**	**4726**	**2421**

अध्याय - VI

व्यापार चिह्न

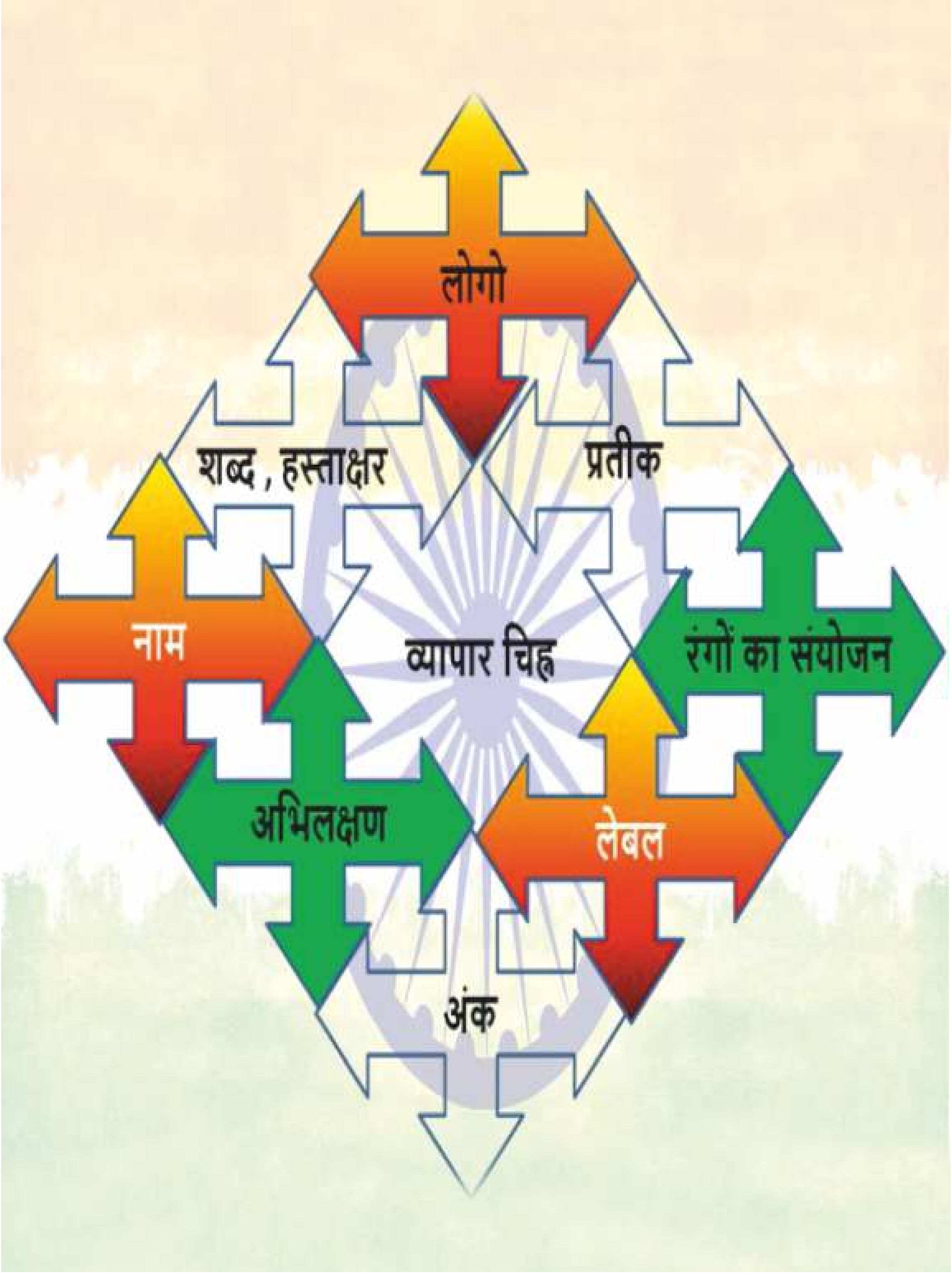

अध्याय - VI

व्यापार चिह्न

1.परिचय

यह अध्याय व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा उसके अधीन बने नियमों के तहत व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा निष्पादित गतिविधियों से संबंधित 56वाँ वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है। व्यापार चिह्न अधिनियम लागू होने का उद्देश्य वस्तुओं व सेवाओं के व्यापार चिह्न के पंजीकरण व उसको सुरक्षा प्रदान करना है और देश में वाणिज्य वस्तु पर नकली व्यापार चिह्न के उपयोग को रोकना है। व्यापार चिह्न का पंजीकरण पंजीकृत स्वत्वधारी को कतिपय सांविधिक अधिकार प्रदान करता है, जो उसे व्यापार चिह्न के अतिलंघन की स्थिति में अतिलंघन करने वाले के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हेतु सक्षम बनाता है, चाहे वह व्यापार चिह्न प्रयोग में हो या नहीं। यह उन सामान्य कानून अधिकार के अतिरिक्त है जहां पासिंग ऑफ के अंतर्गत मुकदमा चलाया जा सकता है।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा उसके अधीन बने नियमों को प्रशासित करता है। व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 और व्यापार चिह्न नियम, 2002 क्रमश: व्यापार और पण्य चिह्न अधिनियम, 1958 और व्यापार और पण्य चिह्न नियम, 1959 के स्थान पर दिनांक 15 सितंबर, 2003 से प्रभावी हुए। रजिस्ट्री का मुख्यालय मुंबई में है तथा इसकी शाखाएं दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और अहमदाबाद में स्थित हैं।

देश में बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विषय में सामान्य रूप से तथा व्यापार चिह्न के संबंध में विशेष रूप से बढ़ती जागरुकता के कारण व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की गतिविधि तथा उत्तरदायित्व में काफी बढ़ोतरी हुई है। व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के अधीन और व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के लिए मैड्रिड प्रोटोकॉल से भारत के संबद्ध होने के बाद सेवा चिह्न, सुविख्यात चिह्न, सामूहिक चिह्न की संरक्षा तथा बहु वर्ग (मल्टी क्लास) आवेदनों हेतु प्रावधान इत्यादि को शामिल किए जाने से इस भूमिका में और बढ़ोतरी हुई है। रजिस्ट्री एक विस्तृत ई-फाइलिंग सेवा गेटवे के माध्यम से वेब आधारित सेवाएं भी प्रदान करता है जिसमें सभी व्यापार चिह्न आवेदन और अन्य व्यापार चिह्न फॉर्म तथा शुल्क के ई-पेमेंट की सुविधा भी शामिल है। इसके अतिरिक्त व्यापार चिह्न रजिस्ट्री पर व्यापार चिह्न से संबंधित वायपो की स्थायी समिति के व्याख्यानों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुसरण करने के साथ ही डोमेन नाम तथा इंटरनेशनल नॉन प्रोपरायटरी नामों जैसे उभरते मुद्दों के लिए सुझाव प्रदान करने की जिम्मेदारी भी है। साथ ही साथ, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री समय-समय पर बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में जागरुकता संबंधी गतिविधियाँ भी चलाती है।

2. वर्ष 2014-2015 के दौरान गतिविधियों की प्रवृत्ति

वर्ष 2014-2015 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा की गई गतिविधियों संबंधी जानकारी निम्नलिखित सारणी में प्रदान की गई है। आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति यह इंगित करती है कि वर्ष 2013-14 में दाखिल 2,00,005 आवेदनों की तुलना में वर्ष 2014-15 में दाखिल आवेदनों की संख्या 2,10,501 रही जो 10,496 आवेदनों की वृद्धि दर्ज करती है। दाखिल किए गए, परीक्षित एवं पंजीकृत आवेदन संबंधी जानकारी **परिशिष्ट-I** में दी गई है।

क्रम संख्या	गतिविधियाँ	2013-2014	2014-2015
1.	पंजीकरण के लिए दाखिल किए गए आवेदन	2,00,005	2,10,501
2.	व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित आवेदनों की संख्या	67,796	**81,959**
3.	पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या	67,876	**41,583**
4.	पंजीकरण के अतिरिक्त अन्यथा रूप में (अस्वीकृति, परित्याग और वापसी द्वारा) निष्पादित उत्तर-परीक्षण आवेदनों की संख्या	36,880	**42,069**
5.	पंजीकरण का नवीकरण किए जानेवाले चिह्नों की संख्या	32,202	**43,889**
6.	पंजीकृत व्यापार चिह्न (समनुदेशन सहित) में पंजीकरण के बाद किए गए परिवर्तनों की प्रविष्टि हेतु निष्पादित अनुरोधों की संख्या	19,856	**10,051**
7.	प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम,1983 की धारा 45(1) के तहत जारी प्रमाण पत्र	3,825	**3,257**

3. व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति :

भारत में व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए दाखिल किए जा रहे आवेदनों की प्रवृत्ति में निरंतर वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2014-2015 में भारतीयों द्वारा दाखिल किए गए आवेदनों की संख्या 2,02,654 थी तथा विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या 7,847 थी।

2010-11 से 2014-15 के दौरान दाखिल आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	भारतीय आवेदक	विदेशी आवेदक	कुल
2010-11	1,67,701	11,616	1,79,317
2011-12	1,69,602	13,986	1,83,588
2012-13	1,79,436	14,780	1,94,216
2013-14	1,84,140	15,865	2,00,005
2014-15	**2,02,654**	**7,847**	2,10,501

4. विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न के लिए प्राप्त आवेदनों की प्रवृत्तिः

वर्ष 2014-15 के दौरान विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। ऐसा देखा गया है कि कुल मिलाकर 1,48,174 अभिलक्षण चिह्न वाले आवेदन दाखिल किए गए जो कुल आवेदन का लगभग 70.39% है और इसी प्रकार शब्द चिह्न वाले लगभग 62,308 आवेदन दाखिल किए गए जो कुल आवेदन का 29.60% है।

दाखिल किए गए विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

चिह्नों के प्रकार	2013-14	2014-15
अभिलक्षण चिह्न	1,44,239	**1,48,174**
शब्द चिह्न	55,744	**62,308**
अंक चिह्न	9	**8**
वर्ण चिह्न	13	**11**
कुल	2,00,005	**2,10,501**

5. वर्गानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति :

वर्ष 2014-15 के दौरान दाखिल किए गए व्यापार चिह्न आवेदनों की वर्गानुसार प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी सबसे ज्यादा आवेदन वर्ग 5 के अंतर्गत की वस्तुओं (भेषजीय, पशु चिकित्सीय तथा आरोग्यकारक पदार्थों आदि) के लिए प्राप्त हुए हैं।

व्यापार चिह्न के पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों के वर्गानुसार वितरण का विवरण

वर्ग	वस्तुएं	दाखिल आवेदन	कुल दाखिल आवेदनों का %
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	3232	1.54
2	पेंट और वार्निश	1297	0.62
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग आदि	7997	3.80
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयॉ (खाद्य तेल के अलावा) आदि	980	0.47
5	औषधीय, भेषजीय, पशु चिकित्सीय और आरोग्यकारक पदार्थ आदि	28933	13.74
6	अन-रॉट और अंशत: रॉट सामान्य धातु एवं उनके मिश्र धातु आदि	2974	1.41
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	4819	2.29
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	793	0.38
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत उपकरण आदि	10332	4.91
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और पशुचिकित्सा उपकरण और यंत्र आदि	2091	0.99
11	प्रकाशन साधित्र, तापक वाष्पजनक आदि	5548	2.64
12	वाहन और उनके पूर्जे, यंत्र, भूमि पर, व्योम में अथवा जल पर चलने के लिए यंत्र आदि	2733	1.30
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	206	0.10
14	बहुमूल्य वस्तुएं और उनकी मिश्र धातु आदि	2468	1.17
15	संगीत के यंत्र (बोलने वाली मशीन और वायरलेस उपकरण के अतिरिक्त)	242	0.11
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	5457	2.59
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	2006	0.95
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े आदि	1959	0.93

19	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	3771	1.79
20	फर्नीचर, आईने आदि	2009	0.95
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	2133	1.01
22	रस्सी, सुतली आदि	469	0.22
23	सूत और धागे	416	0.20
24	टिशू (खंडित वस्तुएं) आदि	3091	1.47
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	13739	6.53
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	633	0.30
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	421	0.20
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	1233	0.59
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	4891	2.32
30	कॉफी, चाय, कोको आदि	12753	6.06
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों में अंतर्गत नहीं है	3818	1.81
32	बीयर, एल और पोर्ट, खनिज और वाति जल और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	3905	1.86
33	वाइन स्प्रिट और मद्य पेय	1358	0.65
34	तम्बाकू, कच्चा या निर्मित, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	1623	0.77
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	19552	9.29
36	बीमा, वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	3945	1.87
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	4218	2.00
38	दूरसंचार	2489	1.18
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	2513	1.19
40	सामग्री का बहिस्त्राव	859	0.41
41	शिक्षा, प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीडा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	9689	4.60
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाएं तथा उससे संबंधित शोध और अभिकल्प, औद्योगिक विश्लेषण और शोध सेवाएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास	6091	2.89
43	खाद्य और पेय हेतु सेवाएं; अस्थायी निवास	5862	2.78
44	चिकित्सा सेवाएं ; पशुचिकित्सा सेवाएं; मानव या पशुओं के लिए स्वच्छता और सौन्दर्य देखभाल; कृषि, बागवानी तथा वन्य सेवाएं,	3877	1.84
45	विधिक सेवाएं; सम्पत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा सेवाएं; व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए अन्य लोगों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं	2333	1.11
99	बहु वर्ग	8743	4.15
	कुल	210501	100.00

6. शाखानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति :

वर्ष 2014-15 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, दिल्ली शाखा में अधिकतम संख्या (78,785) में आवेदन दाखिल किए गए जिसके बाद क्रमशः मुंबई (55,927), चेन्नई (39,674), अहमदाबाद (23,981) एवं कोलकाता (12,134) का स्थान आता है।

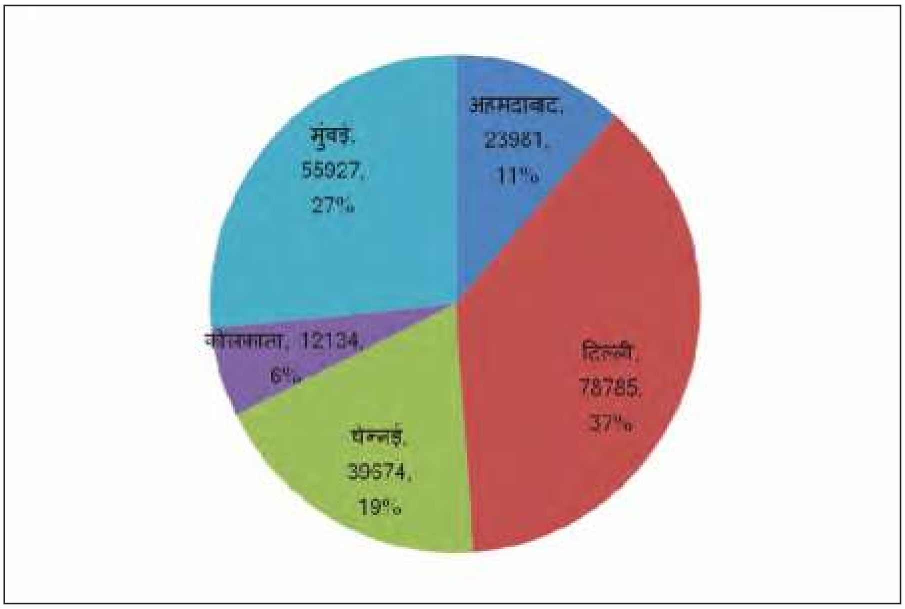

7. व्यापार चिह्न का पंजीकरण एवं अन्य गतिविधियाँ :

वर्ष 2014-15 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या 41,583 रही जबकि पिछले वर्ष के दौरान 67,876 चिह्न पंजीकृत किए गए थे। दिनांक 31 मार्च, 2015 तक पंजीकृत व्यापार चिह्न की कुल संख्या **9,47,484** थी।

वर्ष के दौरान नवीकृत किए गए पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या 43,889 रही। पंजीकृत व्यापार चिह्न (अन्य व्यक्तियों को उनके समनुदेशन सहित) के संदर्भ में पंजीकरण के उपरांत परिवर्तन करने हेतु 19,164 अनुरोध प्राप्त हुए और वर्ष 2014-15 के दौरान 10,051 अनुरोध निष्पादित कर दिए गए।

इसके अतिरिक्त, प्रतिवेदन वर्ष के दौरान कानूनी कार्यवाहियों में उपयोग के लिए या विदेशों में पंजीकरण प्राप्त करने हेतु अनुरोध पर 6,843 प्रमाणपत्र जारी किए गए।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 45 (1) के तहत 3,257 प्रमाण पत्र प्रतिलिप्यधिकार के रूप में कलात्मक कार्य के पंजीकरण हेतु जारी किए गए।

रजिस्ट्री ने व्यापार चिह्न पंजीकरण के लिए विगत वर्ष के 67,796 विज्ञापनों की तुलना में वर्ष 2014-15 के दौरान 81,959 आवेदन भी व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित किए। पिछले पाँच वर्षों में व्यापार चिह्न जर्नल में प्रकाशित व्यापार चिह्न की प्रवृत्ति **परिशिष्ट II** में दिखाई गई है।

रजिस्ट्री ने अधिनियम और नियम के अधीन विधिक कार्यवाहियाँ संचालित की जिनमें मुख्यत: विरोध और परिशोधन की कार्यवाहियाँ थी। वर्ष 2014-15 के दौरान विरोध की सूचना और रजिस्टर के परिशोधन हेतु 15,748 आवेदन दाखिल किए गए और 9,684 ऐसे मामलों का पूर्णतया निष्पादन कर दिया गया। ऐसे दाखिल और निष्पादित मामलों के विवरण **परिशिष्ट III** में दिया गया है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्राप्त अनुरोधों की संख्या 3,698 थी और 3,669 अनुरोधों का निष्पादन कर दिया गया।

8. पंजीकृत व्यापार चिह्न का वर्गानुसार विवरण

निम्न प्रदत्त सारणी वर्ष 2014-15 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण प्रस्तुत करती है। यह देखा गया है कि वर्ग-5 के अंतर्गत 10,303 व्यापार चिह्न पंजीकृत थे जो कुल पंजीकरण का 15.20% है, जिसके बाद वर्ग-35 आता है जो 6.89% है। हालाँकि, विविध वर्गों में 2,151 व्यापार चिह्न पंजीकृत हुए थे जो कुल पंजीकृत चिह्न का लगभग 3.17% है।

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण

वर्ग	वस्तुएं	पंजीकृत व्यापार चिह्न	कुल पंजीकरण का प्रतिशत
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	843	2.03
2	पेंट और वार्निश	316	0.76
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग आदि	1424	3.42
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयॉं (खाद्य तेल के अलावा) आदि	274	0.66
5	भेषजीय, पशु चिकित्सीय और आरोग्यकारक पदार्थ आदि	5027	12.09
6	अन-रॉट और अंशत: रॉट सामान्य धातु एवं उनके मिश्र धातु आदि	828	1.99
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	1276	3.07
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	245	0.59
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत उपकरण आदि	2346	5.64
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और पशुचिकित्सा उपकरण और यंत्र आदि	482	1.16
11	प्रकाशन साधित्र, तापक आदि	1020	2.45
12	वाहन और उनके पूर्जे, यंत्र, भूमि पर, व्योम में अथवा जल पर चलने के लिए यंत्र आदि	717	1.72
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	86	0.21
14	बहुमूल्य वस्तुएं और उनका मिश्र धातु आदि	531	1.28
15	संगीत के यंत्र (बोलने वाली मशीन और वायरलेस उपकरण के अतिरिक्त)	95	0.23
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	1344	3.23
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	537	1.29
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े से बनी वस्तुएं आदि	380	0.91
19	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	821	1.97
20	फर्नीचर, आईने आदि	469	1.13

21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	469	1.13
22	रस्सी, सुतली आदि	141	0.34
23	सूत और धागे	162	0.39
24	टिशू (खंडित वस्तुएं) आदि	787	1.89
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	2104	5.06
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	203	0.49
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	128	0.31
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	298	0.72
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	821	1.97
30	कॉफी, चाय, कोको आदि	1948	4.68
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों में अंतर्गत नहीं है	818	1.97
32	बीयर, एल और पोर्ट, खनिज और वाति जल और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	728	1.75
33	वाइन, स्प्रिट और मद्य पेय	317	0.76
34	तम्बाकू, कच्चा या निर्मित, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	489	1.18
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	2923	7.03
36	बीमा, वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	908	2.18
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	958	2.30
38	दूरसंचार	496	1.19
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	495	1.19
40	सामग्री का बहिस्त्राव	200	0.48
41	शिक्षा,प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीड़ा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	2039	4.90
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाएं तथा उससे संबंधित शोध और अभिकल्प, औद्योगिक विश्लेषण और शोध सेवाएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास	1384	3.33
43	खाद्य और पेय हेतु सेवाएं; अस्थायी निवास	1010	2.43
44	चिकित्सा सेवाएं ; पशुचिकित्सा सेवाएं; मानव या पशुओं के लिए स्वच्छता और सौन्दर्य देखभाल; कृषि, बागवानी तथा वन्य सेवाएं,	670	1.61
45	विधिक सेवाएं; सम्पत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा सेवाएं; व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए अन्य लोगों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं	330	0.79
99	बहु वर्ग	1696	4.08
	कुल	**41583**	**100.00**

9. राजस्व और व्यय

वर्ष 2014-15 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने रु.138.13 करोड़ का राजस्व अर्जित किया जबकि विगत वर्ष के दौरान यह संख्या रु.122.50 करोड़ थी । इस वर्ष रु.12.32 करोड़ का परिव्यय हुआ जबकि पिछले वर्ष के दौरान रु.10.29 करोड़ व्यय हुए थे।

परिशिष्ट- I

पिछले 5 वर्षों में व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
दाखिल	1,79,317	1,83,588	1,94,216	2,00,005	**2,10,501**
परीक्षित	2,05,065	1,16,263	2,02,385	2,03,086	**1,68,026**
पंजीकृत	1,15,472	51,735	44,361	67,796	**41,583**

पिछले 5 वर्षों में व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति की ग्राफीय प्रस्तुति

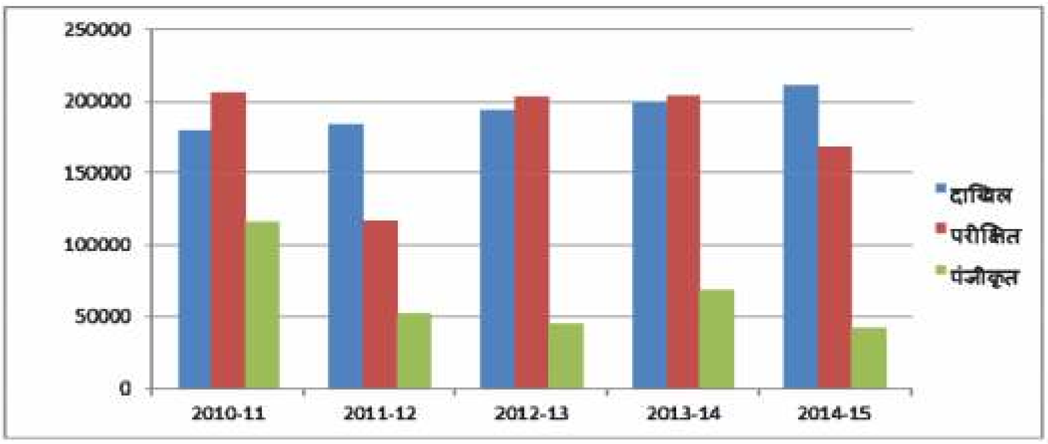

परिशिष्ट- II

पिछले पाँच वर्षों के दौरान प्रकाशित व्यापार चिह्न की संख्या

क्रम संख्या	वर्ष	जर्नल में प्रकाशित व्यापार चिह्न की संख्या
1.	**2014-15**	**81,959**
2.	2013-14	67,796
3.	2012-13	74,871
4.	2011-12	44,770
5.	2010-11	1,24,250

पिछले 5 वर्षों में प्रकाशित व्यापार चिह्न की संख्या की ग्राफीय प्रस्तुति

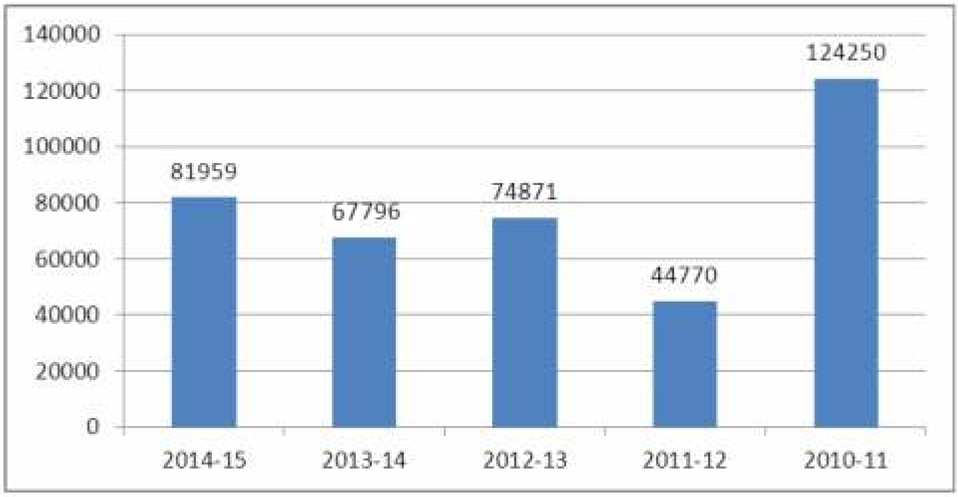

परिशिष्ट- III

1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015 तक विभिन्न कार्यालयों में दाखिल विरोध/परिशोधन आवेदन और उनके निष्पादन का विवरण

क्रम संख्या	सुनवाई का स्थान	दाखिल विरोध/परिशोधन	निष्पादित मामले
1.	मुम्बई	3664	5713
2.	कोलकाता	1094	317
3.	चेन्नई	2109	3179
4.	अहमदाबाद	2841	1574
5.	दिल्ली	4832	1308
	कुल	**14540**	**12091**

पिछले पाँच वर्षों के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न

क्रम संख्या	वर्ष	पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या
1.	2010-11	1,15,472
2.	2011-12	51,735
3.	2012-13	44,361
4.	2013-14	67,796
5.	**2014-15**	**41,583**

पिछले 5 वर्षों के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की ग्राफीय प्रस्तुति

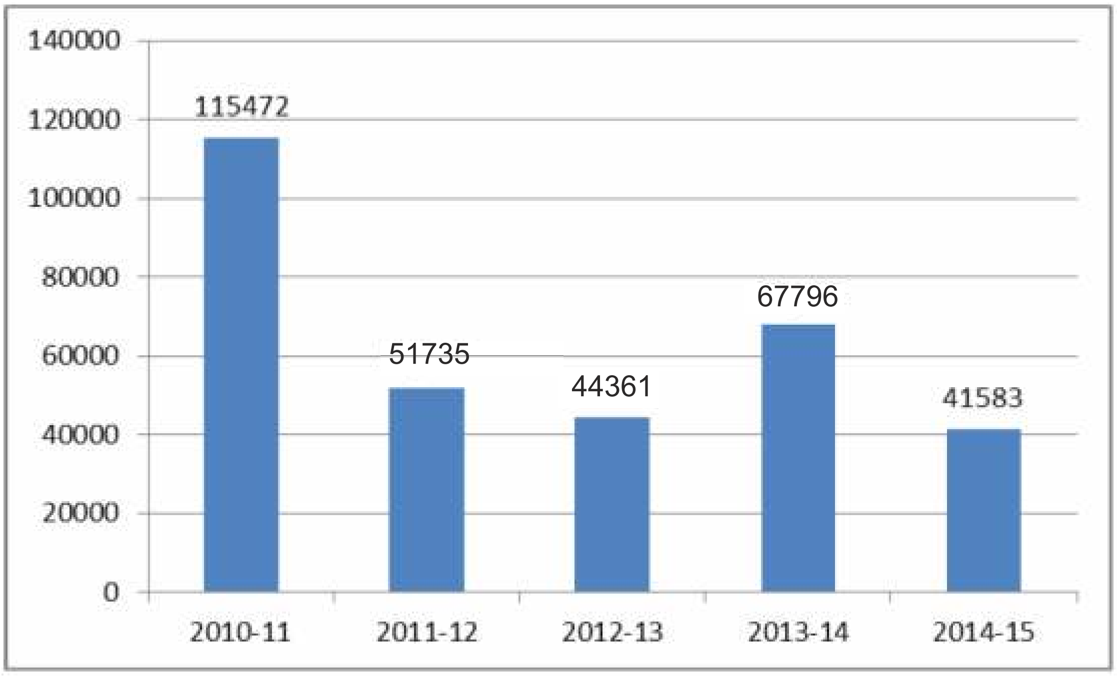

व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण हेतु मैड्रिड प्रणाली के मैड्रिड प्रोटोकॉल से सहमति

मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण से संबंधित प्रावधान 8 जुलाई, 2013 से भारत में लागू हुए हैं।

वर्ष 2014-15 के अंत तक वायपो ने भारत में व्यापार चिह्न की संरक्षण के लिए 11,852 अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरणों को भारतीय कार्यालय को अधिसूचित किया। भारतीय कार्यालय अपने अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यापार चिह्न के संरक्षा के संबंध में निर्णय करेंगे। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ऐसे नामित आवेदनों का परीक्षण भारतीय कार्यालय में उपर्युक्त अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण की तारीख को ही दाखिल राष्ट्रीय आवेदन के रूप में करेगा अथवा भारत में उनके बाद में नामित करने की तारीख के रूप में करेगा यदि अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के समय भारत को नामित नहीं किया गया हो।

वर्ष 2014-15 के अंत तक 1855 मामलों का परीक्षण किया गया है। 1373 चिह्न के संबंध में वायपो को औपबंधिक अस्वीकृति की सूचना दी गई है और 157 चिह्न के लिए संरक्षा अनुदान करने की सूचना दी गई है तथा बाकि मामलों को व्यापार चिह्न जर्नल में प्रकाशित किया गया है ताकि उन चिह्नों पर भारत में संरक्षा दिए जाने संबंधी आम जनता से आपत्तियाँ आंमत्रित की जा सकें।

वर्ष 2014-15 के अंत तक भारतीय कार्यालय ने मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण हेतु 220 आवेदन प्राप्त किए जिनमें से 209 आवेदनों का सत्यापन कर वायपो को अग्रेषित किया गया है। इन आवेदनों में से 134 आवेदनों का पंजीकरण वायपो के स्तर पर कर दिया गया है और वैसे चिह्न की संरक्षा के संबंध में अंतिम निर्णय करने के लिए नामित करार करने वाले पक्षों के कार्यालयों को प्रेषित किया गया है।

अध्याय - VII

भौगोलिक उपदर्शन

अध्याय - VII

भौगोलिक उपदर्शन

परिचय

वस्तुओं का भौगोलिक उपदर्शन (पंजीकरण एवं संरक्षा) अधिनियम, 1999 का प्रशासन 15 सितम्बर, 2003 से प्रवृत्त हुआ। अधिनियम के तहत भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री की स्थापना चेन्नई में की गई, जो वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण और बेहतर संरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई। सीजीपीडीटीएम और डीआईपीपी के नियंत्रणाधीन भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री वह पहली संस्था है जिसने गुणता सेवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन ISO 9001:2008 प्राप्त किया।

2014-15 के दौरान गतिविधियों की प्रवृत्ति

रजिस्ट्री कार्यालय ने 15 सितम्बर, 2003 से पंजीकरण हेतु भौगोलिक उपदर्शन आवेदन ग्रहण करना प्रारंभ किया। रजिस्ट्री कार्यालय ने 31 मार्च, 2015 तक कुल 526 (पाँच सौ छब्बीस) भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त किए हैं। रजिस्ट्री कार्यालय ने मई 2009 से भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन भी प्राप्त करने प्रारंभ किए हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान रजिस्ट्री कार्यालय ने कुल 2173 (दो हजार एक सौ तेहत्तर) भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए हैं। 15 सितम्बर, 2003 से अब तक कुल 235 (दो सौ पैंतीस) भौगोलिक उपदर्शन (जीआई) पंजीकृत किए गए हैं। कुल 808 (आठ सौ आठ) भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं ।

रजिस्ट्री कार्यालय भारतीय भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए देश के विभिन्न भागों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। इस दौरान चाय, कॉफी, मसाले, कृषि और बागवानी उत्पाद, हस्तकरघा उत्पाद, हस्तशिल्प, वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएँ, दुग्ध उत्पाद, प्राकृतिक वस्तुएँ, स्पिरिट एवं शराब क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया।

31 मार्च 2015 तक भौगोलिक उपदर्शन आवेदन की स्थिति

दाखिल भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	526
विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	241
पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	235

31 मार्च, 2015 तक भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों का विवरण

पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	235
परीक्षण पूर्व अवस्था में भौगोलिक उपदर्शन आवेदन एवं नवीन आवेदन	189
परीक्षण की अवस्था में भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	76
एकीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	13
आहरित/परित्यक्त भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	7
विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	1
विरोध/अपील के लिए भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	2
अस्वीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	3

31 मार्च, 2015 तक भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों का विवरण

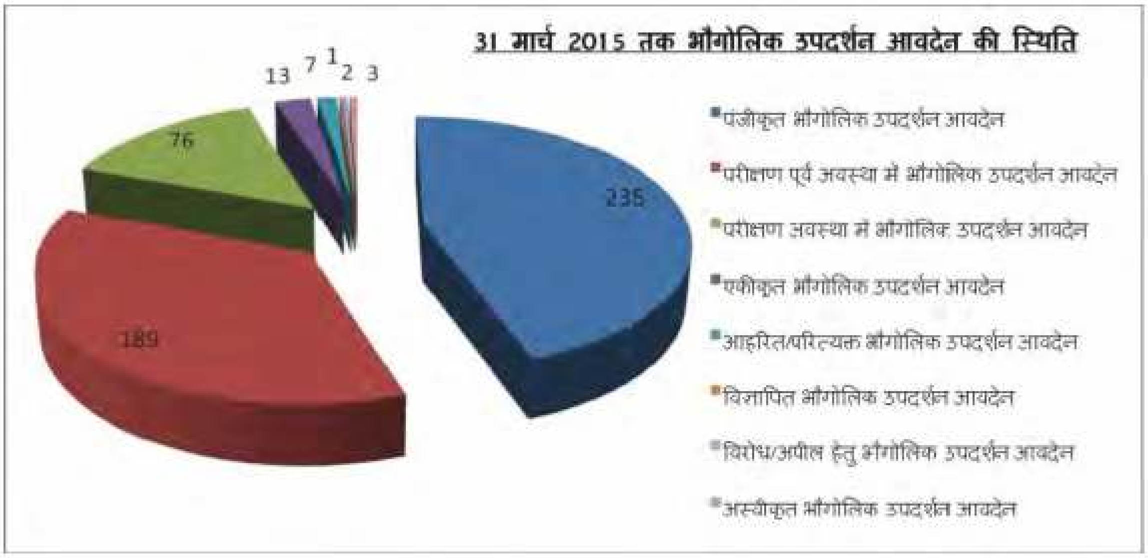

31 मार्च 2015 तक दाखिल किए गए भौगोलिक उपदर्शन आवेदन का वर्षवार विवरण

वर्ष	आवेदनों की संख्या
2003-04	6
2004-05	29
2005-06	16
2006-07	33
2007-08	37
2008-09	44
2009-10	40
2010-11	27
2011-12	148
2012-13	24
2013-14	75
2014-15	47

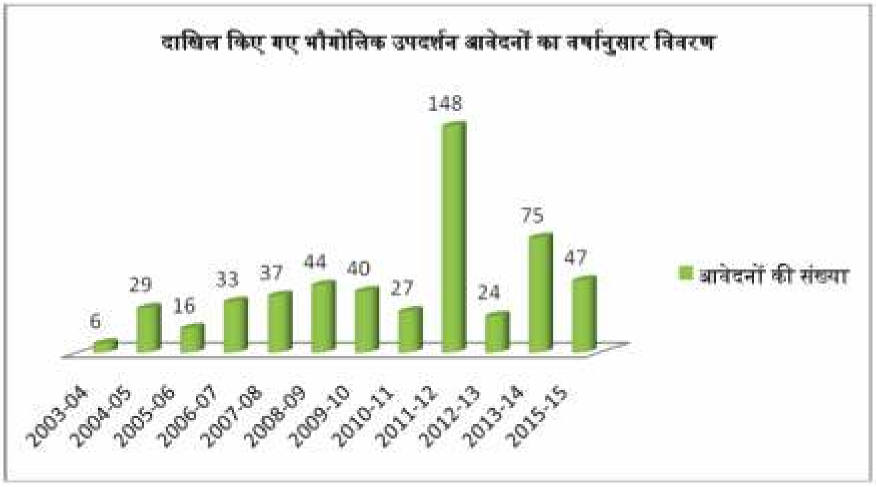

31 मार्च, 2015 तक भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम,1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुओं के पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन का विवरण

भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम,1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुएँ	पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन
हस्तकला (वस्त्र सहित)	150
कृषि	59
विनिर्मित	18
खाद्य पदार्थ	7
प्रकृत	1
कुल	235

31 मार्च, 2015 तक वस्तुओं के पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन का विवरण

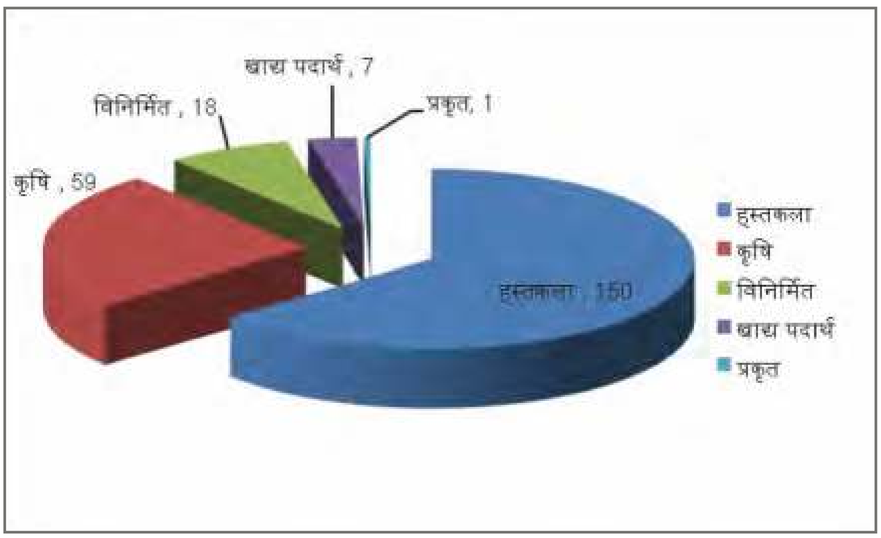

31 मार्च, 2015 तक राज्यवार पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन

राज्य	उत्पादों की संख्या
कर्नाटक	33
तमिलनाडु	24
केरल	22
उड़ीसा	15
उत्तर प्रदेश	20
आंध्र प्रदेश	12
तेलंगाना	11
महाराष्ट्र	10
पश्चिम बंगाल	10
गुजरात	10
राजस्थान	10
जम्मु एवं कश्मीर	6
मध्य प्रदेश	8
हिमाचल प्रदेश	5
बिहार	5
छतीसगढ़	5
असम	5
मणिपुर	4
पाण्डिचेरी	2
फ्रांस	2
पुर्तगाल	3
गोवा	1
नागालैंड	1
पंजाब	1
इटली	1
पेरू	1
मैक्सिको	1
यूनाइटेड किंगडम	1
संयुक्त राज्य अमेरिका	1
मेघालय	1
मिजोरम	1
सिक्किम	1
त्रिपुरा	1
अरुणाचल प्रदेश	1
कुल	235

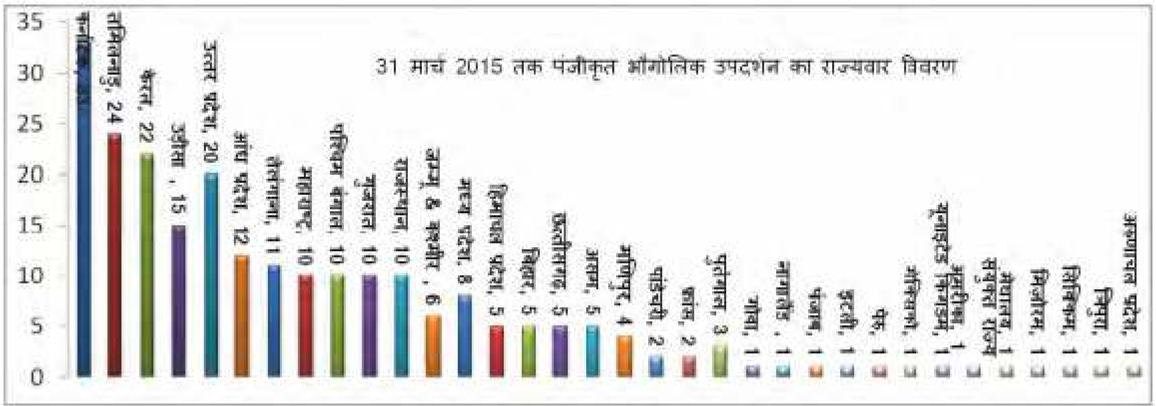

31 मार्च, 2015 तक दाखिल भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों का वर्षवार विवरण

वर्ष	आवेदन की संख्या
2003-04 से 2008-09	0
2009-10	101
2010-11	124
2011-12	145
2012-13	1070
2013-14	475
2014-15	258

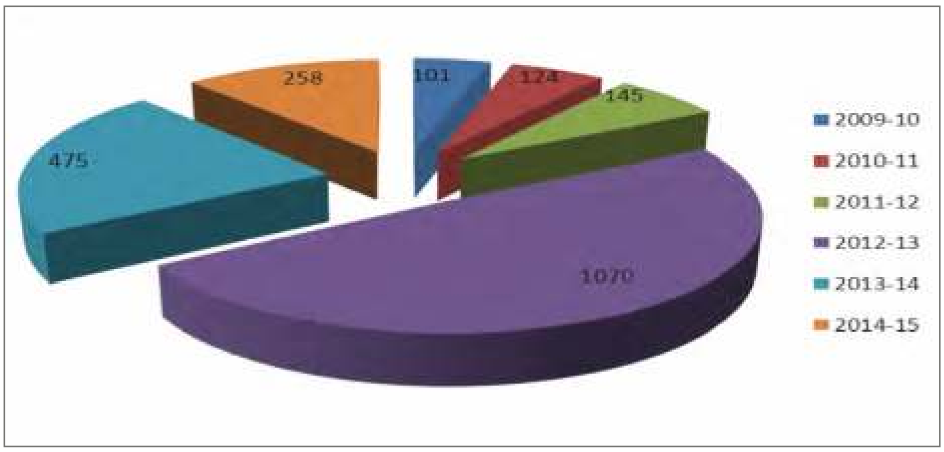

भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन की स्थिति

पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	808
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों के परीक्षण की संख्या	1211
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों के पूर्व-परीक्षण की संख्या	81
विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	73
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की कुल संख्या	2173

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री द्वारा संचालित भौगोलिक उपदर्शन सूक्ष्मग्राही कार्यशालाओं का वर्षवार विवरण

वर्ष	जी.आई. रजिस्ट्री द्वारा भौगोलिक उपदर्शन सूक्ष्मग्राही कार्यशाला
2001-02	4
2002-03	1
2003-04	6
2004-05	9
2005-06	4
2006-07	10
2007-08	8
2008-09	11
2009-10	1
2010-11	12
2011-12	15
2012-13	15
2013-14	10
2014-15	8

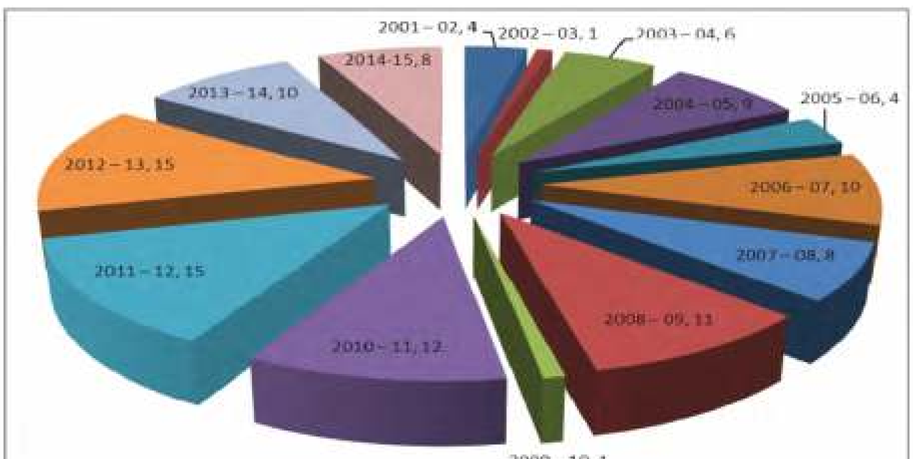

वर्ष 2014-15 के लिए 31 मार्च, 2015 तक का राजस्व और व्यय विवरण

वर्ष 2014-15 के दौरान भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री ने विगत वर्ष के रु.6.5 लाख की तुलना में रु.5.6 लाख का राजस्व अर्जित किया। इस वर्ष के दौरान किया गया व्यय रु.69.6 लाख था जबकि विगत वर्ष के दौरान व्यय की राशि रु.77.19 लाख थी।

अध्याय - VIII

पेटेंट सूचना पद्धति एवं राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम)

परिचयः

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रबंधन, शोध और शिक्षण हेतु उच्च कोटि का राष्ट्रीय केन्द्र है। यह संस्थान एकस्व एवं अभिकल्प परीक्षकों, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन परीक्षकों, बौद्धिक सम्पदा व्यवसाइयों, देश के बौद्धिक सम्पदा प्रबंधकों को प्रशिक्षण देने, उपयोक्ता समुदायों को मूलभूत शिक्षा उपलब्ध कराने की आवश्यकता की पूर्ति करता है। यह संस्थान सरकार के लिए उपयुक्त अध्ययन रिपोर्ट एवं नीति विश्लेषण बनाने सहित बौद्धिक सम्पदा से संबंधित विषयों पर शोध भी सुलभ कराता है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वाणिज्य के साथ-साथ किसी राष्ट्र के औद्योगिक, आर्थिक और सामाजिक उन्नयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) और पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस) दोनों भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्य करते हैं और नागपुर में स्थित एक ही भवन में अवस्थित हैं। आरजीएनआईआईपीएम, बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में देश में अपनी तरह का अकेला राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र है जिसका गठन विभिन्न उपयोक्ता समूहों को गुणता-सम्पन्न प्रशिक्षण और शिक्षण उपलब्ध कराने की आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया गया है।

उद्देश्यः

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान का मुख्य उद्देश्य बौद्धिक सम्पदा से संबंधित प्रशिक्षण देना और जागरूकता सृजित करना है। यह संस्थान बौद्धिक सम्पदा के विकास, सृजन, उपयोग और दोहन में सहायता प्रदान करता है। आरजीएनआईआईपीएम, राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ बौद्धिक सम्पदा (आईपी) पद्धति की आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास करता है जो वैश्विक नियमों के अनुसार हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रमः

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम), नागपुर पेटेंट तथा अन्य बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रणालियों के वास्तविक और संभावित उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बौद्धिक सम्पदा अधिकार अर्थात् एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न विषयक कई सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और परीक्षकों के लिए विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित करता है। इन कार्यक्रमों से उद्योग जगत से जुड़े व्यवसायी, विधि-वृत्तिक तथा संभावित पेटेंट/बौद्धिक सम्पदा अधिकार एजेंट, अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक/तकनीकी/अनुसंधान एवं विकास संगठन, उद्योगों के टेक्नोक्रेट्स, लघु तथा मध्यम व्यवसायी,

विश्वविद्यालयों से जुड़े लोग, केन्द्र तथा राज्य सरकार/अन्य सरकारी क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोग, अन्य आविष्कारक तथा रूचि रखने वाले आम लोग लाभान्वित होते हैं।

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान ने वर्ष के दौरान 18 सार्वजनिक कार्यक्रम संचालित किए जिनमें आम जनता के लिए दो दिवसीय अवधि के छः कार्यक्रम, तीन दिवसीय चार कार्यक्रम, पाँच दिवसीय अवधि के दो कार्यक्रम और छः जागरूकता/सेमिनार कार्यक्रम शामिल हैं। प्रतिवेदन अवधि के दौरान जन प्रशिक्षण कार्यक्रम से रु. 12,73,100/- का राजस्व अर्जित किया गया।

संकाय के सदस्यः

प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए संकाय सदस्य के रूप में भारतीय पेटेंट कार्यालय तथा व्यापार चिह्न रजिस्ट्री और अग्रणी पेटेंट एटॉर्नी, प्रोफेसर आदि सहित देश के सुख्यात संगठनों से बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विशेषज्ञ भी होते हैं।

वर्ष 2010-11 से 2014-15 के दौरान संचालित लोक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

वर्ष	प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि				परीक्षकों के लिए		आम जनता के लिए	कुल
	एक दिवसीय	दो दिवसीय	तीन दिवसीय	पाँच दिवसीय	90 दिन	30 दिन	एक दिवसीय/ अर्ध दिवसीय	
2010-2011	1	11	--	2	--	--	5	19
2011-2012	--	12	--	4	--	--	5	21
2012-2013	--	3	--		2	--	7	12
2013-2014	--	10	--	2	--	2	--	14
2014-2015	--	6	4	2	--	--	6	18
कुल	1	42	4	10	2	2	23	84

पीआईएस और आरजीएनआईआईपीएम द्वारा- अर्जित राजस्व और व्यय का विवरण

वर्ष 2014-15 के दौरान पीआईएस और आरजीएनआईआईपीएम ने विगत वर्ष के रु.6.63 लाख की तुलना में रु.12.8 लाख का राजस्व अर्जित किया। इस वर्ष के दौरान किया गया व्यय रु.1.81करोड़ था जबकि विगत वर्ष के दौरान व्यय की राशि रु.1.75 करोड़ थी।

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान में प्रशिक्षण के दौरान समाहित विषय के विवरण

1] **बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय [2-दिवसीय]**

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, परीक्षण प्रक्रिया का परिचय, निरसन, प्रत्यावर्तन, अतिलंघन, पेटेंट सूचना एवं शोध का परिचय।

2] **पेटेंट आवेदन की प्रक्रिया और उसकी कार्यवाही [2-दिवसीय]**

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का महत्व, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, अनंतिम एवं पूर्ण विनिर्देश, पेटेंट विनिर्देश का लेख, पेटेंट आवेदन के प्रकार, अपेक्षित फॉर्म और शुल्क, ई-फाइलिंग, पीसीटी प्रक्रिया।

3] **पेटेंट आवेदन प्रारूपन [3-दिवसीय]**

अनंतिम एवं पूर्ण विनिर्देश, पेटेंट विनिर्देश का लेख, दावा और विनिर्देश प्रारूपन, प्रारूपन की पूर्व आवश्यकता, दावों की व्याख्या, पेटेंट आवेदन दाखिल करने पर अभ्यास और अन्य दस्तावेज तथा दावों का प्रारूपन।

4] **भारत में पेटेंट प्रणाली [5-दिवसीय]**

पेटेंट प्रणाली का इतिहास, बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, प्रकाशन, अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य एवं दाखिल करने की प्रक्रिया, पेटेंट विनिर्देश का लेख, दावे, पेटेंट विनिर्देश का प्रारूपन, आपत्ति, अतिलंघन, अनिवार्य लाईसेंसिंग एवं प्रौद्योगिकी, पेटेंट सूचना एवं अन्वेषण।

5] **डिजाइन, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन [2-दिवसीय]**

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का संक्षिप्त परिचय, औद्योगिक डिजाइन की संरक्षा की आवश्यकता, डिजाइन पंजीकरण हेतु महत्वपूर्ण आवश्यकताएं, औद्योगिक डिजाइन अधिनियम द्वारा जो संरक्षित नहीं है, डिजाइन पंजीकरण हेतु अवधि और शुल्क।

व्यापार चिह्न और इसके पंजीकरण की प्रक्रिया, लाईसेंसिंग तथा विरोध, वर्गीकरण, व्यापार चिह्न का अतिलंघन, निदान और कार्यवाही। भौगोलिक उपदर्शन क्या है? भारतीय एवं विदेशी भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण हेतु कार्यवाही।

पेटेंट सूचना पद्धति

भारत सरकार ने 1980 में नागपुर में पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस) कार्यालय की स्थापना की जिसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- विश्व स्तर पर पेटेंट विनिर्देशों और पेटेंट से संबंधित साहित्य का विशद् संकलन प्राप्त करना और रखना ताकि अनुसंधान एवं शोध संस्थानों, सरकारी कार्यालयों, उद्योगों, व्यवसायी

उद्यमों, आविष्कारकों और भारत के अन्य उपयोक्ताओं की प्रौद्योगिकीय सूचना की आवश्यकता को पूरा किया जा सके।

- अन्वेषण सेवा तथा पेटेंट विनिर्देश की प्रतियों की आपूर्ति सेवा के माध्यम से पेटेंट में निहित प्रौद्योगिकीय सूचना उपलब्ध कराना।

पेटेंट सूचना प्राप्ति और प्रसार के लिए पेटेंट अभिलेखों के आधार पर पीआईएस उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। पीआईएस उपयुक्त शुल्क का भुगतान करने पर पेटेंट सूचना सेवा प्रदान करता है।

पेटेंट सूचना पद्धति विश्व स्तर पर पेटेंट विनिर्देशों और पेटेंट से संबंधित साहित्य का विशद् संकलन रखता है एवं अन्वेषण सेवा एवं पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा के माध्यम से भारत में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के विभिन्न उपयोक्ताओं को पेटेंट या पेटेंट से सम्बद्ध साहित्य में निहित जानकारी उपलब्ध कराता है।

पेटेंट सूचना पद्धति की सेवाएँ

क. पेटेंट अन्वेषण सेवाएँ

आविष्कार और सृजन के लिए पेटेंट अभिलेखों में निहित तकनीकी सूचना तक पहुँच पेटेंट प्रणाली के उपयोग को बढ़ावा देने का प्रमुख कारक है। इस कारण पेटेंट सूचना सेवा प्रदान करने की शुरूआत हुई और माँगें जाने पर विभिन्न सशुल्क पेटेंट सेवाओं का अद्यतीकरण किया गया। संक्षेप में अन्वेषण सेवाएँ निम्नलिखित हैं।

1. **आधुनिकीकृत सेवा:** कार्यालय में उपलब्ध पेटेंट दस्तावेज और ऑनलाइन निःशुल्क पेटेंट डाटाबेस के आधार पर किसी विशिष्ट प्रौद्योगिकीय क्षेत्र में आधुनिकीकृत आधार पर रिपोर्ट, ऐसा अनुरोध प्राप्त होने पर, प्रदान करना। यह सेवा आधुनिकीकृत सेवा का पूर्वावलोकन प्रदान करता है। यह खोज रिपोर्ट उपयोक्ता के अनुरोध के अनुसार तकनीक के किसी क्षेत्र-विशेष के तहत अन्वेषण से प्राप्त पेटेंट दस्तावेज के सार तथा संदर्भगत आँकड़े प्रदान करता है।

2. **संदर्भगत अन्वेषण:** यह सेवा अन्वेषण से प्राप्त पेटेंट दस्तावेज के केवल संदर्भगत आँकड़े उपलब्ध कराता है। संदर्भगत अवयवों में प्रकाशन संख्या और तारीख, प्रायिकता संख्या (संख्याएँ) और तारीख (तारीखें), आवेदन संख्या और तारीख, अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट वर्गीकरण, आवेदक का नाम, आविष्कारक का नाम, शीर्षक और सार शामिल हैं।

3. **अंग्रेजी समरूपी पेटेंट अन्वेषण :** प्रकाशित पेटेंट आवेदनों और अनुदानित पेटेंट के समरूपी पेटेट दस्तावेज पर सूचना प्रदान करना। अंग्रेजी भाषा के अतिरिक्त अन्य भाषाओं के पेटेंट के लिए अंग्रेजी भाषा समरूप पेटेंट का निर्धारण किया जाता है।

4. **पेटेंट परिवार अन्वेषण:** पेटेंट परिवार सेवा, पेटेंट परिवार के सभी सदस्यों के संदर्भगत आँकड़े उपलब्ध कराता है। अनेक प्रायिकता दावा वाले पेटेंट स्वयंमेव शामिल हैं।

5. **सहायक अन्वेषण:** उपयोक्ताओं को अन्वेषण संचालित करने के लिए पेटेंट सूचना पद्धति, द्वारा खरीदे गए डाटाबेस, सीडीरोम, जर्नल आदि का उपयोग करने की अनुमति होती है। अन्वेषण करने में सामान्य सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

ख. पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा

1. पेटेंट सूचना पद्धति विदेशों के पेटेंट दस्तावेज का पूर्ण पाठ उपलब्ध कराता है जो इस कार्यालय में उपलब्ध है।
2. भारतीय पेटेंट विर्निदेश की छाया प्रति भी पीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

पीआईएस सेवाओं की शुल्क संरचना:

प्रदत्त सेवाएं	शुल्क
आधुनिकीकृत सेवा	रु. 2000+8 प्रति रिपोर्टेड पेटेंट का सार
संदर्भगत अन्वेषण	रु. 500+8 प्रति रिपोर्टेड दस्तावेज
अंग्रेजी समरूपी पेटेंट अन्वेषण	रु. 50/- एक अंग्रेजी भाषा समरूपी पेटेंट ज्ञात करने के लिए
समरूपी परिवार पेटेंट अन्वेषण	रु. 50/- प्रति परिवार सदस्य
सहायक अन्वेषण	रु. 250/- उपयोग की गई सुविधा के प्रत्येक घंटे
पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा	भारतीय पेटेंट की छाया प्रतियां @ रु. 8/-
सार/दावे की प्रति	पेटेंट के सार/मुख्य दावे की प्रति रु.25/-प्रति सार/मुख्य दावा

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005

पीआईएस और आरजीएनआईआईपीएम कार्यालय, सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना प्रदान करते हैं। वर्ष 2014-15 के दौरान कार्यालय ने आरटीआई के तहत 5 आवेदन प्राप्त किए। सभी आवेदनों का निष्पादन केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी के स्तर से कर दिया गया और प्रथम अपील प्राधिकारी को प्राप्त तीन अपीलों का निष्पादन भी कर दिया गया।

अध्याय -IX

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

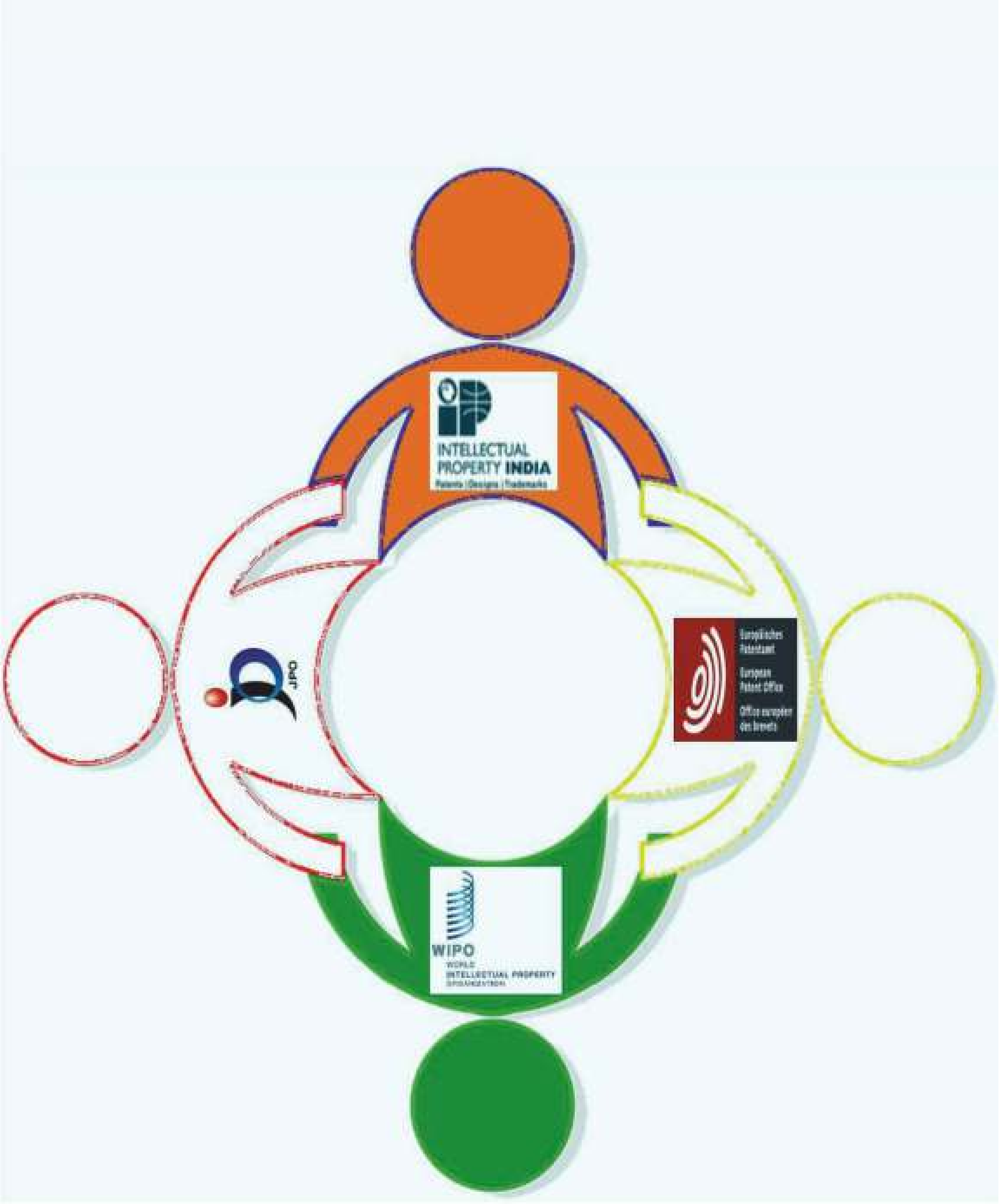

अध्याय -IX

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

1. परिचय

औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग और महानियंत्रक कार्यालय ने द्विपक्षीय स्तर के साथ-साथ बहुपक्षीय स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इन पहलों ने सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने, विभिन्न क्षेत्रों में सूचना के आदान-प्रदान एवं आपसी सहयोग के अवसर प्रदान किए हैं। बौद्धिक सम्पदा अधिकारियों ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों जैसे पेटेंट पर स्थायी समिति (एससीपी), व्यापार चिह्न (एससीटी), पीसीटी कार्यकारी समूह, मैड्रिड कार्य समूह, अंतर्राष्ट्रीय अधिकारियों की बैठक आदि में भाग लिया। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन ने घरेलू स्तर के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में अपने सतत प्रयासों से महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। वर्ष 2014-15 में जहाँ एक तरफ औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग और महानियंत्रक कार्यालय के बीच कई सहयोगी गतिविधियाँ देखी गईं वहीं दूसरी तरफ वायपो, यूरोपीय पेटेंट कार्यालय, जापान पेटेंट कार्यालय, ऑफिस फॉर हार्मोनाइजेशन इन द इंटरनल मार्केट (ओएचआईएम) के साथ कई सहयोगी गतिविधियां देखी गईं। 24 सितम्बर, 2014 को भारत ने पाँच बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स देशों द्वारा तैयार रोड मैप पर हस्ताक्षर किए जिस पर अन्य चार देशों ने दक्षिण अफ्रीका में मई 2013 में हस्ताक्षर किए थे। यह अध्याय रिपोर्ट की अवधि के दौरान इन क्षेत्रों में हुई प्रगति से संबंधित है।

1. भारतीय पेटेंट कार्यालय का अंतर्राष्ट्रीय खोज प्राधिकरण एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षण प्राधिकरण के रूप में कार्य:

भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पेटेंट सहयोग संधि के तहत **15 अक्तूबर,** 2013 से अंतर्राष्ट्रीय खोज प्राधिकरण (आईएसए) एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षण प्राधिकरण (आईपीईए) के रूप में कार्य आरंभ कर दिया है। बौद्धिक सम्पदा कार्यालय का आईएसए/आईपीईए के रूप में कार्य करने से संबंधित पेटेंट (संशोधन) नियम, 2013 को अस्तित्व में आ गए हैं।

आईएसए/आईपीईए की दिनांक 31.03.2015 की प्रगति रिपोर्ट:

अंतर्राष्ट्रीय खोज रिपोर्ट स्थापित करने के लिए बौद्धिक सम्पदा कार्यालय ने **31.03.2015** तक कुल 653 अंतर्राष्ट्रीय आवेदन प्राप्त किए। 31.03.2015 तक **518 अंतर्राष्ट्रीय खोज रिपोर्ट** जारी की गई। अंतर्राष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षण प्राधिकरण (आईपीईए) के रूप में कार्यालय ने **11 अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों** के संदर्भ में प्रारंभिक परीक्षण की मांग प्राप्त की जो परीक्षण के विभिन्न चरणों में हैं।

वर्ष 2013-14 व 2014-15 के दौरान आईएसए आवेदनों का विवरण

आईएसए आवेदनों की गतिविधि	2013-14	2014-15
दाखिल	135	519
वर्ष के आरंभ में लंबित	0	116
निपटाए गए	18	502
प्रत्याहरित	1	4
लंबित	116	129

2. आईएसए/आईपीईए भवन

श्री अमिताभ कान्त, सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग ने 8 सितम्बर, 2014 को आईएसए/आईपीईए भवन का उद्‌घाटन किया। यह कदम मजबूत नींव आश्वासित करता है और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र की चुनौतियों को गले लगाने के लिए बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के विश्वास को प्रोत्साहित करता है कि वह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों के साथ-साथ कार्यालय की आकांक्षाओं को पूरा कर सके। 'बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों का आधुनिकीकरण व सशक्तिकरण' के योजना मद के तहत 30.2 करोड़ के व्यय से 5000 वर्ग मीटर में बनाया गया भवन, आईएसए/आईपीईए के संचालन के लिए उचित प्रबंधन हेतु पर्याप्त जगह और सुविधाएं प्रदान करता है। शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी (एनबीसीसी) ने इसका निर्माण कार्य किया। भवन मे रिसेप्शन से सुलभ जन-सुविधा केन्द्र, आईएसए/आईपीईए की कार्यप्रणाली को व्यवस्थापित करने वाले अधिकारियों के लिए कार्यालयी कमरे, सार्वजनिक खोज की सुविधा हेतु कम्प्यूटर व कनेक्टिविटी से सुसज्जित पेटेंट और व्यापार चिह्न के आधुनिक पुस्तकालय, अत्याधुनिक प्रशिक्षण कक्ष, बैठक के लिए जगह, अखिल-भारतीय कनेक्टिविटी से सुसज्जित सम्मेलन कक्ष हैं। कुशल कार्य और निगरानी के लिए कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए योजनाबद्ध तरीके से बनाए गए कमरे, केवल परीक्षण विभाग में कार्य कर रहे परीक्षकों व नियत्रकों हेतु परीक्षण हॉल, सहयोगी कर्मचारियों व डिजिटाइजेशन के लिए कक्ष, रिकार्ड कक्ष व तकनीकी, विधि व अंतर्राष्ट्रीय मामलों हेतु अलग से समर्पित स्थान भवन को कार्यात्मक कुशल बनाते हैं। भवन बिल्डिंग ऑटोमेशन पद्धति द्वारा सुरक्षित है जिसमें विभिन्न स्थानों के लिए विभिन्न पहुँच नियंत्रण विशेषताएं हैं। बौद्धिक सम्पदा अधिकारों द्वारा संरक्षित उल्लेखनीय भौगोलिक उपदर्शन उत्पादों को यह प्रदर्शित करता है।

आईएसए/आईपीईए उद्‌घाटन की तस्वीरें:

3. मैड्रिड प्रोटोकॉल

भारत सरकार ने व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के लिए 8 अप्रैल, 2013 को मैड्रिड प्रोटोकॉल को स्वीकार किया और मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत व्यापार चिह्नों के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण से संबंधित प्रावधान भारत में 8 जुलाई, 2013 से प्रभावी हुए।

मैड्रिड प्रोटोकॉल से संबंधित कार्यों के लिए व्यापार चिह्न रजिस्ट्री मुम्बई में अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण विभाग है। भारतीय व्यापार चिह्न रजिस्ट्री मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत अपने व्यापार चिह्न का अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण करवाना चाह रहे भारतीय आवेदकों के लिए **उद्‌गम कार्यालय** का कार्य करता है और जो विदेशी आवेदक मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण द्वारा अपने व्यापार चिह्न का संरक्षण चाहते हैं उनके लिए **नामित करार पक्ष कार्यालय** का कार्य करता है। ये कार्य केवल ऑनलाइन प्रणाली द्वारा किए जाते हैं।

क) उद्‌गम कार्यालय के रूप में : इलेक्ट्रानिक प्रणाली के माध्यम से कार्यालय निम्नलिखित कार्य सफलतापूर्वक कर रहा है:-

- भारतीय उद्यमियों से अंतर्राष्ट्रीय आवेदन प्राप्त करना एवं व्यापार चिह्न रजिस्ट्री से व्यापक ई-फाइलिंग सेवाओं के माध्यम से ऐसे आवेदनों के बारे में उन से ऑन-लाइन संवाद स्थापित करना;
- ऐसे अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों को सत्यापित एवं प्रमाणित करना और उन्हें वायपो को प्रेषित करना;
- भारत द्वारा अग्रेषित अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों के संबंध में वायपो द्वारा भेजी गई अनियमितताओं का उत्तर देना;
- भारत से उद्‌गम होने वाले अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों के साथ-साथ एफटीपी सर्वर द्वारा भारत को नामित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के संबंध में वायपो से पत्राचार

ख) नामित करार पक्ष कार्यालय के रूप में : इलेक्ट्रानिक प्रणाली के माध्यम से कार्यालय निम्नलिखित कार्य सफलतापूर्वक कर रहा है:-

- वायपो द्वारा अधिसूचित भारत को नामित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरणों का विवरण हमारी राष्ट्रीय प्रणाली में शामिल करना;
- ऐसे अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरणों के संबंध में वायपो द्वारा आगे जारी की गई अधिसूचनाओं के अनुसार हमारे राष्ट्रीय डाटाबेस को अद्यतन करना;
- अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरणों का हमारे देश के कानून के अनुसार परीक्षण करना, स्वीकृत मामलों को राष्ट्रीय व्यापार चिह्न जर्नल में प्रकाशित करना और आपत्ति वाले मामलों में वायपो को अनंतिम अस्वीकृति प्रेषित करना;
- प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय डेसिग्नेशन के विरुद्ध तीसरे पक्ष का विरोध प्राप्त करना और विरोध के आधार पर वायपो को अनंतिम अस्वीकृति प्रेषित करना;
- हमारे देश के कानून के अनुसार ऐसे अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के धारकों की तरफ से अनंतिम अस्वीकृति के विरुद्ध दाखिल जवाब पर कार्रवाही करना और वायपो को अपना अंतिम निर्णय प्रेषित करना

मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत भारतीय कार्यालय की प्रगति इस प्रकार है:-

31 मार्च 2015 तक, भारत में व्यापार चिह्न के संरक्षण के इच्छुक 11852 अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण वायपो द्वारा अधिसूचित किए गए। 1855 मामलों का परीक्षण किया जा चुका है। 1373 चिह्नों के संबंध में अनंतिम अस्वीकृति वायपो को प्रेषित की जा चुकी है, 156 चिह्नों के लिए संरक्षण का अनुदान प्रेषित किया जा चुका है और अन्य मामले व्यापार चिह्न जर्नल में प्रकाशित किए जा चुके हैं ताकि ऐसे चिह्नों के भारत में संरक्षण के संबंध में जनता से आपत्ति प्राप्त की जा सके। वर्ष के अंत तक, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के 220 आवेदन प्राप्त किए हैं जिसमें से 209 आवेदनों को प्रमाणित किया गया। ऐसे 134 भारतीय आवेदन वायपो के स्तर पर पंजीकृत किए गए हैं और करार नामित पक्ष कार्यालय को संचारित किए जा चुके हैं जो ऐसे चिह्नों के उनके क्षेत्राधिकार में संरक्षण के विषय में अंतिम निर्णय लेंगे।

4. समझौता ज्ञापन/भारत-ईपीओ के बीच समझौता:

भारत सरकार और यूरोपीय पेटेंट कार्यालय ने ईपीओ और बौद्धिक सम्पदा कार्यालय भारत (आईपीओ) के बीच कम से कम चार वर्ष के लिए संरचित कार्य संबंधों के लिए रूपरेखा की स्थापना करने के लिए द्विपक्षीय सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका सर्वोपरि उद्देश्य सेवा प्रदान और दक्षता के मामले में पेटेंट प्रणाली के विकास में सहयोग देना है, विशेषतः तकनीकी सहयोग एवं सर्वोत्तम प्रथाओं के आदन-प्रदान के माध्यम से जैसे पेटेंट परीक्षण, प्रशासन और सूचना। उक्त ज्ञापन समझौते पर ईपीओ की तरफ से ईपीओ प्रेसीडेंट श्री बेनिट बातिस्तेली और सरकार की तरफ से (पूर्व-हस्ताक्षरित) श्री डी.वी. प्रसाद, संयुक्त सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर, भारतीय पेटेंट कार्यालय और यूरोपीय पेटेंट कार्यालय ने समझौता ज्ञापन के अंतर्गत पहली द्विवार्षिक कार्य योजना पर भी हस्ताक्षर किए जिस पर श्री चैतन्य प्रसाद, तात्कालीन महानियंत्रक और ईपीओ की तरफ से श्री बेनिट बातिस्तेली ने हस्ताक्षर किए।

इसके अलावा, कार्य योजना की विभिन्न गतिविधियों के तहत, आईसीटी से संबंधित पेटेंट पर यूरोपीय पेटेंट कार्यालय द्वारा म्यूनिख में 6-7 नवम्बर, 2014 को भारत-यूरोपीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें तात्कालीन महानियंत्रक, श्री चैतन्य प्रसाद, भा.प्र.से. ने भाग लिया।

5. भारतीय पेटेंट कार्यालय का आईएसए/आईपीईए के रूप में ईरान के इस्लामिक गणराज्य का अनुसमर्थनः औद्योगिक सम्पदा कार्यालय (ईरान का इस्लामिक गणराज्य) ने वायपो को निर्दिष्ट किया है कि 13 मई 2014 से ईरान के इस्लामिक गणराज्य के नागरिकों और निवासियों द्वारा पेटेंट सहयोग संधि के तहत दाखिल अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों के लिए भारतीय पेटेंट कार्यालय सक्षम अंतर्राष्ट्रीय खोज एवं प्रारंभिक परीक्षक प्राधिकारी के रूप में कार्य करेगा।

6. ब्रिक्स-भारत सहयोगः जिनेवा में वायपो सभा के तर्ज पर 24 सितम्बर, 2014 को ब्रिक्स के बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के प्रमुखों की बैठक आयोजित की गई। ब्राजील ने वर्ष के दौरान ब्रिक्स के प्रमुख की भूमिका निभाई। बैठक में श्री चैतन्य प्रसाद, महानियंत्रक, श्री बी.एन. रेड्डी, डी.पी.आर, भारत का स्थायी मिशन, जिनेवा, सुश्री चांदनी रैना, निदेशक, औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और पेटेंट कार्यालय तथा व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के वरिष्ठ अधिकारियों ने सरकार का प्रतिनिधित्व किया। ब्रिक्स समझौते के तहत, भारत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग से संबंधित संकाय के लिए उत्तरदायी है।

7. वायपो-भारत सहयोगः भारत में आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी विकास के लिए बौद्धिक सम्पदा (आईपी) का उपयोग करने के लक्ष्य को बढ़ावा देने के नजरिये से संयुक्त गतिविधियों के लिए अधिक सक्रिय, व्यवस्थित संगठन और आचरण के माध्यम से भारत सरकार और वायपो के बीच सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग तथा विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन (वायपो) ने 13 नवम्बर, 2009 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत, सहयोग के लिए प्राथमिकता क्षेत्र के रूप में पहचानी गई गतिविधियों को दर्शाने के लिए बौद्धिक सम्पदा कार्य योजना तैयार की गई है। इसके तहत, फिक्की और सीआईआई के सहयोग से वायपो और कार्यालय महानियंत्रक ने नवम्बर 2014 में पेटेंट सहयोग संधि पर हैदराबाद, मुम्बई, कोलकाता और दिल्ली में 4 रोविंग सेमिनार आयोजित किए व मैड्रिड प्रोटोकॉल पर कोलकाता और अहमदाबाद में 2 रोविंग सेमिनार आयोजित किए।

हैदराबाद में आयोजित पीसीटी विषयक जनजागरूकता के लिए रोविंग सेमिनार की तस्वीरें

कोलकाता में 24.11.2014 और अहमदाबाद में 26.11.2014 को आयोजित मैड्रिड प्रोटोकॉल विषयक जनजागरूकता कार्यक्रम के लिए रोविंग सेमिनार की तस्वीरें

8. जेपीओ प्रशिक्षण: जैटरो नई दिल्ली के माध्यम से जापान पेटेंट कार्यालय और कार्यालय महानियंत्रक ने परीक्षकों के लिए विनिमय कार्यक्रम आयोजित किए। अवधि के दौरान, 2 कार्यक्रम आयोजित किए गए। बौद्धिक सम्पदा कार्यालय, कोलकाता में 10-12 नवम्बर 2014 को औषधि के क्षेत्र में परीक्षक विनिमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ परीक्षण के दिशा-निर्देशों एवं उसके अभ्यास पर ध्यान दिया गया जिसमें वर्गीकरण, खोज नीति और मामले का अध्ययन शामिल है।

दूसरा कार्यक्रम भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली में 19.01.15 से 23.01.15 तक विशेषत: आईएसए में कार्य कर रहे परीक्षकों के लिए आयोजित किया गया। आईएसए के लिए दाखिल अंतर्राष्ट्रीय पीसीटी आवेदनों के परीक्षण से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे अंतर्राष्ट्रीय खोज रिपोर्ट (आईएसआर) का मसौदा तैयार करना, लिखित राय (डब्ल्यू.ओ) व अंतर्राष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षण पर प्रशिक्षण दिया गया।

आईएसए परीक्षकों के लिए संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जेपीओ के प्रशिक्षकों के साथ सीजीपीडीटीएम कार्यालय के अधिशासियों की समूह तस्वीर

अध्याय -X

प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बर्हि-क्रियाकलाप

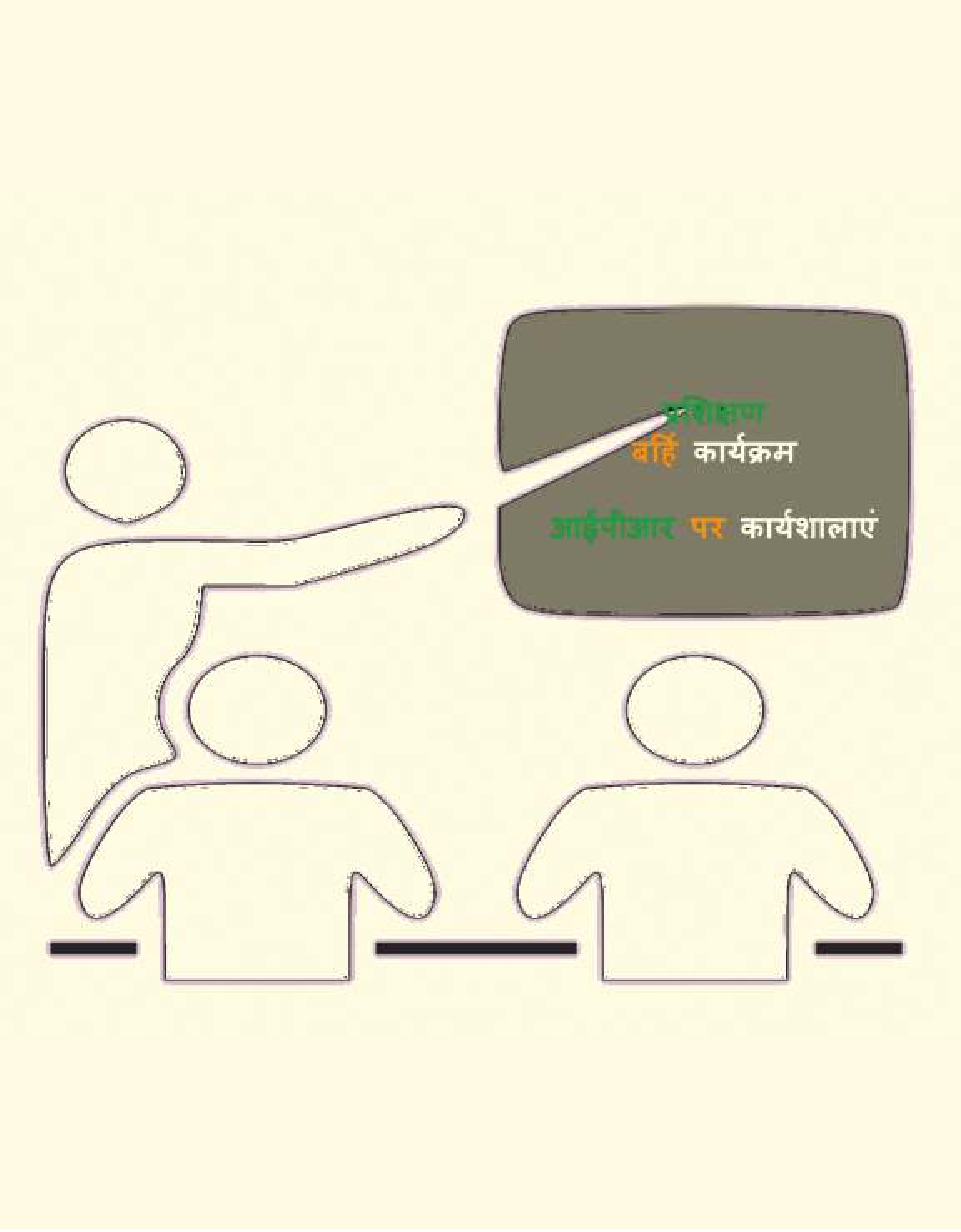

अध्याय - X

प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बर्हि-क्रियाकलाप

1. परिचय

भारत सरकार ने बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के लिए क्षमता सृजन तथा मानव संसाधन विकास हेतु महत्वपूर्ण पहल किए हैं। पेटेंट तथा व्यापार चिह्न परीक्षकों एवं अन्य अधिशासियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी आयोजित किए गए हैं।

भारत सरकार ने आम जनता के साथ-साथ शोध व विकास संस्थानों, वैज्ञानिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालय के लिए संपर्क कार्यक्रम संचालित करने की दिशा में भी पहल किया है। ये प्रयास महत्वपूर्ण मुद्दों और सरोकारों की विस्तृत समझ बनाने, बौद्धिक सम्पदा अधिकार की सुरक्षा और प्रवर्तन विषयक ज्ञान प्रदान करने और जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ व्यवसायों का सशक्तीकरण करने के लिए बौद्धिक सम्पदा अधिकार का लाभ उठाने पर केन्द्रित रहे। बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अधिकारी, वायपो, विश्वविद्यालयों, टीआईएफएसी, एनआरडीसी, फिक्की, सीआईआई, एसोचेम, एनआईडी आदि जैसे औद्योगिक संगठनों द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में नियमित भाग लेते रहे हैं।

भारत व विदेश मे अंतर्राष्ट्रीय मंचों की बैठक, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अधिकारियों की प्रतिभागिता

वर्ष 2014-15 के दौरान कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने वायपो और विदेशी बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण, सेमिनार और कार्यशालाओं में प्रतिभागिता की । इन अधिकारियों ने जिन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया उनका वर्णन निम्नवत् है:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम
1	23 से 30 अप्रैल, 2014 तक इंटरनेशनल इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (आईआईपीटीआइ), डाइजॉन, कोरिया गणराज्य में ट्रेड मार्क कानून और परीक्षण पर कार्यशाला
2	11 मई, 2014 को हांगकांग, चीन में एचकेसीइसी में मैड्रिड प्रणाली उपयोक्ता बैठक (एमएसएमयू)
3	12 से 16 मई, 2014 तक जिनेवा में वायपो की मानक समिति (सीडब्ल्यूएस) का चौथा सत्र्
4	19 से 23 मई, 2014 तक जिनेवा में वायपो विकास और बौद्धिक सम्पदा समिति (सीडीआईपी) का 13वॉ सत्र्
5	10 से 13 जून, 2014 तक जिनेवा में पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) कार्यकारी समूह का 7वाँ सत्र्
6	16 सितम्बर से 18 नवम्बर, 2014 तक जेपीओ/आईपीआर पेटेंट प्रैक्टिकल और टेलर्ड ट्रेनिंग (पीपीटीटी) कार्यक्रम
7	22 से 30 सितम्बर, 2014 तक जिनेवा में मैड्रिड यूनियन असेम्बली बैठक
8	22 सितम्बर से 26 सितम्बर, 2014 तक जिनेवा में वायपो के सदस्य देशों का सम्मेलन-बैठक की 54 वीं शृखंला
9	29 सितम्बर से 3 अक्तूबर, 2014 तक एलिकांट, स्पेन में व्यापार चिह्न और

	अभिकल्प विषय पर आंतरिक बाजार मे समन्वय (ओएचआईएम) एकेडमी के लिए कार्यालय द्वारा संचालित बौद्धिक सम्पदा सेमिनार
10	20-24 अक्तूबर, 2014 तक चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के लिए मैड्रिड प्रणाली के विधायी विकास के कार्यकारी समूह का 12वाँ सत्र
11	27अक्तूबर से 7 नवम्बर, 2014 तक टोक्यो, जापान में बौद्धिक सम्पदा प्रशासन में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
12	3 से 7 नवम्बर, 2014 तक जिनेवा में पेटेंट विधान की स्थायी समिति (एससीपी) के 21वें सत्र के लिए नामित्त
13	6 से 7 नवम्बर, 2014 तक म्युनिख, जर्मनी में कम्प्यूटर क्रियान्वित आविष्कारों के लिए पेटेंट पर भारतीय-यूरोपीय सम्मेलन
14	10 से 21 नवम्बर, 2014 तक टोक्यो में औद्योगिक सम्पदा (अंतरवर्ती/अद्यतन कार्यक्रम) के परीक्षण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
15	8 से 9 दिसम्बर, 2014 तक शांघाई, चीन में अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा फोरम में भागीदारी
16	2 से 6 फरवरी, 2015 तक टोक्यो, जापान में जापान पेटेंट ऑफिस द्वारा संचालित पीसीटी (पीसीटी/एमआईए) के तहत अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकारियों की बैठक और गुणवत्ता उपसमूह की बैठक का 22वाँ सत्र
17	6 से 13 फरवरी, 2015 तक टोक्यो, जापान में परिणाम आधारित बौद्धिक सम्पदा कार्यालय योजना के गठन और क्रियान्वयन के बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन पर वायपो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
18	19 से 26 फरवरी, 2015 तक टोक्यो, जापान में निर्दिष्ट प्रौद्योगिकी (फर्मास्यूटिकल्स) पर पेटेंट परीक्षकों के लिए वायपो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
19	3 से 12 मार्च, 2015 तक देजों, कोरिया गणतंत्र में पेटेंट विधान और परीक्षण पर वायपो कार्यशाला
20	16 से 20 मार्च, 2015 तक जिनेवा में व्यापार चिह्न, औद्योगिक अभिकल्प तथा भौगोलिक उपदर्शन के विधान पर वायपो की स्थायी समिति का 33वाँ सत्र
21	23 से 24 मार्च, 2015 तक प्यूब्ला, मेक्सिको में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार चिह्न पंजीकरण प्रणाली : मैड्रिड प्रणाली पर अंतर क्षेत्रीय सेमिनार

11 मई, 2014 को हांगकांग, चीन में एचकेसीईसी पर मैड्रिड प्रणाली उपयोक्ता बैठक(एमएसएमयू)

भारतीय अधिकारियों ने जेपीओ/आईपीआर पेटेंट प्रैक्टिकल एंड टेलर्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम में भी भागीदारी दी, (वर्ष 2014)

3. जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान एक ऐसी पहल की गई जहाँ महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प और व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) कार्यालय द्वारा औद्योगिक संगठनों (सीआईआई, फिक्की, एसोचेम और पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स) के साथ मिलकर राज्यस्तरीय बौद्धिक सम्पदा जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए। इनका उद्देश्य राज्य स्तर पर बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के प्रति अधिक जागरूकता सृजित करने के प्रयास को सुदृढ़ बनाना था। दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें से पहला दिन स्थानीय उद्योग और सरकारी विभाग के अधिकारियों में बौद्धिक सम्पदा जागरूकता के लिए समर्पित था जबकि दूसरा दिन शैक्षणिक समुदायों में बौद्धिक सम्पदा के प्रति जागरूकता सृजित करने पर केन्द्रित रहा। ये कार्यक्रम मुख्यत: विद्यार्थी, शोधकर्ता, व्याख्याता और प्रोफेसर, एमएसएमई और स्टार्ट-अप और सरकारी अधिकारी को ध्यान में रखकर बनाए गए थे। इसके लिए कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न ने 2014-15 के दौरान 31 कार्यक्रम संचालित/वित्त प्रदान किए जिसमें लगभग 3200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

वर्ष 2014-15 में कार्यालय ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्र के उद्यमियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए लघु उद्योग समूहों के बीच जागरूकता अभियान चलाना जारी रखा। औद्योगिक समूहों, सीआईआई, फिक्की और एसोचेम के साथ मिलकर देश के विभिन्न भागों में 14 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में शामिल हितधारकों की प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक थी।

इसके अतिरिक्त कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिशासियों ने वायपो, विश्वविद्यालयों, टीआईएफएसी, एनआरडीसी, फिक्की, सीआईआई, एसोचेम, एनआईडी आदि जैसे अन्य संगठनों द्वारा आयोजित कई जागरूकता कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्तियों के रूप में भागीदारी की।

आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर ने बौद्धिक सम्पदा पर 18 जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं संचालित किये जहाँ लगभग 946 प्रतिभागी उपस्थित हुए जिन्हें बौद्धिक सम्पदा अधिकार की महता से परिचित कराया गया।

इस वित्त वर्ष के दौरान भारतीय भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए सम्पूर्ण भारत में रजिस्ट्री कार्यालय द्वारा 8 (आठ) सूक्ष्मग्राही सेमिनार/कार्यशालाएं संचालित की गई। इन कार्यक्रमों में लगभग 1000 प्रतिभागियों (किसानों और कलाकारों सहित) ने अपनी प्रतिभागिता दी ।

राजभाषा के अंतर्गत अनिवार्य त्रैमासिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्रीमती रेखा रानी, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, पेटेंट कार्यालय दिल्ली ने केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित त्रैमासिक अनुवाद प्रशिक्षण पाठ्यक्रम मे अप्रैल से जून 2014 तक भाग लिया। उन्होने ब्यूरो द्वारा आयोजित परीक्षा मे विभिन्न विभागों के 36 अधिशासियों मे से प्रथम स्थान प्राप्त किया व इसके लिए उन्हे स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

अध्याय - XI

मानव संसाधन

अध्याय - XI

मानव संसाधन

1.परिचयः

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के अधीक्षण एवं प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत पेटेंट कार्यालय, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री, पेटेंट सूचना पद्धति एवं राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान अपनी गतिविधियाँ निष्पादित करते हैं।

भारत सरकार ने 11वीं योजना के दौरान मानव संसाधन के सुदृढ़ीकरण एवं संवर्द्धन हेतु "बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के आधुनिकीकरण और सशक्तिकरण" योजना के तहत 414 पदों की संस्तुति प्रदान की। इनमें 200 पेटेंट परीक्षकों के पद तथा 37 व्यापार चिह्न परीक्षकों के पद शामिल हैं। इसके साथ ही साथ सरकार ने राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधक संस्थान के लिए 12 अतिरिक्त पद भी सृजित किए हैं।

परीक्षक, एकस्व व अभिकल्प के रिक्त पदों को भरने के लिए सीजीपीडीटीएम ने परीक्षक, एकस्व एवं अभिकल्प के पद पर नियुक्ति हेतु परीक्षा संचालित करने के लिए शोध और मूल्यांकन परिषद (आरएबी), वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संस्थान (सीएसआईआर) के साथ एक सहमति की थी। तदनुसार, जनवरी 2011 में 257 पेटेंट परीक्षकों की नियुक्ति हेतु एक अखिल भारतीय परीक्षा आयोजित की गई। इन 257 चयनित अभ्यर्थियों में से प्रतिवेदन वर्ष में 164 ने भारतीय पेटेंट कार्यालय के विभिन्न स्थानों पर परीक्षक के रूप में अपना योगदान दिया है।

वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग ने 12वीं योजना के दौरान "बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के आधुनिकीकरण और सशक्तिकरण" योजना के तहत सीजीपीडीटीएम कार्यालय में दो वर्ष की अवधि के लिए 481 पदों (पेटेंट कार्यालय के लिए 373 और व्यापार चिह्न के लिए 108) की संस्तुति प्रदान की है। इन पदों के सृजन का अनुमोदन दिनांक 18.03.2015 के पत्र द्वारा सीजीपीडीटीएम कार्यालय को बताया गया है।

इसके अनुसरण में सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के साथ एक सहमति की है जिसके अंतर्गत एकस्व और अभिकल्प के परीक्षकों की नियुक्ति की जानी है जिसे नवसृजित पदों के साथ-साथ पहले से रिक्त 459 परीक्षक पदों को भरा जा सके।

31मार्च, 2015 तक पेटेंट कार्यालयों में 1 वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक, 15 उप नियंत्रक और 73 सहायक नियंत्रक सहित कुल परीक्षकों की संख्या 183 थी, जिनमें से 53 गैर योजना के तहत और 130 परीक्षक योजना के तहत थे।

1. **विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों में मानव संसाधनः** विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों में मानव संसाधन का विवरण नीचे दिया गया है।

क. मुम्बई में स्थित कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न: कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न मुख्यालय में निम्नलिखित सहायककर्मी हैं। हालाँकि, इस कार्यालय के सहज परिचालन के लिए पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालयों से अधिशासी प्रतिनियुक्त किए गए हैं।

31 मार्च, 2015 तक कार्यालय सीजीपीडीटीएम की गैर योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.सं.	पदनाम	अनुमोदित शक्ति	नियोजित शक्ति
1.	महानियंत्रक	1	1
2.	निजी सचिव	1	1
3.	स्टाफ कार ड्राइवर	1	1
4.	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	2	1
	कुल	5	4

ख. पेटेंट कार्यालय में मानव संसाधन:

पेटेंट कार्यालयों की कार्मिक शक्ति **परिशिष्ट-क** में दर्शायी गई है। यह परिशिष्ट सभी चार कार्यालयों में अनुमोदित कार्य-शक्ति के साथ-साथ नियोजित कार्मिक शक्ति की भी सूचना प्रदान करता है।

ग. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में मानव संसाधन:

दिनांक 31.03.2015 तक स्वीकृत पद तथा कार्यशील कार्मिक शक्ति का विवरण **परिशिष्ट ख** में दिया गया है।

घ. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में मानव संसाधन:

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का अपना अलग अनुमोदित मानव संसाधन है इस कार्यालय में कार्यरत कर्मियों की सूची **परिशिष्ट-ग** में दी गई है।

ङ. पीआईएस एवं आरजीएनआईआईपीएम में मानव संसाधन:

पीआईएस एवं आरजीएनआईआईपीएम के अधिकारियों एवं कार्मिक शक्ति का विवरण **परिशिष्ट-घ** में दिया गया है।

परिशिष्ट- क

31 मार्च, 2015 तक पेटेंट कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. स.	पदनाम	वर्ग	अनुमोदित शक्ति										नियोजित शक्ति									
			कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल		कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
			गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
2	संयुक्त नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	0	1	1	0	0	0	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	उप नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	2	2	1	3	2	1	2	2	7	8	2	2	1	3	2	1	2	2	7	8
4	सहायक नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	12	4	6	7	7	14	8	16	33	41	12	3	6	7	7	14	8	16	33	40
5	परीक्षक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	30	20*	27	20*	38	28*	42	62*	137	200*	6	20	5	20	19	28	23	62	53	130
6	हिन्दी अधिकारी	समूह क	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	सिस्टम एनालिस्ट/ कम्प्यूटर प्रोगामर	समूह क	--	--	--	--	--	--	--	--	--	2*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		कुल	45	27	35	30	48	43	53	81	181	253	20	25	12	30	28	43	33	81	93	179
1	प्रशासनिक अधिकारी	समूह ख	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0
2	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	समूह ख	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	0	0	1	1
3	लेखा अधिकारी	समूह ख	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
4	जन सूचना अधिकारी	समूह ख	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		कुल	2	0	1	1	1	0	1	0	5	3	2	0	1	1	1	0	1	0	5	1

* बाद में वितरण

क्र. स.	पदनाम	वर्ग	अनुमोदित शक्ति										नियोजित शक्ति									
			कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल		कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
			गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	कार्यालय अधीक्षक	समूह ख (अराजपत्रित)	20	0	12	1	10	3	12	3	54	7	20	0	8	0	4	0	11	1	43	1
2	पुस्तकालय सूचना सहायक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	0	1	0	1	0	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0
3	क.हिन्दी अनुवादक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0	1	0	0	0	1	0	1	0	3	0
4	आशुलिपिक वर्ग-1	समूह ख (अराजपत्रित)	4	0	2	0	2	0	2	0	10	10*	3	0	2	0	1	0	2	0	8	0
5	एकॉउंटेन्ट	समूह ख (अराजपत्रित)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1*	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		कुल	26	0	16	1	14	3	17	3	73	18	24	0	10	0	6	0	15	1	55	1
1	फोटोग्राफी सहायक	समूह ग	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0
2	आशुलिपिक - वर्ग-II	समूह ग	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0
3	प्रवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	39	0	3	0	6	0	9	0	57	0	32	0	3	0	6	0	9	0	50	0
4	निम्न श्रेणी लिपिक	समूह ग	15	0	5	0	10	0	14	0	44	0	8	0	0	0	9	0	8	0	25	0
5	हिन्दी टंकक	समूह ग	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0
6	रिसेपस्नीस्ट	समूह ग	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2*	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	डाटा इंट्री ऑपरेटर	समूह ग	0	0	0	5	0	7	0	8	0	20	0	0	0	4	0	1	0	3	0	8
8	मल्टी-टास्क स्टाफ	समूह ग	42	0	5	2	10	1	10	4	67	7	32	0	3	2	8	1	6	4	49	7
		कुल	99	0	14	7	27	8	34	12	174	29	75	0	7	6	24	2	24	7	130	15

* पद भरे जाने के बाद में वितरण।

परिशिष्ट-ख

31 मार्च, 2015 तक व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के अधिकारी व कर्मचारियों की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. स.	समूह क का पदनाम	अनुमोदित शक्ति												नियोजित शक्ति											
		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल	
		गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	3	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	1	2	1	1	1	1	1	1	1	0	5	5	0	0	1	0	1	0	1	0	0	0	3	0
4	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	3	2	1	1	1	2 + 1 ^	2	3	2	1	9	10	3	0	1	0	1	0	2	0	2	0	9	0
5	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	6	4	0	1	1	3 + 1 ^	3	3	1	1	11	13	6	4	0	0	0	3	3	0	0	0	9	7
6	हिन्दी अधिकारी	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
7	विधि अधिकारी	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
8	प्रोग्रामर/आईटी स्पेशलिस्ट	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	12	11	3	3	3	9	7	7	4	2	29	32	10	4	2	0	2	3	6	0	2	0	22	7

^ भौ.उ.रजिस्ट्री के लिए

क्र. सं.	समूह ख का पद (राजपत्रित)	अनुमोदित शक्ति												नियोजित शक्ति											
		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल	
		गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.उ.	15	22	1	2	2	3 + 2 ^	4	6	2	2	24	37 100*	15	22	1	1	2	0	3	2	2	0	23	25
2	प्रशासनिक अधिकारी	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
3	सहायक पुस्तकालय व सूचना अधिकारी	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0
4	निजी सचिव	2	0	0	0	0	1	0	1	0	0	2	2	2	0	0	0	0	1	0	1	0	0	2	2
5	जन संपर्क अधिकारी	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	20	22	1	2	2	7	4	9	2	2	29	42	18	22	1	1	2	1	3	4	2	0	26	28

* संविदा के आधार पर परीक्षक, व्यापार चिह्न   ^ भौ.उ.रजिस्ट्री के लिए

क्र. सं.	समूह ख का पद (अराजपत्रित)	अनुमोदित शक्ति												नियोजित शक्ति											
		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल	
		गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	कार्यालय अधीक्षक	4	0	1	0	0	0	1	0	0	0	6	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0
2	पुस्तकालय व सूचना सहायक	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	आशुलिपिक समूह I	3	1	2	2	2	2+ 1^	2	3	1	1	10	10	2	0	2	0	2	0	1	0	1	0	8	0
4	सहायक परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौगोलिक उपदर्शन	11	5	2	0	2	1	3	4	3	3	21	13	5	1	2	0	1	0	2	0	3	0	13	1
5	कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	20	6	5	2	4	4	7	7	4	4	40	23	7	1	4	0	3	0	4	0	4	0	22	1

^ भौ.उ.रजिस्ट्री के लिए

क्र. सं.	पदों के नाम समूह "ग"	अनुमोदित शक्ति												नियोजित शक्ति											
		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल		मुम्बई		कोलकाता		चेन्नई		दिल्ली		अहमदाबाद		कुल	
		गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	सहायक अधीक्षक	6	0	4	0	1	0	0	0	0	0	11	0	5	0	2	0	1	0	0	0	0	0	8	0
2	फोटोग्राफी सहायक	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	रोकड़िया	1	0	1	0	1	0	1	0	0	0	4	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	2	0
4	प्रवर श्रेणी लिपिक	26	0	5	0	4	0	4	0	3	0	42	0	18	0	4	0	3	0	1	0	1	0	27	0
5	आशुलिपिक समूह II	0	0	1	0	1	0	1	0	0	0	3	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0
6	अवर श्रेणी लिपिक	20	0	6	0	7	0	2	0	3	0	38	0	8	0	3	0	3+1#	0	1	0	0	0	16	0
7	हिन्दी टंकक	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
8	डाटा इंट्री ऑपरेटर	0	0	0	2	0	4	0	4	0	2	0	12	0	0	0	2	0	0	0	3	0	1	0	6
9	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	28	0	8	0	8	0	9	1	4	1	57	2	24	0	5	0	8	0	5	0	2	1	44	1
	कुल	83	0	25	2	22	4	17	5	10	3	157	14	56	0	14	2	16	0	9	3	3	2	98	7

#वर्तमान में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में कार्यरत

परिशिष्ट-ग

31 मार्च, 2015 तक भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.सं.	पदनाम	अनुमोदित शक्ति	नियोजित शक्ति
1.	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	0
2.	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	1
3.	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	1
4.	आशुलिपिक समूह-II	1	1
5.	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	1	1
	कुल	5	4

परिशिष्ट-घ

पीआईएस और आरजीएनआईआईपीएम के अधिकारियों और कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.सं.	पदनाम	अनुमोदित शक्ति	नियोजित शक्ति
1	वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी	1	1
2	कार्यालय अधीक्षक	1	1
3	वरिष्ठ प्रलेखन सहायक	1	1
4	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	1	1
5	आशुलिपिक समूह I	1	1
6	भंडार सहायक	1	1
7	कनिष्ठ प्रलेखन सहायक	1	1
8	कनिष्ठ रिप्रोग्राफी सहायक	3	3
9	सहायक अधीक्षक	1	1
10	आशुलिपिक समूह II	1	0
11	शेल्फ सहायक	1	1
12	प्रवर श्रेणी लिपिक	3	3
13	स्वागतकर्त्ता	1	1
14	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	2	2
15	अवर श्रेणी लिपिक	3	3
16	हिंदी टंकक	1	1
17	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	6	6
	कुल	29	28